

कौमी पत्रिका

राष्ट्रीय दैनिक अखबार

VISIT:
www.qaumipatrika.in
Email: qpatrika@gmail.com

R.N.I. No. UP-HIN/2007/21472 सम्पादक - गुरचरन सिंह बख्तर वर्ष 19 अंक 172 qaumipatrikahindi 011-41509689, 23315814, 9312262300 गाजियाबाद संवत् 2077-78, पेज (12) मूल्य 3.00 रुपये (हवाई शुल्क 50 पैसे अतिरिक्त)

टीएमसी का घमंड टूट: मोदी

‘भाजपा की जीत तय’ ममता सरकार में मां-माटी और मानुष का सम्मान नहीं, छोटे-छोटे नेता खुद को सरकार समझते हैं : प्रधानमंत्री मोदी

एजेसी बर्नगांव। पीएम नरेंद्र मोदी ने पश्चिम बंगाल के बर्नगांव की रैली में कहा कि पहले फेज के मतदान में TMC का घमंड टूट चुका है। दूसरे चरण में भाजपा की जीत तय होती दिख रही है। पीएम ने आरोप लगाया कि जश्न शासन में छोटे-छोटे नेता और गुंडे खुद को सरकार समझने लगे हैं।



पीएम ने कहा, '15 साल पहले TMC 'मां, माटी, मानुष' का नारा देकर सत्ता में आई थी, आज वे इन शब्दों को बोल भी नहीं पाते। अगर ये लोग ये शब्द बोलेंगे, तो इनके पाप सामने आ जाएंगे। TMC के राज में मां-माटी और मानुष का सम्मान नहीं है।' पश्चिम बंगाल में सेकेंड फेज की वोटिंग 29 अप्रैल को होगी।

पीएम ने कहा- बंगाल की महिलाओं के प्रति हमारी प्रतिबद्धता इस बात से दिखती है कि हमने संदिग्धताली पीड़िता और आरजी कर डॉक्टर की मां को चुनावी टिकट दिया है। TMC की निर्णम सरकार बंगाल की महिलाओं पर अत्याचार करने वाले गुंडों के साथ खड़ी रहती है। अब समय आ गया है कि बंगाल की जनता कहे- अब और नहीं सहेंगे। पीएम ने कहा- 4 मई के बाद बंगाल में भाजपा की नई सरकार बनने पर महिलाओं के साथ रेप और अत्याचार करने वाले अपराधियों को कानून के कठघरे में लाया जाएगा।

सिपाही पासिंग आउट परेड में बोले सीएम योगी- प्रदेश में खत्म हुआ माफियाराज

‘अब यहां नहीं होते दंगे’

एजेसी लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि आरक्षी प्रशिक्षण के दौरान बेटियों ने जिस मजबूती, तत्परता, समर्पण व अनुशासन का परिचय दिया है, वह सराहनीय है। अनुशासन व टीमवर्क का उत्कृष्ट भाव सबसे बड़ी ताकत है। इन सबको समाहित करते हुए देश के लिए सर्वोत्कृष्ट योगदान देने की भावना वर्दीधारी बल का सबसे महत्वपूर्ण अंग होती है। प्रशिक्षण में जितना पसीना बहेगा, बाद के जीवन में उतना ही कम खून बहने की नौबत आती है। सीएम योगी रविवार को 60,244 आरक्षी नागरिक पुलिस सीधी भर्ती के अंतर्गत वर्ष 2025 बैच के पुलिस आरक्षियों के दीक्षांत परेड समारोह को संबोधित कर रहे थे। रिजर्व पुलिस लाइन में हुए आयोजन में सीएम परेड का निरीक्षण किया और सलामी भी ली। सीएम ने प्रशिक्षण पूर्ण कर दीक्षांत समारोह का हिस्सा बनने वाली महिला आरक्षियों को बधाई दी और कहा कि सभी ने लगन व अनुशासन के साथ कठोर प्रशिक्षण प्राप्त किया है। अब आप सबको जनपदों की फोल्ड ड्यूटी में जाना है। याद रखिए, कानून अपराधी के लिए जितना कठोर हो, नागरिकों के प्रति

उतना ही संवेदनशील होना चाहिए। उन्होंने उम्मीद जताई कि सभी आरक्षी प्रशिक्षण से प्राप्त ज्ञान, कौशल व



कई प्रशिक्षण केंद्रों में जाकर देखा, अब बेहतर प्रशिक्षण व सुविधाएं

सीएम योगी ने कहा कि आज प्रदेश के 10 पुलिस प्रशिक्षण संस्थानों, 73 जनपदों की पुलिस लाइंस, 29 पीएसबी बटालियनों, 112 रिजर्व ट्रेनिंग सेंटरों में एक साथ आरक्षी दीक्षांत परेड आयोजित की जा रही है। 15 जून 2025 को लखनऊ के डिफेंस एक्सपोजे ग्राउंड में केंद्रीय गृह व सहकारिता मंत्री अमित शाह ने 60,244 अभ्यर्थियों को नियुक्ति पत्र प्रदान किए थे। 21 जुलाई से इनका प्रशिक्षण प्रारंभ हुआ। इस दौरान मंत्री विभिन्न प्रशिक्षण केंद्रों में गया और देखा कि प्रशिक्षण व सुविधाएं पहले से बेहतर हुई हैं।

मूल्यांकन का उपयोग करते हुए निष्ठा, ईमानदारी व कर्तव्य परायणता से युक्त पुलिस की गौरवशाली परंपरा को कार्मिकों की भर्ती और 1 लाख से अधिक पुलिसकर्मियों का प्रमोशन किया।

मन की बात : प्रधानमंत्री ने गुरुदेव को याद करने से लेकर ऊर्जा क्षेत्र की उपलब्धियां साझा की

एजेसी नई दिल्ली। प्रधानमंत्री मोदी ने ब्रह्मन की बात कार्यक्रम में रविवार को गुरुदेव रवींद्रनाथ टैगोर को याद करते हुए उन्हें बहु आयामी प्रतिभा के धनी, लेखक और महान विचारक बताया और कहा कि उन्होंने कई प्रसिद्ध संस्थाओं को आकार दिया। प्रधानमंत्री ने शांति निकेतन की अपनी यात्रा को अविस्मरणीय बताया। 9 मई रवींद्रनाथ टैगोर की जयंती है।

प्रधानमंत्री मोदी ने अपने मासिक रेडियो कार्यक्रम से देश की ऊर्जा क्षेत्र से जुड़ी दो बड़ी उपलब्धियां साझा की। उन्होंने तमिलनाडु के कलपक्कम स्थित फास्ट ब्रीडर रिएक्टर द्वारा क्रिटिकलटी हासिल करने पर वैज्ञानिकों को बधाई दी। साथ ही पवन ऊर्जा क्षेत्र में देश की



ऊर्जा क्षेत्र से जुड़ी उपलब्धियों को भारत की परमाणु ऊर्जा यात्रा में मील का पत्थर बताया।

उत्पादन क्षमता 56 गीगावॉट तक पहुंचने की उपलब्धि का उल्लेख किया। प्रधानमंत्री मोदी ने मन की बात के 133वें एपिसोड में देश की 6 गीगावॉट क्षमता बढ़ाई है। इससे देश की पवन ऊर्जा उत्पादन क्षमता 56 गीगावॉट तक पहुंच गई है।

उन्होंने कहा कि यह रिएक्टर पूरी तरह स्वदेशी तकनीक से निर्मित है, जो देश की वैज्ञानिक क्षमता और आत्मनिर्भरता को दर्शाता है। इसके अलावा प्रधानमंत्री ने देश के अलग-अलग राज्यों में पवन ऊर्जा क्षमता के विस्तार के बारे में जानकारी देते हुए कहा कि पिछले 1 साल में देश ने 6 गीगावॉट क्षमता बढ़ाई है। इससे देश की पवन ऊर्जा उत्पादन क्षमता 56 गीगावॉट तक पहुंच गई है।

छत्तीसगढ़ के 47 नक्सलियों ने तेलंगाना पुलिस के समक्ष किया आत्मसमर्पण

आत्मसमर्पण करने वाले कैडरों ने 32 हथियार भी सौंपे हैं



एजेसी हैदराबाद। भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (नक्सली) के विभिन्न रैकों के 47 भूमिगत कैडरों ने यहां तेलंगाना के पुलिस महानिदेशक बी. शिवाधर रेड्डी के समक्ष आत्मसमर्पण कर दिया। आत्मसमर्पण करने वालों में हेमला आयथ उर्फ विज्जा (दक्षिण बस्तर प्रभारी) और पोडियम लाचु उर्फ मनोज (9वीं प्लाटून के कमांडर) जैसे बड़े नाम शामिल हैं। ये सभी 47 कैडर छत्तीसगढ़ राज्य के निवासी हैं। प्रत्येक आत्मसमर्पण करने वाले कैडर को 25,000 रुपये की अंतरिम राहत राशि सौंपी गई है।

डीजीपी बी. रेड्डी ने बताया कि इस वर्ष अब तक तेलंगाना में कुल 260 भूमिगत नक्सलियों ने आत्मसमर्पण किया है। आत्मसमर्पण करने वाले कैडरों ने 32 हथियार भी सौंपे हैं, जिनमें एक लाइट मशीन गन (एलएमजी) और चार एके-47 राइफल शामिल हैं। इसके अलावा, विभिन्न क्षमता के 515 जिंदा कारतूस भी जमा किए गए।

प्लास्टिक फैक्ट्री में आग का तांडव

आसपास की सोसायटियों में रह रहे लोगों में मचा हड़कंप

शॉर्ट सर्किट से आग लगने की आशंका



अलसुबह लगी आग पर काबू पाने में जूझते रहे कर्मचारी

एजेसी गुरुग्राम। जिला में आगजनी की घटनाएं लगातार बढ़ रही हैं। रोजाना कहीं ना कहीं आग की घटना हो रही है। रविवार को अलसुबह यहां बजधेड़ा क्षेत्र में एक प्लास्टिक की फैक्ट्री व उसके गोदाम में भीषण आग लग गई। आग इतनी भीषण थी कि आग बुझाने के लिए कर्मचारी पास भी नहीं जा पा रहे थे। 10 किलोमीटर से अधिक दूरी से धुआं आसमान में नजर आ रहा था। आसपास बनी सोसायटियों में भी आग की इस घटना से दहशत रही। रविवार को अलसुबह बजधेड़ा क्षेत्र में प्लास्टिक फैक्ट्री के कर्मचारियों को आग लगने का पता चला। पहले तो कर्मचारियों ने खुद ही मिट्टी और अन्य तरीकों से आग बुझाने का प्रयास किया, लेकिन आग तेजी से फैलती गई। फायर ब्रिगेड और पुलिस को सूचना दी गई। सूचना मिलते ही फायर ब्रिगेड की आधा दर्जन से अधिक गाड़ियां लेकर कर्मचारी मौके पर पहुंचे और आग बुझाने शुरू की। आग की भयावहता का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि आसमान में काले धुएं के गुबार कई किलोमीटर दूर से दिखाई दे रहे थे। करीब चार घंटे की कड़ी मशकत के बाद आग पर काबू पाया गया।

केदारनाथ धाम में आस्था का सैलाब

चार दिनों में 1.24 लाख श्रद्धालुओं ने किए दर्शन



एजेसी रुद्रप्रयाग। केदारनाथ धाम में इस वर्ष यात्रा की शुरुआत के साथ ही अभूतपूर्व श्रद्धालु संख्या दर्ज की जा रही है। मात्र चार दिनों में ही 1,24,782 श्रद्धालु बाबा केदार दर्शन कर चुके हैं, जो देशभर में धार्मिक आस्था के बढ़ते रुझान को दर्शाता है। बाबा केदार के 22 अप्रैल से कपाट खुले हैं। आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार, 24 अप्रैल सायं 5 बजे से 25 अप्रैल सायं 5 बजे तक 31,160 श्रद्धालुओं ने दर्शन किए। इनमें 21,035 पुरुष, 9,993

यह आंकड़ा न केवल श्रद्धालुओं के उत्साह को दर्शाता है, बल्कि यात्रा व्यवस्थाओं की मजबूती और सुव्यवस्थित संचालन को भी प्रमाणित करता है। महिलाएं और 132 बच्चे शामिल हैं। कपाट खुलने के बाद मात्र चार दिनों के भीतर ही रिकॉर्ड 1,24,782 श्रद्धालुओं ने बाबा केदार के दर्शन कर लिए हैं।

सुप्रीम कोर्ट की टिप्पणी

अग्रिम जमानत भले खारिज करें, पर सरेंडर का आदेश नहीं दे सकती अदालतें

एजेसी नई दिल्ली। देश की सर्वोच्च अदालत ने अग्रिम जमानत और अदालती क्षेत्राधिकार को लेकर महत्वपूर्ण टिप्पणी की है। सुप्रीम कोर्ट ने कहा है कि किसी भी आरोपी को अग्रिम जमानत याचिका को खारिज करना अदालत का अधिकार है। हालांकि, याचिका खारिज करते समय अदालत के पास यह शक्ति नहीं है कि वह आरोपी को संबंधित ट्रायल कोर्ट के सामने आत्मसमर्पण करने का निर्देश दे। सुप्रीम कोर्ट ने क्या-क्या कहा?

पीठ ने सुनवाई के दौरान न्यायिक सीमाओं के बारे में बात की। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि यदि अदालत अग्रिम

संहिता (आईपीसी) की विभिन्न गंभीर धाराओं के तहत आरोप लगाए गए थे। इनमें धारा 323 यानी स्वेच्छ से चोट पहुंचाना, 420-धोखाधड़ी, 468 यानी धोखाधड़ी के उद्देश्य से जालसाजी और 471-जाली दस्तावेज का उपयोग शामिल हैं। झारखंड से जुड़ा है मामला

यह पूरा मामला झारखंड हाईकोर्ट के एक पुराने आदेश से उभरा था। हाई कोर्ट ने भूमि विवाद से संबंधित एक मामले में आरोपी की अग्रिम जमानत याचिका को खारिज कर दिया था। याचिका खारिज करने के साथ ही हाई कोर्ट ने आरोपी को निर्देश दिया था कि वह निवृत्ति अदालत के सामने आत्मसमर्पण करे और नियमित जमानत के लिए आवेदन करे।

भगवंत मान सरकार की 'मुख्यमंत्री सेहत योजना' के सहयोग से मात्र 33 सप्ताह में जन्मी नवजात बच्ची ने बठिंडा के एनआईसीयू में जिंदगी की जंग जीती

कौमी पत्रिका चंडीगढ़/बठिंडा, 26 अप्रैल। नवजात की पहली किलकारी राहत लेकर आनी चाहिए, लेकिन कई बार यह सन्नाटा भी लेकर आती है। बठिंडा जिले के रामपुरा फूल स्थित अग्रवाल अस्पताल में एक बच्ची का जन्म हुआ, लेकिन उसके जीवन की जंग अभी शुरू ही हुई थी। सिर्फ 33 सप्ताह में जन्मी रेशम सिंह और गुरमेल कौर की बेटी समय से पहले बेहद नाजुक हालत में इस दुनिया में आई। उसका वजन केवल 1.926 किलोग्राम था, जो सामान्य पूर्णकालिक जन्म वजन (लगभग 2.5 से 4 किलोग्राम) से काफी कम है। जन्म के पहले ही पल से उसे सांस लेने में कठिनाई हो रही थी। विना चिकित्सकीय सहायता के सांस लेना संभव नहीं था। ऐसे हालात में समय गंवाने की कोई गुंजाइश नहीं थी। डॉ. सुरेंद्र अग्रवाल (एमडी पीडियाट्रिक्स), जिनके पास 24 वर्षों का अनुभव है, ने अपनी टीम

के साथ तुरंत उपचार शुरू किया। बच्ची को एनआईसीयू में भर्ती किया गया, जहां मशीनें वह काम

दिनों तक ऑक्सीजन सपोर्ट दिया गया। इस दौरान बच्ची को पीलिया हो गया, जिसका इलाज फोटोथेरेपी से किया गया। सीमित कंसाह मदर केयर के जरिए सावधानीपूर्वक पोषण दिया गया, ताकि उसकी नाजुक स्थिति प्रभावित हुए बिना उसे गर्माहट और स्थिरता मिल सके। डॉ. अग्रवाल ने कहा, एनआईसीयू में सुधार अचानक नहीं आता, यह धीरे-धीरे स्थिर संकेतों के साथ आता है।

र रह रही थीं, जो उसके अविकसित फेफड़े नहीं कर पा रहे थे। मॉनिटर पर हर धड़कन और हर सांस पर नजर रखी जा रही थी—हर पल अनिश्चितता और हर पल महत्वपूर्ण था। इसके बाद 17 दिनों तक लगातार देखभाल और सही उपचार जारी रहा। नवजात को 10 दिनों तक कंटीन्यूअस पॉजिटिव एयरवे प्रेशर सहायता दी गई, इसके बाद 4

अमित शाह बोले- सरकार बनने के बाद खत्म कर देंगे टीएमसी के सभी सिंडिकेट

एजेसी नेहड़ा। बंगाल के तेह्रम में आयोजित जनसभा को संबोधित करते हुए केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने मुख्यमंत्री ममता बनर्जी और तुंगभूल कांग्रेस पर तीखा हमला बोला। उन्होंने दावा किया कि विधासभा

चुनाव के पहले चरण में बंगाल की जनता ने 'दीदी का सूपड़ा साफ' कर दिया है और भाजपा को स्पष्ट बढ़त मिल चुकी है। उन्होंने कहा कि पहले चरण में जिन 152 सीटों पर मतदान हुआ, उनमें से 110 सीटों पर भाजपा जीत दर्ज कर रही है। उन्होंने

भरोसा जताया कि दूसरे चरण में बाकी काम पूरा कर भाजपा पश्चिम बंगाल में सरकार बनाएगी। बंगाल की जनता इस बार परिवर्तन का मन बना चुकी है और टीएमसी सरकार को सत्ता से बाहर करने का फैसला कर चुकी है। महिलाओं और

युवाओं को लेकर उन्होंने कहा कि यदि पश्चिम बंगाल में भाजपा की सरकार बनती है तो मई महीने से राज्य की हर महिला के बैंक खाते में 3,000 रुपये भेजे जाएंगे। इसके साथ ही राज्य के बेरोजगार युवाओं के खातों में भी 3,000 रुपये प्रति

माह जमा कराए जाएंगे। शाह ने यह भी घोषणा की कि हर गर्भवती महिला को बच्चे की देखभाल और पोषण के लिए 21,000 रुपये की आर्थिक सहायता दी जाएगी। केंद्रीय गृह मंत्री ने ममता बनर्जी सरकार पर किसानों की अनदेखी करने का

आरोप भी लगाया। उन्होंने कहा कि इस क्षेत्र के लहसुन किसानों के साथ राज्य सरकार ने धोखा किया है। देश के अर्थ हिस्से में लहसुन 200 रुपये प्रति किलो बिक रहा है, लेकिन बांग्लादेश के रास्ते आ रहे नकली चीनी लहसुन की वजह से बंगाल के

किसानों को अपनी उपज सिर्फ 12 रुपये प्रति किलो के भाव पर बेचनी पड़ रही है। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार बनने पर चीनी लहसुन की एंटी बंद की जाएगी और किसानों को उनकी उपज का उचित मूल्य दिलाया जाएगा।

दिल्ली मेट्रो के महिला शौचालय में मिला शव, रोहिणी मेट्रो स्टेशन में बम होने की अफवाह से मचा हड़कंप

नई दिल्ली (एजेंसी)। देश की राजधानी दिल्ली में शनिवार को मेट्रो स्टेशनों पर हुई दो अलग-अलग घटनाओं ने सुरक्षा व्यवस्था और हालात को लेकर चिंता बढ़ा दी। एक ओर जहां रोहिणी सेक्टर-18 मेट्रो स्टेशन पर बम की अफवाह से हड़कंप मच गया, वहीं दूसरी ओर इंदरलोक मेट्रो स्टेशन पर महिला शौचालय के अंदर एक व्यक्ति का शव मिलने से सनसनी फैल गई। पहली घटना उत्तर-पश्चिम दिल्ली के रोहिणी सेक्टर-18 मेट्रो स्टेशन की है, जहां शाम करीब 5-30 बजे बम होने की सूचना मिली। सूचना मिलते ही दिल्ली पुलिस, बम निरोधक ब्रिगाद, बम डिटेक्शन टीम और सीआईएसफ के जवान तुरंत मौके पर पहुंच गए। पूरे स्टेशन परिसर की गहन तलाशी ली गई, लेकिन जांच में कोई भी साक्ष्य वस्तु नहीं मिली। पुलिस के अनुसार, यह एक फर्जी कॉल थी। मामले में एक व्यक्ति को हिरासत में लिया गया है, जो प्राथमिक जांच में मानसिक रूप से अस्वस्थ बताया जा रहा है। अधिकारियों ने राहत की बात बताते हुए कहा कि इस घटना का मेट्रो सेवाओं पर कोई असर नहीं पड़ा और परिचालन सामान्य रूप से जारी रहा। वहीं दूसरी घटना इंदरलोक मेट्रो स्टेशन की है, जहां शाम करीब 5-33 बजे पुलिस नियंत्रण कक्ष को सूचना मिली कि स्टेशन के सुलभ परिसर में स्थित महिला शौचालय अंदर से बंद है और वहां से तेज दुर्गंध आ रही है। सूचना पर पहुंची पुलिस टीम ने दरवाजा तोड़कर अंदर प्रवेश किया, जहां लगभग 40 वर्षीय एक व्यक्ति का शव बरामद हुआ। पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि प्राथमिक जांच में मृतक शौचालय का केयरटेकर प्रतीत हो रहा है। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, उसे आखिरी बार करीब दो दिन पहले देखा गया था। फिलहाल शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है और पहचान की प्रक्रिया जारी है।

केदारनाथ मार्ग पर बारिश में कार खाई में गिरी, 4 लोगों को बचाया

देहरादून (एजेंसी)। उत्तराखंड में केदारनाथ राष्ट्रीय राजमार्ग पर शनिवार देर शाम एक बड़ा हादसा हुआ, जब एक कार 50 मीटर गहरी खाई में गिर गई। गुप्तकाशी और गौरीकुंड के बीच जुरानी बैरियर के पास हुई इस घटना में महाराष्ट्र की तीन महिला तीर्थयात्रियों और चालक को पुलिस और बचाव दल ने सुरक्षित बचा लिया। अधिकारियों ने बताया कि सबसे पहले यातायात टीम ने घटना की सूचना दी। सूचना मिलते ही गुप्तकाशी पुलिस थाना, फाटा चौकी और यातायात पुलिस के कर्मी तुरंत मौके पर पहुंचे और बचाव अभियान शुरू किया। भारी बारिश और प्रतिकूल मौसम के बावजूद, बचाव दल ने त्वरित कार्रवाई करते हुए क्षतिग्रस्त कार से चालक समेत सभी चार लोगों को सुरक्षित बाहर निकाला। बचाई गई महिला तीर्थयात्रियों की पहचान महाराष्ट्र निवासी सुषमा, साधना और लता के रूप में हुई है। सभी पीड़ितों को तुरंत प्राथमिक उपचार के लिए पास के अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहां उनकी हालत स्थिर बताई जा रही है।

मुंबई में पाइप गैस के नाम पर साइबर टगी : 30 दिन में 100 से ज्यादा लोग ठगे गए, 2.7 करोड़ की चपत

मुंबई (एजेंसी)। पश्चिम एशिया संकट और एलपीजी की संभावित कमी की आशंकाओं के बीच साइबर टगों ने नया तरीका अपनाकर मुंबई में लोगों को निशाना बनाया है। महानगर गैस लिमिटेड (एमजीएल) के पाइप गैस उपभोक्ताओं और नए कनेक्शन के आवेदकों को फर्जी मैसेज और कॉल के जरिए टमकर पिछले 30 दिनों में 100 से अधिक लोगों से करीब 2.7 करोड़ रुपये ठग लिए गए हैं। पुलिस में दर्ज एक आईआर के मुताबिक, टगों ने लोगों को ठगने के लिए 'आज रात कनेक्शन बंद हो जाएगा' जैसे मैसेज भेजे। इसके बाद उन्हें एक लिंक के जरिए मोबाइल में एपीके फाइल डाउनलोड करने को कहा गया। यह फाइल असल में एक मालवेयर था, जिससे टगों को फोन का रिमोट एक्सेस मिल जाता था और वे बैंकिंग जानकारी चुरा लेते थे। साइबर पुलिस के डीआईजी संजय शिंजे कहते हैं कि टग पहले एसएमएस या व्हाट्सएप पर बिल अपडेट न होने या भुगतान बाकी होने का झूठा मैसेज भेजते थे। फिर खुद को एमजीएल या इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन का अधिकारी बताकर कॉल करते थे। वे लोगों को 'वेरिफिकेशन' या 'अपडेट' के नाम पर एपीके फाइल डाउनलोड कराते थे। इसे इंस्टॉल करते ही टग फोन को कंट्रोल कर लेते थे और ओटीपी सहित बैंक डिटेल्स हासिल कर लेते थे। इसके बाद कुछ ही मिनटों में कई ट्रांजेक्शन कर लाकों रुपये उछा लेते थे। पीड़ितों में घरेलू सहायकों से लेकर शिक्षक, ड्राइवर, वकील, पत्रकार, व्यवसायी, सरकारी कर्मचारी और बुजुर्ग शामिल हैं। उधर महानगर गैस लिमिटेड (एमजीएल) ने स्पष्ट किया है कि वह कभी भी संश्लेष मैसेज के जरिए कनेक्शन बंद करने की धमकी नहीं देता। एपीके फाइल डाउनलोड करने के लिए नहीं कहता और बिल अपडेट के लिए अनजान नंबरों पर कॉल करने को नहीं कहता।

विश्व मलेरिया दिवस के मौके पर डब्ल्यूएचओ ने बताया मलेरिया से बचाने के उपाय

नई दिल्ली (एजेंसी)। एक मच्छर भी आपके स्वास्थ्य के लिए बड़ी दिक्कत पैदा कर सकता है। विश्व मलेरिया दिवस के मौके पर विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) ने मलेरिया को पूरी तरह समाप्त करने के बता कर कहा कि मच्छरों के काटने से फैलने वाली बीमारी के बचाव के लिए हमें क्या करना और क्या नहीं करना चाहिए। डब्ल्यूएचओ के अनुसार, इन बीमारियों को आसानी से रोका और ठीक किया जा सकता है, लेकिन इसके लिए सावधानी जरूरी है। संतानन ने आम लोगों से अपील की है कि वे मच्छरों को पनपने से रोकें और खुद को बचाएं। डब्ल्यूएचओ के मुताबिक मच्छरों को पनपने से रोकने के लिए घर के आसपास जमे पानी को पूरी तरह हटा दें। मच्छर पानी में अंडे देते हैं, इसलिए गमलों, टायरों, बाल्टियों या किसी भी जगह पर पानी जमा न रहने दें। सूरज डूबने से लेकर सूरज उगने तक पूरी बाजू वाले कपड़े पहनें ताकि मच्छर काट न सकें। सोते समय मच्छरदानों का इस्तेमाल जरूर करें। खिड़कियों और दरवाजों पर जाली लगाएं ताकि मच्छर घर के अंदर न आ सकें। इसके अलावा, लक्षणों पर नजर रखें जैसे मलेरिया के शुरुआती लक्षण दिखने पर तुरंत डॉक्टर से संपर्क करें। मलेरिया के आम लक्षण हैं, बुखार, शरीर में दर्द, ठंड लगना, थकान, सिरदर्द और पतली होना। इनमें से कोई भी लक्षण दिखने पर दर न करें। वहीं, गंभीर लक्षण में भ्रम की स्थिति, सांस लेने में तकलीफ, दौरे पड़ना व गाढ़ा पीला पेशाब होना।

फंस गए चट्टा? कपिल सिब्बल ने निकाला पेच, अब उसी पर सियासी चाल चलेंगे केजरीवाल

नई दिल्ली (एजेंसी)। आम आदमी पार्टी (आप) अपने सात राज्यसभा सांसदों के भारतीय जनता पार्टी में शामिल होने के बाद अब पूरी तरह से आक्रामक और एक्शन मोड में नजर आ रही है। पार्टी इस पूरे घटनाक्रम को केवल राजनीतिक धोखा नहीं, बल्कि एक संवैधानिक संकट मान रही है और इसे संसद से लेकर राष्ट्रपति भवन तक ले जाने की पूरी तैयारी कर चुकी है। पार्टी के शीर्ष नेतृत्व ने राज्यसभा के सभापति और उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन के साथ-साथ राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू से मुलाकात कर इन बागी सांसदों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग करने का निर्णय लिया है।

पार्टी के वरिष्ठ नेता और राज्यसभा सांसद संजय सिंह ने स्पष्ट कर दिया है कि वे इस मुद्दे पर किसी भी तरह का समझौता नहीं करेंगे। उन्होंने कौपीन की है कि वे राज्यसभा अध्यक्ष को औपचारिक पत्र लिखकर इन सातों सांसदों की सदस्यता तत्काल प्रभाव से खत्म करने की मांग करेंगे। संजय सिंह का तर्क है कि यह पूरा घटनाक्रम असंवैधानिक और संसदीय मर्यादाओं के खिलाफ है। वहीं, पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान ने भी राष्ट्रपति से मिलने का समय मांगा है। पार्टी की मंशा पंजाब से चुने गए इन सांसदों को वापस बुलाने यानी रिकॉल करने की मांग उठाने की है, हालांकि



विशेषज्ञों का मानना है कि भारतीय संविधान में फिलहाल ऐसी कोई व्यवस्था नहीं है।

इस पूरे घटनाक्रम की शुरुआत तब हुई जब राघव चड्ढा की अगुवाई में कुल दस में से सात सांसदों ने पाला बदलकर बीजेपी का दामन थाम लिया। बागी गुट में अशोक मिश्र, संदीप पाठक, राजेंद्र गुप्ता, विक्रम साहनी, हरभजन सिंह और पंजाब से चुने गए इन सांसदों को वापस बुलाने का दावा है कि उनके पास दो-तिहाई बहुमत है,

इसलिए उनका विलय कानूनी रूप से वैध है। हालांकि, कानूनी विशेषज्ञों और वरिष्ठ वकीलों का मानना है कि किसी भी विलय के लिए केवल सांसदों की सहमति काफी नहीं होती, बल्कि मूल पार्टी के स्तर पर भी औपचारिक प्रस्ताव आवश्यक है। आम आदमी पार्टी ने इस टूट के पीछे केंद्रीय जांच एजेंसियों के दुरुपयोग का आरोप लगाया है। पार्टी का कहना है कि विपक्षी नेताओं को डराने और विपक्ष को कमजोर करने के लिए छापेमारी का

सहारा लिया गया है। दूसरी ओर, बीजेपी ने इन आरोपों को सिरे से खारिज करते हुए इसे सांसदों की अंतरात्मा की आवाज करार दिया है। अब सभी की निगाहें राज्यसभा अध्यक्ष और राष्ट्रपति के रुख पर टिकी हैं कि वे इस संवैधानिक पेच पर क्या फैसला लेंगे। यह मामला भविष्य में पंजाब की राजनीति और देश के दल-बदल कानून की दिशा तय करने में महत्वपूर्ण साबित हो सकता है।

तेलंगाना-चारमीनार एक्सप्रेस के कोच में लगी भीषण आग, बाल-बाल बचे यात्री

हेदराबाद (एजेंसी)। तेलंगाना के यदाद्री भुवनेश्वरी जिले में एक बड़ा रेल हादसा होने से टल गया, जहाँ चारमीनार एक्सप्रेस के एक कोच में अचानक आग लग गई। प्राप्त जानकारी के अनुसार, जब ट्रेन अलेर रेलवे स्टेशन के पास से गुजर रही थी, तभी उसके एस-5 कोच से धुएँ के साथ आग की तेज लपटें उठने लगीं। राहत की बात यह रही कि घटना के समय ट्रेन की रफ्तार काफी कम थी, जिसके चलते किसी भी यात्री के हताहत होने की खबर नहीं है। हादसे के दौरान कोच में सवार यात्रियों के बीच चीख-पुकार और अफरा-तफरी मच गई।



जैसे ही आग की लपटें खिड़कियों से बाहर निकलने लगीं, यात्रियों ने सूझबूझ दिखाते हुए तुरंत चेन खींच दी। ट्रेन की गति धीमी होने के बावजूद दहशत में आ चुके यात्री ट्रेन रुकने से पहले ही खिड़कियों और दरवाजों से बाहर कूद गए। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, देखते ही देखते पूरा कोच आग की भेदी में तब्दील हो गया था, लेकिन समय रहते ट्रेन रुक जाने से आग अन्य डिब्बों तक नहीं फैल सकी। सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे वीडियो में ट्रेन के कोच से भयावह काला धुआं और लपटें उठती देखी जा सकती है। घटना की सूचना मिलते ही दमकल की गाड़ियाँ और रेलवे के वरिष्ठ अधिकारी मौके पर पहुंचे। कड़ी मशकत के बाद आग पर काबू पा लिया गया। शुरुआती जांच में आग लगने का कारण शॉर्ट सर्किट बताया जा रहा है, हालांकि रेलवे अधिकारियों ने स्पष्ट किया है कि पूरे जांच के बाद ही असली वजह सामने आ पाएगी। रेलवे प्रशासन ने यात्रियों को सुरक्षित उनके गंतय तक पहुँचाने के लिए वैकल्पिक व्यवस्था की है और मामले की उच्च स्तरीय जांच के आदेश दिए गए हैं। इस हादसे ने एक बार फिर ट्रेनों में सुरक्षा मानकों और बिजली के रख-रखाव पर सवाल खड़े कर दिए हैं।

व्हाइट हाउस डिनर पार्टी में फायरिंग को लेकर बोलीं प्रियंका चतुर्वेदी

भारत को नरक कहने वालों... दिखा असली नरक

ट्रंप ने बताया था भारत को नरक अब उन पर साधा जा रहा राजनीतिक तौर पर निशाना

नई दिल्ली (एजेंसी)। अमेरिका की राजधानी वाशिंगटन डीसी में व्हाइट हाउस कॉरस्पोंडेंट्स डिनर के दौरान हुई फायरिंग की घटना के बाद राजनीतिक प्रतिक्रियाओं का दौर तेज हो गया है। इस घटना पर शिवसेना (यूबीटी) नेता प्रियंका चतुर्वेदी ने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के पुराने बयान पर तीखा पलटवार किया है। प्रियंका चतुर्वेदी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि जिस देश ने भारत को 'नरक' कहा था, वह खुद गम हिसा के कारण गंभीर संकट का सामना कर रहा है। उन्होंने अमेरिका में बढ़ती गोलीबारी की घटनाओं पर चिंता जताते हुए इसे एक बड़ी समस्या बताया। उन्होंने

कहा कि वाशिंगटन में आयोजित इस कार्यक्रम के दौरान गोलियों की आवाज सुनाई देना बेहद चिंताजनक है। घटना के दौरान राष्ट्रपति ट्रंप और उपराष्ट्रपति जेडी वेंस को तुरंत सुरक्षित स्थान पर ले जाया गया। प्रियंका ने अपने पोस्ट में लिखा कि अमेरिका में बंदूक हिंसा एक पुरानी और गंभीर समस्या है, जिस पर हर बड़ी घटना के बाद चर्चा तो होती है, लेकिन ठोस समाधान नहीं निकलता। उन्होंने कहा कि इस समस्या के कारण स्कूली बच्चों, निर्दोष नागरिकों और यहां तक कि राजनीतिक नेताओं की भी जान जा चुकी है। इस घटना के बहाने उन्होंने ट्रंप के उस बयान को भी याद दिलाया, जिसमें भारत और भारतीय प्रवासियों को लेकर आपत्तिजनक टिप्पणी की गई थी। प्रियंका ने कहा कि गम हिसा से निपटने में विफलता के चलते अमेरिका खुद 'नरक जैसा' बनता जा रहा है।



कर्नाटक में सियासी हलचल तेज, सीएम बदलने की अटकलों को मिली हवा

दिल्ली में डटे डीके शिवकुमार, बेंगलुरु में सिद्धारमैया की 'सिक्रेट' बैठक

बेंगलुरु (एजेंसी)। कर्नाटक कांग्रेस में इन दिनों अंदरूनी खींचतान तेज होती नजर आ रही है। उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार के दिखी दौर और मुख्यमंत्री सिद्धारमैया के बेंगलुरु में बंद कमेरे की बैठक ने राज्य की राजनीति को गरमा दिया है। इन घटनाक्रमों के बाद राज्य में नेतृत्व परिवर्तन की अटकलें एक बार फिर तेज हो गई हैं। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक, दवणगेरे उपचुनाव से जुड़ा विवाद अब पार्टी के भीतर शक्ति संतुलन की लड़ाई का रूप लेता दिख रहा है। एक ओर शिवकुमार खेमे के नेता सक्रिय हो रहे हैं, वहीं दूसरी ओर सिद्धारमैया समर्थक भी अपनी रणनीति को मजबूत करने में जुट गए हैं। इसी बीच, सिद्धारमैया ने बेंगलुरु के कनिंघम रोड स्थित एक निजी स्थान पर अपने करीबी मंत्रियों के साथ अहम बैठक की। इस बैठक में जी. परमेश्वर, के. एच. मुनिष्या, सतीश जकारोहोली, जमीर अहमद खान और दिनेश गुंडु राव समेत कई वरिष्ठ नेता शामिल हुए। बताया जा रहा है कि बैठक में



संभावित कैबिनेट फेरबदल और पार्टी के अंदरूनी मुद्दों पर चर्चा की गई। वहीं दूसरी तरफ, डीके शिवकुमार अपने भाई डीके सुरेश के साथ दिल्ली पहुंचे और पार्टी

नेतृत्व से मुलाकात कर रहे हैं। उन्होंने इस बैठक को लेकर अनभिज्ञता जताते हुए कहा कि वे नेताओं को 'करीबी' या 'गैर-करीबी' के आधार पर नहीं आंकते। हालांकि सार्वजनिक मंचों पर

दोनों नेताओं ने एकजुटता का संदेश देने की कोशिश की है, लेकिन उनके समर्थकों के बयानों में मतभेद साफ नजर आ रहा है। सिद्धारमैया के बेटे यतींद्र सिद्धारमैया ने दावा किया कि उनके पिता पूरे पांच साल मुख्यमंत्री बने रहेंगे। वहीं, शिवकुमार समर्थक विधायकों का कहना है कि मौजूदा कार्यकाल में ही उन्हें मुख्यमंत्री बनाया जा सकता है।

राजनीतिक जानकारों का मानना है कि आगामी उपचुनाव और सरकार के तीन साल पूरे होने के बाद पार्टी में बड़े फैसले लिए जा सकते हैं। खुद शिवकुमार ने भी संकेत दिए हैं कि 20 मई से पहले कुछ 'अप्रत्याशित घटनाक्रम' देखने को मिल सकते हैं। फिलहाल, अंतिम फैसला कांग्रेस हाईकमान के हाथ में है, लेकिन जिस तरह से दोनों खेमे सक्रिय हुए हैं, उससे साफ है कि कर्नाटक की राजनीति आने वाले दिनों में और ज्यादा गर्मान वाली है।

देश के कई राज्यों में भीषण गर्मी के बीच बारिश का रेड अलर्ट, ओलावृष्टि और तूफान की चेतावनी

नई दिल्ली (एजेंसी)। भीषण गर्मी और लू के थपेड़ों से जूझ रहे भारत के कई राज्यों के लिए राहत की खबर सामने आई है। भारत मौसम विज्ञान विभाग ने देश के विभिन्न हिस्सों में बारिश, आंधी-तूफान और ओलावृष्टि का पूर्वानुमान व्यक्त करते हुए रेड अलर्ट जारी किया है। मौसम विभाग के अनुसार, जहां एक ओर मैदानी इलाकों में सूरज की तीव्र चरम पर है, वहीं दूसरी ओर पूर्वोत्तर के राज्यों में भारी बारिश और तूफान की प्रबल संभावना बनी हुई है, जिसका असर आसपास के राज्यों पर भी देखने को मिलेगा।

मौसम विभाग की रिपोर्ट के मुताबिक, 26 से 28 अप्रैल के दौरान जम्मू-कश्मीर, जम्मू और मुजफ्फराबाद में गरज-चमक के साथ हल्की से मध्यम बारिश हो सकती है, जहाँ हवाओं की गति 50 किमी प्रति घंटे तक पहुंचने का अनुमान है। वहीं, 28 से 30 अप्रैल के बीच हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड के पहाड़ी क्षेत्रों में भी छिटपुट बारिश की संभावना जताई गई है। मैदानी राज्यों की बात करें तो पंजाब, हरियाणा, चंडीगढ़ और राजस्थान में 27 से 30 अप्रैल के दौरान मौसम में बदलाव दिखेगा। उत्तर प्रदेश के पश्चिमी और पूर्वी हिस्सों में भी 28 अप्रैल से 1 मई के बीच गरज और तेज



हवाओं के साथ बारिश होने के आसार हैं। पिछले 24 घंटों में उत्तर प्रदेश का बांदा 47.4 डिग्री सेल्सियस तापमान के साथ सबसे गर्म स्थान रहा, लेकिन आने वाले दिनों में तापमान में गिरावट की उम्मीद है। आईएमडी का कहना है कि 28 अप्रैल से उत्तर-पश्चिम और पूर्वी भारत के तापमान में 2-4 डिग्री सेल्सियस की कमी आ सकती है, जिससे लू से कुछ राहत मिलेगी। हालांकि, पूर्वोत्तर राज्यों के लिए आगामी कुछ दिन चुनौतीपूर्ण हो सकते हैं। असम, मेघालय और अरुणाचल प्रदेश में 27 अप्रैल से 1 मई के बीच भारी से बहुत भारी बारिश का अलर्ट है। विशेषकर असम और मेघालय में

50-60 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से चलने वाले भीषण तूफान की चेतावनी दी गई है, जिससे जलभराव और दुर्घटना कम होने की आशंका है। पूर्वी भारत में झारखंड और दक्षिण के उत्तर आंतरिक कर्नाटक में 26 और 27 अप्रैल को ओलावृष्टि की संभावना जताई गई है। इसके साथ ही पश्चिम बंगाल, बिहार और ओडिशा में भी तेज हवाओं के साथ बारिश का अनुमान है। मौसम विभाग ने आम जनता को सलाह दी है कि जब तक तापमान में गिरावट नहीं आती, तब तक दोपहर के समय धूप में बाहर निकलने से बचें और मौसम की चेतावनियों को ध्यान में रखते हुए सावधानी बरतें।

क्या महाराष्ट्र में भी ठाकरे गुट के अंदर ऑपरेशन लोटस की हलचल

-आप के अंदर हुई बगावत के बाद सियासी चर्चा तेज

नई दिल्ली (एजेंसी)। मुंबई (ईएमएस)। महाराष्ट्र की राजनीति में फिर हलचल तेज होती दिख रही है, और अयोधित बैठक में शामिल हुए। जाधव अगुवाई वाली शिवसेना (यूबीटी) का भी वहीं हाल होने वाला है, जैसा हाल हाल के समय में अरविंद केजरीवाल की आम आदमी पार्टी के साथ हुआ है। आप में कई बड़े नेताओं, खासकर राज्यसभा सांसदों के अलग होने की खबरों के बाद अब वैसी ही अटकलें शिवसेना (यूबीटी) को लेकर लगा रही हैं। दरअसल, करीब चार साल पहले एकनाथ शिंदे की बगावत के कारण शिवसेना दो हिस्सों में बंट गई थी, जिससे उद्धव ठाकरे को मुख्यमंत्री पद भी गंवाना पड़ा। अब फिर उनके गुट से असंतोष की खबरें सामने आ रही हैं। हाल ही में पार्टी के कुछ सांसदों की गतिविधियों ने इन अटकलों को और हवा दे दी है। विशेष रूप से संजय जाधव की

गैरमौजूदगी ने पार्टी के भीतर सवाल खड़े कर दिए। वे न 'मातोश्री' में हुई महत्वपूर्ण बैठक में पहुंचे और न ही 'सेना भवन' में आयोजित बैठक में शामिल हुए। जाधव मराठवाड़ा क्षेत्र में पार्टी का कदवाव चेहरा माने जाते हैं, इसके बाद उनकी अनुपस्थिति को हल्के में नहीं लिया जा सकता है। हालांकि, पार्टी के वरिष्ठ नेता अंबादास दानवे ने जाधव की गैरमौजूदगी को पारिवारिक कारण बताकर स्थिति को सामान्य बनाने की कोशिश की है। लेकिन यह उद्धव ठाकरे गुट के लिए अकेला मामला नहीं है। पिछले कुछ महीनों में शिवसेना (यूबीटी) के कई सांसदों के बीच असंतोष की खबरें आ रही हैं। सुत्रों के अनुसार, पार्टी के कामकाज और नेतृत्व से संवाद की कमी को लेकर नाराजगी बढ़ रही है। अरविंद सावंत और अनिल देसाई जैसे कुछ नेताओं को छोड़कर कई सांसद अन्य राजनीतिक विकल्पों पर विचार कर रहे हैं।

फिलहाल, कोई ठोस सबूत नहीं है कि शिवसेना (यूबीटी) में तुरंत कोई बड़ी टूट होने वाली है। लेकिन जिस तरह की गतिविधियाँ सामने आ रही हैं, उससे यह जरूर साफ है कि पार्टी के अंदर सब कुछ पूरी तरह स्थिर नहीं है। आने वाले समय में यह देखना दिलचस्प होगा कि क्या यह केवल अटकलें हैं या वास्तव में महाराष्ट्र की राजनीति एक और बड़े बदलाव की ओर बढ़ रही है।

भारत-चीन के बीच रूसी तेल को लेकर खींचतान, सऊदी अरब में भी लगाई संध

-प्रतिस्पर्धा तेज, जून में आने वाली तेल की खेपों के लिए बोली लगाना शुरू

नई दिल्ली (एजेंसी)। इजराइल-अमेरिका के साथ चल रहे ईरान युद्ध ने भारत और चीन को एक ऐसे मोड़ पर ला खड़ा किया है जहां 'दोस्ती' नहीं, बल्कि 'जरूरत' मायने रखती है। होमुजुम में जारी तनाव और अमेरिका-ईरान के बीच ठप पड़ी शांति वार्ता ने वैश्विक बाजार में कच्चे तेल की किल्लत पैदा कर दी है। इसके परिणामस्वरूप अब भारत और चीन के बीच रूसी तेल के हर एक बैरल को लेकर जबरदस्त खींचतान शुरू हो गई है, जिससे भारत की ऊर्जा सुरक्षा को लेकर चिंताएं बढ़ गई हैं।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक होमुजुम के रास्ते में ईरान की घेराबंदी और खाड़ी देशों के तेल इंफ्रास्ट्रक्चर पर लगातार हो रहे हमलों ने

मिडिल ईस्ट से आने वाले तेल की आपूर्ति पर ब्रेक लगा दिया है। कल तक जो भारत और चीन सऊदी अरब और इराक से बड़ी मात्रा में तेल खरीद रहे थे, आज वे अपनी ऊर्जा जरूरतों को पूरा करने के लिए पूरी तरह रूस की तरफ मुड़ गए हैं। विशेषज्ञों का कहना है कि रूसी कच्चे तेल के लिए भारत और चीन के बीच मुकाबला अब तक के सबसे ऊँचे स्तर पर पहुंच गया है। एक रिपोर्ट के मुताबिक जून में आने वाली तेल की खेपों के लिए दोनों देशों ने अभी से ही बोली लगानी शुरू कर दी है, जिससे प्रतिस्पर्धा और भी तीव्र हो गई है।

रिपोर्ट के मुताबिक शुरु से पहले के आंकड़ों पर गौर करें तो चीन होमुजुम के रास्ते रोजाना करीब 44.5 लाख बैरल तेल मंगता

था, जो अप्रैल में घटकर मात्र 2.2 लाख बैरल रह गया। वहीं, भारत के लिए भी यह आंकड़ा 28 लाख बैरल से लुढ़ककर 2.4 लाख बैरल पर आ गया है, जो एक बड़ी गिरावट है। तेल भंडार के मामले में भारत की स्थिति चिंताजनक है। चीन के पास करीब तीन से चार महीने का तेल भंडार है, जबकि भारत के पास केवल 30 दिनों का बफर स्टॉक है। भारत सरकार ने अब तक पेट्रोल-डीजल के दाम नहीं बढ़ाए हैं, जिससे देश में ईंधन की मांग कम नहीं हुई है। इसका सीधा मतलब है कि भारत को किसी भी कीमत पर तेल चाहिए, जो उसकी मौलभाव करने की क्षमता को कमजोर करता है।

रूस के राजदूत डैनिस अलोपोव ने हाल ही में एक इंटरव्यू में साफ किया कि

भारत भारी मात्रा में रूसी तेल खरीद रहा है और रूस इस सहयोग को आगे बढ़ाना चाहता है। उन्होंने अमेरिकी पारबंदियों को 'अवैध दबाव' करार दिया। अब हकीकत यह है कि भारत के पास अपनी ऊर्जा सुरक्षा के लिए रूस के अलावा कोई ठोस विकल्प नहीं है, खासकर जब वैश्विक बाजार में अन्य स्रोतों से आपूर्ति बाधित हो रही है। इस बीच चीन ने भारत की एक और प्रमुख तेल आपूर्ति स्रोत सऊदी अरब में भी संध लगा दी है। युद्ध से पहले भारत सऊदी अरब से अपना तेल आयात बढ़ा रहा था, लेकिन अब वहां भी चीन ने अपनी पकड़ मजबूत कर ली है। सऊदी अरब ने चीन की रिफाइनरियों में मोटा पैसा लगा रखा है। अप्रैल में सऊदी अरब ने चीन को 13.5 लाख बैरल तेल



भेजा है, जो यह दर्शाता है कि चीन न केवल रूसी तेल के लिए भारत से मुकाबला कर रहा है, बल्कि पारंपरिक आपूर्तिकर्ताओं पर

भी अपनी पकड़ बना रहा है, जिससे भारत के लिए चुनौती खड़ी गई है।

डॉग स्कवायड और स्वेट टीम के साथ चलाया सर्च अभियान, 2200 लीटर लाहन बरामद

एजेंसी हिंसार। अवैध शराब के निर्माण और तस्करी के खिलाफ चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत सदर थाना पुलिस ने पौरावाली गांव के सुनसान और झाड़ियों वाले इलाके में बड़ी छापेमारी की। इस कार्रवाई की मुख्य विशेषता पुलिस के विभिन्न विंगों का समन्वय रहा, जिसमें डॉग स्क्वाड और स्वेट कमांडो टीम ने भी सक्रिय रूप से हिस्सा लिया। पुलिस को सूचना मिली थी कि पौरावाली गांव के बाहरी इलाके में झाड़ियों की आड़ में अवैध रूप से कच्ची शराब (लाहन) तैयार की जा रही है। सूचना की गंभीरता को देखते हुए शनिवार को एसआई विनोद कुमार के नेतृत्व में एक संयुक्त टीम का गठन किया गया। इलाके की भौगोलिक स्थिति चुनौतीपूर्ण होने के कारण डॉग स्क्वायड की मदद ली गई, जिसने सटीक स्थान को पहचान करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई, वहीं स्वेट टीम ने सुरक्षा घेरा बनाकर ऑपरेशन को अंजाम दिया। सर्च अभियान के दौरान पुलिस टीम ने झाड़ियों में छुपाकर रखे गए पांच ड्रम बरामद किए। इन ड्रमों में लगभग 1000 लीटर लाहन (कच्ची शराब) भरी हुई थी, जिसे अवैध रूप से निकाला जाना था। पुलिस टीम ने मौके पर ही बरामद की गई 1000 लीटर लाहन व शराब बनाने के उपकरणों को भी कब्जे में ले लेकर अज्ञात के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

जनगणना ड्यूटी से गायब होने वाले अध्यापकों वाले अध्यापकों पर होगी कार्रवाई

चंडीगढ़। शिक्षा निदेशालय ने जनगणना ड्यूटी से गैरहाजिर रहने वाले कर्मचारियों को चेतावनी देते हुए कहा है कि किसी भी स्तर पर ड्यूटी काटी नहीं जाएगी। गैरहाजिर रहने वाले कर्मचारियों के विरुद्ध कार्रवाई की जाएगी। जनगणना ड्यूटी में 60 हजार से अधिक कर्मचारियों को तैनात किया गया है। शिक्षक जनगणना ड्यूटी से कनी का काट रहे हैं। ज्यादातर शिक्षक जनगणना ड्यूटी से गैर-हाजिर मिल रहे हैं। लिहाजा, शिक्षकों की लापरवाही शिक्षा निदेशक ने कड़ा सजाव लेते हुए गैर हाजिर रहने वाले शिक्षकों की रिपोर्ट तैयार करने के निर्देश दिए हैं। शिक्षा निदेशक जितेंद्र दहिया ने वीडियो कन्फ्रेंसिंग के जरिये जिला शिक्षा अधिकारियों तथा जिला मौलिक शिक्षा अधिकारियों की बैठक ली। समीक्षा के दौरान सामने आया कि ज्यादातर शिक्षक ड्यूटी से अनुपस्थित मिल रहे हैं। शिक्षकों की लापरवाही पर शिक्षा निदेशक ने नाराजगी जताते हुए जिला शिक्षा अधिकारी और मौलिक शिक्षा अधिकारियों को फटकार लगाते हुए कड़ी हिदायत दी कि जनगणना ड्यूटी से अनुपस्थित रहने वाले शिक्षकों की रिपोर्ट तैयार की जाए, संबंधित शिक्षकों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी। जनगणना का कार्य में जिन अध्यापकों की ड्यूटी लगी है, वह स्कूल समय से पहले या बाद में काम पूरा करेंगे।

टेंट हाउस के गोदाम में भीषण आग, लाखों का सामान जलकर राख

कैथल। जिले के कस्बे सोवन के टेंट हाउस के गोदाम में आग लगने से लाखों रुपये का नुकसान हो गया। आग की चपेट में आकर टेंट, गद्दे, क्रोकरि सहित अन्य सामान जलकर राख हो गया। सैनी टेंट हाउस गोदाम के मालिक राजकुमार और बबला ने बताया कि शुकुवार रात को वे रोजाना की तरह गोदाम में सामान रखकर घर चले गए थे। उस समय तक सब कुछ सामान्य था। अल सुबह पड़ोसियों से उन्हें सूचना मिली कि गोदाम में आग लगी हुई है। सूचना मिलते ही वह मौके पर पहुंचे और स्थानीय लोगों के साथ मिलकर आग बुझाने का प्रयास किया, लेकिन तब तक आग विकराल रूप धारण कर चुकी थी। स्थिति को गंभीरता को देखते हुए तुरंत फायर ब्रिगेड को सूचना दी गई। नगर की स्मकल टीम के साथ-साथ कैथल से भी फायर ब्रिगेड की गाड़ियां मौके पर पहुंचीं। दमकल कर्मियों ने कई घंटों की कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। पीड़ितों के अनुसार इस हादसे में करीब 15 लाख रुपये का नुकसान हुआ है। उन्होंने बताया कि हाल ही में लगभग छह लाख रुपये का नया सामान भी खरीदा गया था, जो गोदाम में रखा हुआ था और आग में पूरी तरह नष्ट हो गया। पड़ोसी सोहनलाल ने बताया कि दर रात तक सब कुछ सामान्य था, लेकिन करीब तीन बजे उन्हें कुछ जलने की आंशंका हुई।

लबित पड़ी मांगों को लेकर कर्मचारियों ने किया प्रदर्शन, सौपा ज्ञापन

गुरुग्राम: नगरपालिका कर्मचारी संघ के आह्वान पर नगर निगम के कर्मचारियों ने बड़ी संख्या में पुराना निगम कार्यालय पर एकत्रित होकर कर्मचारी यूनियन के प्रधान बसंत कुमार व अग्रिमन विभाग यूनियन के प्रधान साहू खान की अध्यक्षता में प्रदर्शन करते हुए अग्रिमन चौक, अग्रवाल चौक से होते हुए सिविल लाइन क्षेत्र स्थित प्रदेश के कैबिनेट मंत्री राव नरवीर सिंह के आवास पहुंचे और कर्मचारियों की हड़ताल व लबित पड़ी मांगों को लेकर ज्ञापन सौपा। धरने में शामिल कर्मचारियों को संबोधित करते हुए कर्मचारी नेताओं बसंत कुमार, साहू खान, सुशीला देवी, राजेश कुमार, महेश कुमार, भारत कांगड़ा, धर्मद जिंगला आदि ने कहा कि कर्मचारियों ने अपनी लबित पड़ी मांगों व फरीदाबाद की घटना के मृत 2 कर्मियों के परिजनों को न्याय दिलाने के लिए सैक्टर 29 स्थित दमकल केंद्र पर आयोजित धरना 18वें दिन भी जारी रहा। उनका कहना है कि मांगों के चलते प्रदेश भर में रोजाना सैकड़ों की संख्या में आगजनों की घटनाएं हो रही हैं, लेकिन इसके बावजूद राज्य सरकार यह कहकर गुमराह कर रही है।

अब किसानों को वाट्सअप पर मिलेगा वयूआर-कोड आधारित जे-फार्म

एजेंसी

चंडीगढ़। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने ऐलान किया कि किसानों को अब वाट्सअप के माध्यम से वयूआर कोड आधारित जे-फार्म मिलेगा, जबकि अगले सीजन से किसान एप लांच किया जाएगा।सीएम ने यह ऐलान हरियाणा निवास में पत्रकारों से बातचीत के दौरान किया। मुख्यमंत्री ने गेहूं खरीद के आंकड़े पेश करने के साथ विपक्ष को भी घेरा। उन्होंने कहा कि अगले सप्ताह से किसानों को वाट्सअप के जरिये वयूआर कोड आधारित जे फार्म भेजे जाएंगे, ताकि किसानों को ऋण सहित अन्य प्रकार की सुविधा लेने में किसी तरह की परेशानी का सामना न करना पड़े।मुख्यमंत्री ने कहा कि अगले सीजन से किसान एप भी लॉन्च किया जाएगा, जिसमें किसानों को जे-फॉर्म, भुगतान की

स्थिति, भूमि बुवाई एवं उपज सत्यापन की स्थिति, गेट पास



शेड्यूलिंग (अगली सर्सों फसल से प्रारंभ), भूमि सत्यापन की स्थिति तथा सभी सूचनाएं किसान ई-खरीद एप में उपलब्ध होंगी। जिससे खरीद कार्य में किसी प्रकार की देरी नहीं होगी। मुख्यमंत्री ने गेहूं खरीद के आंकड़े पेश करते हुए बताया कि

गौ संवर्धन के लिए निरंतर प्रयास कर रही भाजपा सरकार : भव्य बिश्नोई

एजेंसी

हिंसार। भाजपा युवा मोर्चा के प्रदेश प्रभारी एवं पूर्व विधायक भव्य बिश्नोई ने कहा है कि सरकार की ओर से दी जा रही आर्थिक सहायता गौशालाओं के संचालन, गायों के संरक्षण और उनकी बेहतर देखभाल के लिए महत्वपूर्ण साबित होगी। उन्होंने गाय को भारतीय संस्कृति और समाज की पहचान बताते हुए कहा कि गौ सेवा न केवल धार्मिक आस्था का विषय है, बल्कि यह हमारी परंपराओं और मूल्यों को संरक्षित करने का भी एक माध्यम है।

भव्य बिश्नोई आदमपुर विधानसभा क्षेत्र में आयोजित विभिन्न सामाजिक एवं विकासकार्यक्रमों में ग्रामीणों को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने बालसमंद में आयोजित एक कार्यक्रम में भाग लेते हुए

बालसमंद, डोभी, मोहब्बतपुर, काबरेल, मंडी आदमपुर, सदलपुर, कोहली, खासा महाजन, फ्रांसी और जगाण स्थित गौशालाओं के प्रतिनिधियों को करोड़ों रुपये के चेक वितरित किए।

भव्य बिश्नोई ने अपने संबोधन में कहा कि राज्य और केंद्र सरकार द्वारा गौ संवर्धन के लिए निरंतर प्रयास कर रही है। इसी कड़ी में यह सहायता राशि गौशालाओं को मजबूत बनाने में सहायक होगी। उन्होंने गौशाला संचालकों से अपील की कि वे इस राशि का सदुपयोग करते हुए गायों के लिए बेहतर सुविधाएं सुनिश्चित करें। भव्य बिश्नोई ने ढाणी मोहब्बतपुर में एक खाल (पानी की नहर) का उद्घाटन भी किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि सिंचाई सुविधाओं को मजबूत करना किसानों की समृद्धि के लिए अत्यंत आवश्यक है।

जियो-फेसिंग और सीसीटीवी से खरीद पर निगरानी, फर्जी आवक पर लगा अंकुश : नायब सैनी

एजेंसी

चंडीगढ़। प्रदेश भर की मंडियों में बंपर तोड़ गेहूं की आवक हुई है। अब मंडियों में अब तक 81 लाख 48 हजार मीट्रिक टन गेहूं की आवक हुई, जोकि पिछले चार साल में सबसे ज्यादा है। मंडियों में जियो-फेसिंग और सीसीटीवी से खरीद पर निगरानी खरी जा रही है, जिससे फर्जी आवक पर अंकुश लगा है। हरियाणा निवास में पत्रकारों से बातचीत के दौरान मुख्यमंत्री नायब सैनी गेहूं खरीद के आंकड़े पेश करते हुए बताया कि गेहूं खरीद में नया कौर्तमान स्थापित हुआ है। सीएम ने स्पष्ट किया कि सरकार द्वारा खरीद प्रक्रिया को पूरी तरह ऑनलाइन और पारदर्शी बनाने के चलते मंडियों में व्यवस्था सुचारु रूप से संचालित हो रही है और किसानों को समय पर भुगतान सुनिश्चित हो रहा है। जियो-फेसिंग और सीसीटीवी निगरानी जैसी आधुनिक तकनीकों के उपयोग से फर्जी खरीद पर पूरी तरह अंकुश

लगाया गया है। मुख्यमंत्री ने विपक्ष पर निशाना साधते हुए कहा कि पूर्व की सरकारों के समय न डिजिटल व्यवस्था थी, न पारदर्शिता थी, न समय पर भुगतान होता था। किसानों को मंडियों में लंबी कतारों में खड़ा



रहना पड़ता था, कागजी टोकन बनते थे और भुगतान के लिए हप्तों, कभी-कभी महीनों का इंतजार करना पड़ता था। वर्ष 2014 से अब तक फसल खरीद की प्रक्रिया में बड़ा

अब तक 81 लाख 48 हजार मीट्रिक टन गेहूं की आवक दर्ज की जा चुकी है, जो पिछले 4 वर्षों में सर्वाधिक है। अकेले 11 अप्रैल को एक ही दिन में 7 लाख 71 हजार मीट्रिक टन गेहूं की रिकॉर्ड आवक हुई। मुख्यमंत्री ने कहा कि मेरी फसल-मेरा ब्यौरा पोर्टल पर इस वर्ष 10 लाख 7 हजार 657 किसान पंजीकृत हैं। सरकार ने किसानों की सुविधा के लिए ई-खरीद पोर्टल और मोबाइल एप के माध्यम से डिजिटल गेट पास और एगिजट पास की व्यवस्था लागू की है। इस सीजन में अब तक 13 लाख 47 हजार डिजिटल गेट पास जारी किए गए हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि अब तक 5 लाख 80 हजार किसान अपनी उपज लेकर मंडियों में पहुंच चुके हैं। हर किसान को पहचान डिजिटल गेट पास के माध्यम से सुनिश्चित की जा

रही है। इसके साथ ही 79 लाख 14 हजार मीट्रिक टन गेहूं का बायोमेट्रिक सत्यापन हो चुका है, जो लगभग 97 प्रतिशत है। प्रदेश का किसान तकनीक को तेजी से अपना रहा है और पारदर्शी व्यवस्था पर भरोसा जता रहा है। प्रदेश की मंडियों में 70 लाख 23 हजार मीट्रिक टन गेहूं की खरीद पूरी हो चुकी है, साथ ही प्रदेश की मंडियों से 34 लाख 56 हजार मीट्रिक टन गेहूं का उठान हो चुका है। मुख्यमंत्री ने कहा कि 18 अप्रैल से उठान प्रक्रिया में और तेजी आई है। प्रतिदिन साढ़े 3 लाख मीट्रिक टन का उठान हो रहा है। पिछले वर्ष से तुलना करते हुए उन्होंने कहा कि रबी सत्र 2025-26 में जहां कुल 72 लाख 89 हजार मीट्रिक टन गेहूं की खरीद हुई थी, वहीं, इस वर्ष अब तक 81 लाख 48 हजार मीट्रिक टन की आवक हो चुकी है।

एजेंसी

चंडीगढ़। सरकारी विद्यालयों की वास्तविक स्थिति का जमीनी स्तर पर आकलन करने तथा विद्यार्थियों के समग्र विकास को सुनिश्चित करने के उद्देश्य से हरियाणा स्कूल शिक्षा परियोजना परिषद् की निदेशक, वर्षा खांवाल ने पीएमश्री राजकीय कन्या वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय, सेक्टर-15, पंचकुला का औचक निरीक्षण किया। इस निरीक्षण का मुख्य उद्देश्य शैक्षणिक गुणवत्ता के साथ-साथ विद्यार्थियों के सामाजिक-भावनात्मक विकास, जीवन कौशल तथा अनुभवात्मक अधिगम को बढ़ावा देना था। निरीक्षण के दौरान वर्षा खांवाल ने विभिन्न कक्षाओं का सूक्ष्म एवं विस्तृत अवलोकन करते हुए पठन-पाठन प्रक्रिया का गहन निरीक्षण किया। उन्होंने छात्राओं से कक्षा स्तर व सामान्य ज्ञान के

अनुरूप प्रश्न पूछे, जिन का छात्राओं ने उत्तराह, आत्मविश्वास और सटीकता के साथ उत्तर दिया। उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाली छात्राओं को



पुरस्कृत कर उनका उत्साहवर्धन भी किया। छात्राओं की सक्रिय सहभागिता एवं सकारात्मक दृष्टिकोण पर उन्होंने प्रसन्नता एवं संतोष व्यक्त किया। राज्य परियोजना निदेशक द्वारा विद्यालय में लाइब्रेरी, स्वच्छता, पेयजल उपलब्धता तथा शौचालयों की स्थिति का भी निरीक्षण किया गया।

नारनौल में पुलिस का सघन सर्च अभियान

संवेदनशील इलाकों में तलाशी, बाहरी लोगों के पहचान पत्रों की गहन जांच

एजेंसी

नारनौल। नारनौल शहर में सुरक्षा व्यवस्था को और मजबूत करने के उद्देश्य से पुलिस ने व्यापक सर्च अभियान चलाया। इस विशेष अभियान में डॉग स्क्वायड की टीम को भी शामिल किया गया, जिससे तलाशी प्रक्रिया को और प्रभावी बनाया जा सके। पुलिस की इस कार्रवाई से शहर के संवेदनशील इलाकों में सतर्कता का माहौल देखने को मिला।

अभियान के दौरान प्रशिक्षित खोजी कुत्तों की मदद से पुलिस टीमों ने झुग्गी-झोंपड़ियों और अन्य संवेदनशील स्थानों पर सघन तलाशी अभियान चलाया। इस दौरान सतिश वस्तुओं, विस्फोटक सामग्री और नशीले पदार्थों की



तलाश की गई। पुलिस ने शहर के विभिन्न सतिश क्षेत्रों में पहुंचकर वहां रह रहे बाहरी श्रमिकों और

अन्य लोगों से विस्तृत जानकारी जुटाई। तलाशी के दौरान लोगों के पहचान पत्रों की बारीकी से जांच

की गई। जिन व्यक्तियों की गतिविधियां संदिग्ध लगीं, उनसे पूछताछ भी की गई, ताकि किसी भी संभावित आपराधिक या अवैध गतिविधि को समय रहते रोका जा सके। उन्होंने कहा कि अपने-अपने क्षेत्रों में अवैध रूप से रह रहे लोगों और बाहर से आए श्रमिकों का रिकॉर्ड नियमित रूप से जांचा जाए, ताकि किसी भी प्रकार की संदिग्ध गतिविधि पर नजर रखी जा सके। थाना प्रभारी निरीक्षक मुकेश कुमार ने बताया कि यह अभियान डॉग स्क्वायड के सहयोग से सफलतापूर्वक चलाया गया। उन्होंने कहा कि जिले में शांति और सुरक्षा बनाए रखने के लिए ऐसे सर्च अभियान भविष्य में भी समय-समय पर जारी रहेंगे।

कर्मचारी बिना स्वीकृति अवकाश पर गए तो होगी कार्रवाई : विक्रम सिंह

एजेंसी

हिंसार। दक्षिण एवं उत्तर हरियाणा बिजली वितरण निगम के प्रबंध निदेशक विक्रम सिंह के निर्देशानुसार डीएचवीएनए प्रबंधन ने निगम कर्मचारियों द्वारा बिना स्वीकृति अवकाश पर जाने की प्रवृत्ति पर सख्ती करते हुए नए निर्देश जारी किए हैं। अब सभी कर्मचारियों को अवकाश पर जाने से से कम 15 दिन पहले संबंधित कैडर कंट्रोलिंग अथॉरिटी को पूर्ण विवरण सहित आवेदन देना अनिवार्य होगा। जारी आदेशों के अनुसार दक्षिण हरियाणा बिजली वितरण निगम प्रबंधन के संज्ञान में आया है कि कई कर्मचारी अवकाश स्वीकृत होने से पहले ही छुट्टी पर चले जाते हैं तथा समय पर आवेदन भी प्रस्तुत नहीं करते, जिससे अन्य कर्मचारियों पर अतिरिक्त कार्यभार पड़ता है और दैनिक कार्य प्रभावित होता है। निगम प्रवक्ता संजय चुग ने बताया कि जारी निर्देशों के अनुसार, भविष्य में यदि कोई कर्मचारी निर्धारित प्रक्रिया का पालन नहीं करता है तो उसके विरुद्ध निगम के प्रचलित नियमों के तहत अनुशासनात्मक कार्रवाई अमल में लाई जाएगी। उन्होंने बताया कि प्रबंध निदेशक, विक्रम सिंह की स्वीकृति से सभी विभागाध्यक्ष एवं मुख्यालय के सभी संबंधित अधिकारियों, मुख्य अधिभूताओं, अधीक्षक अधिभूताओं तथा कार्यकारी अधिभूताओं को इन निर्देशों का कड़ाई से अनुपालन सुनिश्चित करने के निर्देश जारी कर दिए गए हैं।



सोनीपत में सूखे मेवे का कारोबार करेंगे अमृतसर के व्यापारी

मुख्यमंत्री से मुलाकात में रखा सूखे मेवे का थोक व्यापार का प्रस्ताव

एजेंसी

चंडीगढ़। पंजाब के अमृतसर से व्यापारियों के एक शिष्टमंडल ने हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सैनी से मुलाकात करके सूखे मेवे के कारोबार को हरियाणा के सोनीपत में करने की इच्छा जताई है। व्यापारियों ने अपने व्यवसाय के विस्तार तथा हरियाणा में निवेश की संभावनाओं को लेकर मुख्यमंत्री से विस्तार से चर्चा की।

बैठक के दौरान मजीठ मंडी, अमृतसर के व्यापारियों द्वारा सूखे मेवे के थोक व्यापार को सोनीपत में विस्तारित करने का प्रस्ताव प्रस्तुत किया गया, जिस पर मुख्यमंत्री ने सकारात्मक रुख अपनाते हुए इसे स्वीकृति प्रदान की। मुख्यमंत्री ने कहा कि हरियाणा सरकार प्रदेश में व्यापार एवं उद्योग को बढ़ावा देने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है और निवेशकों को सभी आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराई जा रही है।



कि राज्य सरकार इज आफ ड्रिइंग बिजनेस के सिद्धांत पर कार्य कर रही है। उन्होंने बताया कि अमृतसर के अतिरिक्त दिल्ली के खारी बावली

तथा भगीरथ पैलेस जैसे प्रमुख व्यापारिक केंद्रों के विस्तार को भी राई (सोनीपत) क्षेत्र में पहले ही



स्वीकृति प्रदान की जा चुकी है। इस दौरान भाजपा के राष्ट्रीय महासचिव तरुण चुग, चीफ कॉर्डिनेटर इंडस्ट्री सुनील शर्मा भी मौजूद थे।

रोहतक में एचएल सिटी का भव्य आगाज, डॉक्टरों ने भी जताया भरोसा, आधुनिक सुविधाओं के साथ मिलेगा प्रदूषण मुक्त वातावरण

बहादुरगढ़/रोहतक। रियल एस्टेट क्षेत्र को प्रतिष्ठित कंपनी एचएल सिटी ने रोहतक के आईएमटी क्षेत्र में अपने नए प्रीमियम रिहायशी प्रोजेक्ट के साथ धमाकेदार दस्तक दी है। आधुनिक इंफ्रास्ट्रक्चर और विश्वस्तरीय सुविधाओं से लैस

इस टाउनशिप को लेकर शहर के प्रबुद्ध वर्ग, विशेषकर चिकित्सकों में भारी उत्साह देखा जा रहा है। रोहतक के महाराज पैलेस होटल में आयोजित एक विशेष डॉक्टर मीट के दौरान कई विशेषज्ञों ने एचएल सिटी में अपने सपनों के घर की बुकिंग

करवाई। कार्यक्रम में मौजूद डॉक्टरों ने साझा किया कि आज की भागदौड़ भरी जीवनशैली में मानसिक सुकून, बेहतर स्वास्थ्य और सुरक्षा सुकून बर्ती प्राथमिकता है। एचएल सिटी की टाउनशिप में पर्यावरण संरक्षण और सुरक्षा के कड़े मानकों को देखते हुए

उन्होंने यहाँ निवेश का निर्णय लिया है। एचएल सिटी के प्रबंध निदेशक राकेश जून ने प्रोजेक्ट की विशेषताओं पर प्रकाश डालते हुए एक क्रांतिकारी कदम की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि टाउनशिप में प्रदूषण नियंत्रण के लिए

आर्टिफिशियल वारिश (कृत्रिम वर्षा) की विशेष व्यवस्था की जाएगी, ताकि निवासियों को हमेशा स्वच्छ और ताजी हवा मिल सके। यह टाउनशिप न केवल रहने का स्थान है, बल्कि एक प्रीमियम लाइफस्टाइल का अनुभव है। 15

एकड़ में फैली इस टाउनशिप की प्रमुख खूबियां निम्नलिखित हैं। आधुनिक आवास, 3, 4 और 5 बीएचके के प्रीमियम फिनिश फ्लैट्स। भव्य क्लब हाउस 1 लाख स्ववायर फीट का विशाल क्लब हाउस। खेल सुविधाएं, ओलिंपिक

साइज स्विमिंग पूल, मल्टीपल बैडमिंटन कोर्ट, क्रिकेट पिच, लॉन टेनिस ग्राउंड और मिनी गोल्फ कोर्ट। प्रकृति के करीब, 100 मीटर की ग्रीन बेल्ट, साइकिल ट्रैक, स्काई वॉक और शानदार लैंडस्केपिंग। फिटनेस, शहर का सबसे बड़ा

इनडोर जिम और ओपन जिम की सुविधा। स्मार्ट प्लानिंग, ग्राउंड फ्लोर पूरी तरह से ग्रीन एरिया और खेल सुविधाओं के लिए समर्पित; वाहनों के लिए अंडरग्राउंड पार्किंग - एचएल सिटी की सबसे बड़ी ताकत इसकी लोकेशन है।

निर्यात प्रोत्साहन व पश्चिम एशिया संकट पर गोयल की अहम बैठक 27 को

नई दिल्ली ।

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल 27 अप्रैल को दिल्ली के भारत मंडपम में निर्यात संवर्धन परिषदों (इपीसी) और उद्योग संघों के प्रतिनिधियों संग एक अहम बैठक करेंगे। इसका मुख्य उद्देश्य देश के निर्यात को बढ़ावा देने के तरीकों पर विचार करना है, खासकर पश्चिमी एशिया में जारी भू-राजनीतिक संकट और शिपिंग चुनौतियों के मद्देनजर, जिसने भारतीय निर्यातकों की चिंताएं बढ़ा दी हैं। यह बैठक भारत-न्यूजीलैंड एफटीए पर हस्ताक्षर के तुरंत बाद हो रही है, जिसके लिए न्यूजीलैंड के व्यापार और निवेश मंत्री टॉड मैक्ले पहले से ही भारत में हैं। सोमवार की चर्चा में चमड़ा, दवा, वाहन, खेल के सामान और इंजीनियरिंग जैसे प्रमुख क्षेत्रों के प्रतिनिधि शामिल होंगे। पश्चिमी एशिया में चल रहे संघर्ष ने भारतीय निर्यातकों के लिए कठिनाइयां बढ़ा दी हैं, क्योंकि शिपिंग कंपनियां प्रमुख गंतव्य वाले इस क्षेत्र में माल भेजने से कतरा रही हैं, जिससे भारतीय व्यापार बुरी तरह प्रभावित हो रहा है।

अदाणी ग्रीन का बैटरी स्टोरेज में 15,000 करोड़ का मेगा निवेश

नई दिल्ली ।

अदाणी ग्रीन एनर्जी लिमिटेड (एजीईएल) चालू वित्त वर्ष में अपनी बैटरी ऊर्जा भंडारण क्षमता को 10 गीगावाट-घंटा (जीडब्ल्यूएच) से अधिक बढ़ाने के लिए लगभग 15,000 करोड़ रुपये का भारी निवेश करने जा रही है। यह भारत में भरोसेमंद और वितरित स्वच्छ बिजली की ओर एक बड़ा बदलाव है। यह निवेश एजीईएल की मौजूदा लगभग 3 जीडब्ल्यूएच स्थापित क्षमता के अतिरिक्त होगा, जिसे कंपनी जल्द ही हासिल करेगी। इससे पहले वित्त वर्ष 2025-26 के दौरान 1.4 जीडब्ल्यूएच अक्षमता चालू की गई थी। ये बैटरियां गुजरात के खावड़ा में दुनिया के सबसे बड़े नवीकरणीय ऊर्जा पार्क के साथ विकसित की जा रही हैं। इनका प्राथमिक लक्ष्य शाम की चरम मांग के दौरान बिजली की विध्वंसनीय आपूर्ति प्रदान करना है, जब सौर ऊर्जा उत्पादन कम होता है। कंपनी वित्त वर्ष 2026-27 तक 10 जीडब्ल्यूएच से अधिक क्षमता चालू करने की उम्मीद कर रही है।

भारत की अर्थव्यवस्था पर विशेषज्ञों ने दी मंदी की चेतावनी

मुंबई ।

भारत की अर्थव्यवस्था को लेकर कई गंभीर चिंताएं व्यक्त की गई हैं। आर्थिक विशेषज्ञों का मानना है, वैश्विक आर्थिक अनिश्चितताओं, बढ़ती महंगाई और बाजार में कमजोर होती मांग का असर देश की विकास दर पर पड़ना शुरू हो गया है। खासतौर पर निर्यात क्षेत्र में गिरावट और विदेशी निवेश में कमी को लेकर जो चिंता आर्थिक विशेषज्ञ जाता रहे हैं। उसका बड़ा असर शेयर बाजार और बैंकिंग सेक्टर में भी पड़ना तय माना जा रहा है। शेयर बाजार की गिरावट का असर बैंकिंग सेक्टर पर होने से भारत की आर्थिक मुश्किलें बहुत तेजी के साथ बढ़ने वाली हैं। जो बाजार के लिए एक बड़ा खतरा बताया गया है। समय रहते भारत सरकार के वित्त मंत्रालय और रिजर्व बैंक ने नीतिगत बदलाव के कदम नहीं उठाए गए, तो रोजगार और महंगाई को लेकर बड़ा असर पड़ना तय है। मध्यम वर्ग की क्रय शक्ति बेहद कमजोर हो सकती है। ग्रामीण अर्थव्यवस्था में सुस्ती और कृषि क्षेत्र की चुनौतियां जो निरंतर बढ़ रही हैं वह आर्थिक स्थिति को बुरी तरह से प्रभावित करने लगी हैं। सरकार वर्तमान स्थिति को छुड़ाने का प्रयास कर रही है। जिसके कारण आर्थिक स्थिति में भविष्य में विस्फोटक परिणाम देखने को मिल सकते हैं। आर्थिक विशेषज्ञों ने सरकार को मिल रहा दी है। वह निवेश को बढ़ावा देने, महंगाई पर नियंत्रण रखने और वित्तीय प्रणाली को मजबूत करने के लिए ठोस कदम उठाए। कुल मिलाकर, सरकार भारत की अर्थव्यवस्था को स्थिर दिखा रही है। पिछले महीना में जिस तरह से केंद्रीय राजस्व में कमी देखने को मिल रही है। भारत को आयात में विदेशी मुद्रा ज्यादा खर्च करना पड़ रही है डॉलर के मुकाबले रूप में लगातार गिरावट बढ़ रही है। इससे भविष्य की आर्थिक स्थिति को लेकर आर्थिक विशेषज्ञ चिंता जता रहे हैं यदि यही स्थिति कुछ महीने और बनी रही तो राज्यों और केंद्र सरकार को खर्चों में कटौती करनी पड़ेगी पेंशन और वेतन का भुगतान करने के लिए भी कर्ज लेना पड़ेगा शेयर बाजार की गिरावट का असर बैंकिंग सेक्टर में जिस तरह से पड़ रहा है। उसने आर्थिक विशेषज्ञों की चिंता को और बढ़ा दिया है।

आईडीएफसी फर्स्ट बैंक का मुनाफा बढ़कर 300 करोड़ के पार

बैंक की ब्याज आय में 15.7 फीसदी की उल्लेखनीय वृद्धि देखी गई

मुंबई ।

प्राइवेट सेक्टर के आईडीएफसी फर्स्ट बैंक ने वित्त वर्ष 2024 की चौथी तिमाही के नतीजे घोषित किए हैं, जिसमें बैंक ने उम्मीद से बेहतर प्रदर्शन किया है। इस तिमाही में बैंक का मुनाफा 4.9 फीसदी बढ़कर 319 करोड़ हो गया। बैंक ने यह भी बताया कि कुछ विशिष्ट (एकमुश्त) घटनाओं को छोड़कर, उसकी वास्तविक या सामान्यीकृत शुद्ध आय 746 करोड़ के करीब रही, जो बैंक की मजबूत अंतर्निहित वित्तीय स्थिति

को दर्शाती है। आईडीएफसी फर्स्ट बैंक के लिए चौथी तिमाही का मुख्य आकर्षण उसकी मजबूत परिचालन आय और बेहतर संपत्ति गुणवत्ता रही। बैंक की शुद्ध ब्याज आय में 15.7 फीसदी की उल्लेखनीय वृद्धि देखी गई, जो 4,907 करोड़ रूप से बढ़कर 5,677 करोड़ रूप पर पहुंच गई। यह दर्शाता है कि बैंक ने कर्ज देने और उससे ब्याज कमाने में शानदार प्रदर्शन किया है। हालांकि, नेट इंटरैस्ट मार्जिन मामूली गिरावट के साथ 5.95 फीसदी से 5.93 फीसदी रहा, जिसे लगभग स्थिर

माना जा सकता है। बैंक की संपत्ति गुणवत्ता में भी सराहनीय सुधार हुआ है। सकल गैर-निष्पादित आस्तियां 1.69 फीसदी से घटकर 1.61 फीसदी रह गईं, जबकि शुद्ध गैर-निष्पादित आस्तियां 0.53 फीसदी से कम होकर 0.48 फीसदी पर आ गईं। फसे कर्ज में कमी और भविष्य के घाटे के लिए किए जाने वाले प्रावधान में भी कटौती ने भी बैंक के मुनाफे को सीधे तौर पर प्रभावित किया है। इसके



अतिरिक्त, बैंक को 130 करोड़ का टैक्स रिफंड भी मिला, जिसने बैंक की बैलेंस शीट को और मजबूती प्रदान की। यह तिमाही बैंक के लिए व्यापक तौर पर सकारात्मक संकेत लेकर आई है।

बैंक ऑफ इंग्लैंड की चेतावनी वैश्विक शेयर बाजार में भारी गिरावट की चेतावनी

लंदन ।

बैंकिंग और वित्तीय विश्लेषण से जुड़े आर्थिक विशेषज्ञों की रिपोर्ट में यह चेतावनी दी गई है। शेयर बाजार में तेज गिरावट (मार्केट क्रैश) की आशंका बढ़ती जा रही है। विशेष रूप से बैंकिंग सेक्टर, जिसमें बैंक ऑफ इंग्लैंड और दुनिया भर के सार्वजनिक क्षेत्र के बैंक भी शामिल हैं, बढ़ती वैश्विक और घरेलू आर्थिक अनिश्चितताओं से शेयर मार्केट और बैंकिंग सेक्टर बड़े रूप में प्रभावित हो सकते हैं। विश्लेषण में बताया गया है, बढ़ती महंगाई, कच्चे तेल की कीमतों में उछाल और पश्चिम

एशिया में तनाव जैसी परिस्थितियां निवेशकों के भरोसे को कमजोर कर रही हैं। बैंक ऑफ इंग्लैंड की अध्यक्ष ने शेयर बाजार क्रैश होने की आशंका व्यक्त की है। निवेशक लगातार शेयर मार्केट से पैसा निकाल रहे हैं। जिससे बाजार पर दबाव बढ़ रहा है। इसके अलावा, बाजार में पहले से ऊंचे वैल्यूएशन को भी जोखिम भरा माना जा रहा है। अंतरराष्ट्रीय संस्थानों से संकेत मिलना शुरू हो गए हैं। मौजूदा स्तर टिकाऊ नहीं हैं, आने वाले समय में बाजार में कोरेक्शन संभव है। विशेषज्ञों का मानना है कि यदि वैश्विक संकट गहराता है या ब्याज

रैसेक्स की प्रमुख 10 में सात कंपनियों का बाजार पूंजीकरण दो लाख करोड़ घटा

टीसीएस और रिलायंस इंडस्ट्रीज सबसे अधिक नुकसान में रही

नई दिल्ली ।

भारतीय शेयर बाजार के लिए पिछला सप्ताह निराशाजनक रहा, जहां प्रमुख सूचकांकों में बड़ी गिरावट दर्ज की गई। इस गिरावट की सबसे बड़ी मार देश की शीर्ष 10 सबसे मूल्यवान कंपनियों में से सात पर पड़ी, जिनका संयुक्त बाजार पूंजीकरण (मार्केट कैप) 2 लाख करोड़ रुपये से अधिक कम हो गया। टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस) और रिलायंस इंडस्ट्रीज को सर्वाधिक नुकसान उठाना पड़ा, जबकि कुछ चुनिंदा कंपनियों ने इस दौरान

बेहतर प्रदर्शन किया। पिछले सप्ताह शेयर बाजार में आए तेज गिरावट के रुख के कारण निवेशकों को भारी नुकसान झेलना पड़ा। आंकड़ों के अनुसार बाजार पूंजीकरण में सर्वाधिक कमी टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस) में देखी गई, जिसका मूल्य 66,699.44 करोड़ रूप घटकर 8,67,364.12 करोड़ रह गया। इसके बाद रिलायंस इंडस्ट्रीज का मूल्यंकन 50,670.34 करोड़ रूपे कम होकर 17,96,647.50 करोड़ पर आ गया। एचडीएफसी बैंक को 23,090.05 करोड़ और भारतीय जीवन बीमा निगम

(एलआईसी) को 19,670.75 करोड़ रूपे का नुकसान हुआ। बाजार के विशेषज्ञों ने इस गिरावट का कारण भू-राजनीतिक तनाव और सूचना प्रौद्योगिकी (आईटी) कंपनियों के कमजोर तिमाही नतीजों को बताया। उन्होंने कहा कि लगातार दो सप्ताह की सेजी के बाद बाजार में सुधार की अपेक्षा थी, लेकिन इन कारकों ने निवेशकों की धारणा पर नकारात्मक प्रभाव डाला। हालांकि, इस नकारात्मक रुझान के बीच हिंदुस्तान यूनिलीवर और भारतीय स्टेट बैंक ने शानदार प्रदर्शन किया। एचयूएल का बाजार

पूंजीकरण 20,652.91 करोड़ बढ़कर 5,47,219.80 करोड़ हो गया, जबकि एसबीआई का मूल्यंकन 19,522.76 करोड़ बढ़कर 10,16,752.53 करोड़ पर पहुंच गया।

इस सप्ताह की गिरावट के बावजूद, रिलायंस इंडस्ट्रीज देश की सबसे मूल्यवान कंपनी बनी हुई है, जिसके बाद एचडीएफसी बैंक, भारतीय एयरटेल, भारतीय स्टेट बैंक, आईसीआईसीआई बैंक, टीसीएस, बजाज फाइनेंस, लार्सन एंड टुब्रो, हिंदुस्तान यूनिलीवर और एलआईसी शीर्ष 10 में शामिल हैं।

कोल इंडिया की कोयला आयात में 24.3 करोड़ टन कटौती की योजना

- ऊर्जा सुरक्षा और विदेशी मुद्रा बचत मुख्य लक्ष्य

नई दिल्ली ।

सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनी कोल इंडिया लिमिटेड (सीआईएल) ने देश के कोयला आयात में भारी कटौती करने के लिए एक महत्वकांक्षी 10-वर्षीय व्यापक योजना (2026-2036) का मसौदा तैयार किया है। इस योजना का लक्ष्य घरेलू उत्पादन बढ़ाने, गुणवत्ता सुधारने और लॉजिस्टिक्स लागतों को समानता प्रदान कर 24.3 करोड़ टन कोयला आयात में कटौती करना है, जिससे भारत ऊर्जा के क्षेत्र में आत्मनिर्भर बन सके। सूत्रों के अनुसार, सीआईएल की यह व्यापक योजना आयात के विस्तृत फोरेसिक ऑडिट को शामिल करेगी। इसे क्षेत्र-विशिष्ट नीतियों और स्थानीय आपूर्ति को बढ़ावा देने वाली चरणबद्ध बदलाव रणनीतियों का समर्थन मिलेगा। योजना में कोयले की धुलाई और परिवहन को सुव्यवस्थित करने के लिए एक नेशनल वॉशरी एंड लॉजिस्टिक्स ग्रिड की स्थापना भी प्रस्तावित है, जिससे आपूर्ति श्रृंखला की प्रमुख बाधाएं दूर होंगी। घरेलू कोयला उत्पादन में 80 प्रतिशत से अधिक का योगदान देने वाली सीआईएल इस मसौदे को अंतिम रूप देने और गैर-शुल्क बाधाओं से संबंधित उपायों का सुझाव देने के लिए एक सलाहकार की नियुक्ति करने की भी योजना बना रही है। इसका अंतिम उद्देश्य घरेलू उत्पादन, गुणवत्ता संवर्धन और लॉजिस्टिक्स मूल्य समानता के माध्यम से सभी प्रतिस्थापन योग्य कोयला आयात को पूरी तरह रोकना है। यह घटनाक्रम देश की ऊर्जा सुरक्षा को मजबूत करने, विदेशी मुद्रा की निकासी को कम करने और राष्ट्रीय कोयला गैसीकरण मिशन के तहत हरित संक्रमण लक्ष्यों के साथ तालमेल बिठाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है।

रिलायंस ने भू-राजनीतिक अस्थिरता में भी परिचालन जारी रखा

चौथी तिमाही में कंपनी ने बदले आपूर्तिकर्ता और अनुबंध, खाड़ी संकट से निपटा

नई दिल्ली ।

भारत की सबसे बड़ी निजी रिफाइनरी, रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड (आरआईएल) ने वित्त वर्ष 2025-26 की चौथी तिमाही के दौरान वैश्विक भू-राजनीतिक व्यवधानों और ऊर्जा बाजार की अस्थिरता के बीच कच्चे तेल की आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए महत्वपूर्ण रणनीतिक कदम उठाए। कंपनी ने अस्थिर बाजार और ईंधन युद्ध जैसे तनावों के बावजूद अपने परिचालन को सुचारू बनाए रखा। रिलायंस ने बताया कि अस्थिर ऊर्जा बाजार, भू-राजनीतिक व्यवधानों और लागत में भारी उतार-चढ़ाव से निपटने के लिए उसने कच्चे तेल की सक्रिय

सोरिंग और परिचालन बदलावों का सहारा लिया। ईंधन युद्ध के कारण खाड़ी देशों से तेल और गैस प्रवाह बाधित होने पर, कंपनी ने आपूर्ति की भरपाई के लिए फारस की खाड़ी के अलावा दूसरे आपूर्तिकर्ताओं से संपर्क किया। रिफाइनरी परिचालन में कटौती से बचने के लिए, रिलायंस ने फारस की खाड़ी के लॉजिंग अनुबंधों को बदला और कई भौगोलिक क्षेत्रों से कच्चे तेल की सोर्सिंग की। इसके अतिरिक्त, कंपनी ने पश्चिम एशिया के आपूर्तिकर्ताओं के साथ मिलकर फसे हुए कच्चे तेल के लिए वैकल्पिक मार्गों पर भी काम किया। वित्त वर्ष 2025-26 में वैश्विक कच्चा तेल बाजार काफी हद तक अधिशेष में रह, लेकिन

मुंबई ।

पिछले सप्ताह घरेलू शेयर बाजारों में देखी गई गिरावट के बाद आने वाला सप्ताह निवेशकों के लिए वैश्विक घटनाक्रमों और घरेलू कॉरपोरेट नतीजों के लिहाज से बेहद महत्वपूर्ण रहने वाला है। अमेरिका-ईरान के बीच जारी तनाव, रणनीतिक होर्मुज जलडमरूमध्य का मुद्दा और अमेरिका के फेडरल रिजर्व की आगामी बैठक दुनियाभर के बाजारों के साथ-साथ भारतीय शेयर बाजार की दिशा भी तय करेगी। बाजार में एक बार फिर वैश्विक कारकों का प्रभाव देखने को मिलेगा, जिससे निवेशकों को सतर्कता बरतने की सलाह दी जा रही है। पिछले सप्ताह घरेलू शेयर बाजारों में गिरावट दर्ज होने के बाद अब निवेशकों की नजरें पूरी तरह से वैश्विक घटनाक्रमों पर केंद्रित हो गई हैं। भू-राजनीतिक

तनाव और प्रमुख केंद्रीय बैंकों की नीतियों से जुड़े संकेत बाजार की आगामी चाल को निर्धारित करेंगे। निवेशकों के लिए सबसे बड़ी चिंताओं में से एक अमेरिका-ईरान शांति वार्ता में कोई ठोस प्रगति न होना है। इसके साथ ही, होर्मुज जलडमरूमध्य को भी लेकर जारी गतिरोध पर भी बाजार पैनी नजर रख रहा है। यह जलडमरूमध्य वैश्विक कच्चे तेल व्यापार के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है। इसका बंद रहना या वहां तनाव बढ़ना वैश्विक कच्चे तेल की कीमतों में भारी अस्थिरता ला सकता है, जिसका सीधा असर भारत जैसे तेल आयातक देशों की अर्थव्यवस्था और कंपनियों पर पड़ेगा। कच्चे तेल की ऊंची कीमतें मुद्रास्फीति का दबाव बढ़ा सकती हैं और कॉर्पोरेट मार्जिन पर नकारात्मक प्रभाव डाल सकती हैं। 28 और 29 अप्रैल को होने वाली अमेरिकी फेडरल रिजर्व की बैठक का

2030 तक फ्लक्सबस का सबसे बड़ा बाजार बनेगा भारत कंपनी को उम्मीद

भारतीय बाजार में उत्तरी कंपनी गर्मियों में नेटवर्क का करेगी 30 फीसदी विस्तार

नई दिल्ली । वैश्विक यात्रा प्रौद्योगिकी कंपनी फ्लक्सबस को उम्मीद है कि 2030 तक यात्री संख्या के मामले में भारत उसका सबसे बड़ा बाजार बन जाएगा। कंपनी के एक मुख्य वाणिज्यिक अधिकारी ने भारतीय बाजार की विशाल क्षमता और लगातार बढ़ती मांग पर जोर दिया है। फ्लक्सबस ने फरवरी में भारतीय बाजार में अंतरराष्ट्रीय बस सेवाओं के साथ प्रवेश किया। अे धिकारी ने भारत को वैश्विक स्तर पर फ्लक्सबस के लिए सबसे रणनीतिक वृद्धि बाजारों में से एक बताया। भारतीय दिल्ली-देहरादून गलियारे पर परिचालन बढ़ाने के साथ-साथ गर्मियों में अपने नेटवर्क में 30 प्रतिशत विस्तार का लक्ष्य लेकर चल रही है। उन्होंने बताया कि भारत दुनिया का दूसरा सबसे बड़ा बस बाजार है और यहां वातानुकूलित इंटरसिटी खंड यूरोपीय और अमेरिकी बाजार के संयुक्त आकार से भी बड़ा है। वैश्विक स्तर पर करोड़ों यात्रियों को सेवा दे चुकी फ्लक्सबस भारत में भी मजबूत और निरंतर मांग देख रही है, जो उसकी भविष्य की योजनाओं के लिए आशाजनक है।

अमेरिका-ईरान शांति वार्ता और फेड की बैठक से तय होगी भारतीय बाजार की दिशा

विदेशी संस्थागत निवेशकों की गतिविधियों पर भी बाजार की नजर रहेगी

मुंबई ।

पिछले सप्ताह घरेलू शेयर बाजारों में देखी गई गिरावट के बाद आने वाला सप्ताह निवेशकों के लिए वैश्विक घटनाक्रमों और घरेलू कॉरपोरेट नतीजों के लिहाज से बेहद महत्वपूर्ण रहने वाला है। अमेरिका-ईरान के बीच जारी तनाव, रणनीतिक होर्मुज जलडमरूमध्य का मुद्दा और अमेरिका के फेडरल रिजर्व की आगामी बैठक दुनियाभर के बाजारों के साथ-साथ भारतीय शेयर बाजार की दिशा भी तय करेगी। बाजार में एक बार फिर वैश्विक कारकों का प्रभाव देखने को मिलेगा, जिससे निवेशकों को सतर्कता बरतने की सलाह दी जा रही है। पिछले सप्ताह घरेलू शेयर बाजारों में गिरावट दर्ज होने के बाद अब निवेशकों की नजरें पूरी तरह से वैश्विक घटनाक्रमों पर केंद्रित हो गई हैं। भू-राजनीतिक

तनाव और प्रमुख केंद्रीय बैंकों की नीतियों से जुड़े संकेत बाजार की आगामी चाल को निर्धारित करेंगे। निवेशकों के लिए सबसे बड़ी चिंताओं में से एक अमेरिका-ईरान शांति वार्ता में कोई ठोस प्रगति न होना है। इसके साथ ही, होर्मुज जलडमरूमध्य को भी लेकर जारी गतिरोध पर भी बाजार पैनी नजर रख रहा है। यह जलडमरूमध्य वैश्विक कच्चे तेल व्यापार के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है। इसका बंद रहना या वहां तनाव बढ़ना वैश्विक कच्चे तेल की कीमतों में भारी अस्थिरता ला सकता है, जिसका सीधा असर भारत जैसे तेल आयातक देशों की अर्थव्यवस्था और कंपनियों पर पड़ेगा। कच्चे तेल की ऊंची कीमतें मुद्रास्फीति का दबाव बढ़ा सकती हैं और कॉर्पोरेट मार्जिन पर नकारात्मक प्रभाव डाल सकती हैं। 28 और 29 अप्रैल को होने वाली अमेरिकी फेडरल रिजर्व की बैठक का

बाजार बेसब्री से इंतजार कर रहा है। हालांकि, पिछली लगातार दो बैठकों की तरह इस बार भी ब्याज दरों को 0-0.25 फीसदी की रेंज में स्थिर रखने की उम्मीद है, लेकिन फेड के चेयरमैन की टिप्पणियों और भविष्य की मौद्रिक नीति पर उनके संकेत निवेशकों के लिए महत्वपूर्ण होंगे। इससे यह अंदाजा लगाया जा सकता है कि ब्याज दरें कब तक स्थिर रहेंगी या उनमें बदलाव की उम्मीद कब तक की जा सकती है, जिसका वैश्विक पूंजी प्रवाह पर सीधा असर पड़ेगा। परिलू मोर्चे पर, चौथी तिमाही के परिणाम सीजन के जोर पकड़ने के साथ, निवेशकों की नजर कंपनियों के प्रदर्शन पर रहेगी। अच्छे नतीजे बाजार को समर्थन दे सकते हैं, जबकि निराशाजनक आंकड़े दबाव बढ़ा सकते हैं।

इसके अलावा विदेशी संस्थागत निवेशकों की गतिविधियों पर भी नजर रहेगी।

पिछले सत्रों में मुनाफावसूली करने वाले विदेशी निवेशकों का रुख (बिकवाली या खरीदारी) अगले सप्ताह बाजार की दिशा को काफी हद तक प्रभावित करेगा। उनकी लगातार बिकवाली बाजार में अस्थिरता बढ़ा सकती है। तकनीकी रूप से निफ्टी के लिए 24,100-24,400 के दायरे में समेकन देखने को मिल सकता है। 24,000 के स्तर पर तत्काल समर्थन मौजूद है, जो बाजार को बड़ी गिरावट से बचा सकता है। वहीं 24,400 से ऊपर टिकने पर निफ्टी 24,800-25,000 के स्तर तक की तेजी दिखा सकता है, लेकिन इसके लिए सकारात्मक वैश्विक संकेतों और मजबूत घरेलू नतीजों की आवश्यकता होगी। कुल मिलाकर आने वाला सप्ताह सतर्कता भरा रहने की उम्मीद है, जहां वैश्विक कारक और कंपनियों के नतीजे बाजार की दिशा तय करेंगे।

1 मई से बदल सकते हैं नियम, 25 दिन बाद ही मिलेगा दूसरा एलपीजी

हॉरमुज स्ट्रेट तनाव के बीच देश की तेल कंपनियां एलपीजी उपलब्धता को लेकर अलर्ट

नई दिल्ली। मिडिल ईस्ट में बढ़ते तनाव और हॉरमुज स्ट्रेट में एलपीजी सप्लाई बाधित होने की आशंका के मद्देनजर भारत रसीई गैस की उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए कमर कस रहा है। इसी तैयारी के तहत इंडेन, भारत गैस और एचपी गैस जैसे प्रमुख तेल कंपनियों 1 मई 2026 से सिलेंडर बुकिंग नियमों में अहम बदलाव करने जा रही हैं। नए नियमों के तहत उपभोक्ता एक सिलेंडर बुक करने के बाद दूसरे की बुकिंग के लिए कम से कम 25 दिनों का इंतजार करेंगे। यह उन परिवारों को प्रभावित करेगा जो महीने में एक से अधिक सिलेंडर लेते हैं। साथ ही अब ओटीपी आधारित डिलीवरी सिस्टम भी लागू होगा। रजिस्टर्ड मोबाइल नंबर पर भेजा गया ओटीपी बताए बिना सिलेंडर नहीं मिलेगा, जिससे फर्जी डिलीवरी रुकेगी। भारत को प्रतिदिन 80,000 टन एलपीजी की जरूरत होती है, जबकि घरेलू उत्पादन 46,000 टन है। शेष आवश्यकता आयात से पूरी होती है। पहले 90 फीसदी एलपीजी खाड़ी देशों से आती थी, लेकिन अब सरकार ने अमेरिका, नॉर्वे, कनाडा, अल्जीरिया और रूस जैसे देशों से भी खरीद शुरू कर आपूर्ति स्रोतों में विविधता लाई है। युद्ध संकट को देखते हुए भारत ने स्पॉट मार्केट से लाखों टन एलपीजी खरीदी है, ताकि आपूर्ति में कमी न हो।

भारत की चीन व्यापार रणनीति-निर्यात बढ़ाओ आयात घटाओ; घरेलू क्षमता पर जोर

बीजिंग से पूरी तरह संबंध विच्छेद कठिन, क्योंकि चीनी कच्चे माल देश के औद्योगिक विकास की रीढ़ हैं

नई दिल्ली ।

एक वरिष्ठ अधिकारी के अनुसार भारत चीन के साथ अपने व्यापारिक संबंधों को एक बहुआयामी रणनीति के तहत नया आयाम दे रहा है।

इसका लक्ष्य घरेलू क्षमताओं को मजबूत कर चीन को निर्यात बढ़ाना और साथ ही आपूर्ति श्रृंखला में विविधता लाकर बीजिंग पर आयात निर्भरता कम करना है।

यह रणनीति चीन से पूरी तरह से संबंध विच्छेद किए बिना लचीली आपूर्ति श्रृंखलाएं बनाने और निर्यात क्षमता बढ़ाने पर केंद्रित है।

अधिकारी ने स्पष्ट किया कि बीजिंग से पूरी तरह संबंध विच्छेद करना कठिन है, क्योंकि चीनी कच्चे माल देश के औद्योगिक विकास की रीढ़ हैं। भारत मुख्य रूप से ऑटो घटक, इलेक्ट्रॉनिक हिस्से, मोबाइल फोन के पुर्जे, मशीनरी और सक्रिय दवा सामग्री जैसे कच्चे माल, मध्यवर्ती और पूंजीगत वस्तुओं का आयात करता है, जो घरेलू विनिर्माण और निर्यात के लिए महत्वपूर्ण हैं। वित्तीय आंकड़ों के अनुसार, भारत का चीन को निर्यात वित्त वर्ष 2024-25 में 14.25 अरब डॉलर से बढ़कर 2025-26 में 19.47

अरब डॉलर हो गया है, जो लगभग 37 प्रतिशत का सीतोषजनक वृद्धि दर्शाता है। हालांकि, इसी अवधि में बीजिंग से आयात 113.44 अरब डॉलर से बढ़कर 131.63 अरब डॉलर हो गया, जिसके परिणामस्वरूप व्यापार घाटा 99.2 अरब डॉलर से बढ़कर 112.6 अरब डॉलर हो गया है।

निर्यात में मुद्रित सर्किट बोर्ड, बिजली के उपकरण और झींगा जैसी वस्तुओं का योगदान रहा है, लेकिन अधिकारी ने इसे और व्यापक बनाने की आवश्यकता पर बल दिया। चीन से आने वाले आयात में इलेक्ट्रॉनिक्स, इलेक्ट्रिकल मशीनरी, फार्मास्यूटिकल सामग्री, वाहन घटक और औद्योगिक मशीनरी प्रमुख हैं। अधिकारी ने बताया कि ये सभी वस्तुएं भारत की औद्योगिक प्रक्रियाओं का हिस्सा हैं और जैसे-जैसे देश का औद्योगीकरण बढ़ रहा है, ऐसे आयातों में स्वाभाविक वृद्धि देखी जा रही है।

की रणनीति घरेलू क्षमताओं को सुदृढ़ कर इन आयातों पर निर्भरता कम करने और अपने आपूर्तिकर्ता आधार को विविधतापूर्ण बनाने पर केंद्रित है, ताकि व्यापार संतुलन को बेहतर बनाया जा सके।

दरें ऊंची बनी रहती हैं। ऐसी स्थिति में बैंकिंग और मिडकैप शेयरों में भारी गिरावट देखी जा सकती है। आर्थिक विशेषज्ञों ने निवेशकों को सतर्क रहने, दीर्घकालिक



आम आदमी पार्टी पर बड़ा संकट- केजरीवाल कब छोड़ेंगे पार्टी सुप्रीमो की कुर्सी?



संतोष कुमार पाटक

आंदोलन के समय के दिग्गज नेताओं को दरकिनार कर केजरीवाल ने जिस राघव चड्ढा और संदीप पाठक जैसे नेताओं को पार्टी का बड़ा चेहरा बनाया, उन्होंने ही एक झटके में केजरीवाल का साथ छोड़ दिया। इन नेताओं ने सिर्फ केजरीवाल को झटका ही नहीं दिया, बल्कि राज्यसभा में एक तरह से आम आदमी पार्टी को खत्म ही कर दिया।

आम आदमी पार्टी के सुप्रीम लीडर अरविंद केजरीवाल अपने सांसदों द्वारा 24 अप्रैल को उन्हें दिए गए गिफ्ट को कभी भूल नहीं पाएंगे। सरकार से लड़-भिड़कर केजरीवाल ने अदालत के जरिए जो सरकारी बंगला लिया था, उस बंगले में परिवार सहित शिफ्ट होने की जानकारी केजरीवाल ने जिस दिन सोशल मीडिया पर शेयर किया, उसी दिन उनके भरोसेमंद सांसदों ने उनकी पार्टी ही तोड़ दी।

आंदोलन के समय के दिग्गज नेताओं को दरकिनार कर केजरीवाल ने जिस राघव चड्ढा और संदीप पाठक जैसे नेताओं को पार्टी का बड़ा चेहरा बनाया, उन्होंने ही एक झटके में केजरीवाल का साथ छोड़ दिया। इन नेताओं ने सिर्फ केजरीवाल को झटका ही नहीं दिया, बल्कि राज्यसभा में एक तरह से आम आदमी पार्टी को खत्म ही कर दिया।

राघव चड्ढा की जिस काबलियत को देखकर एक जमाने में कुमार विश्वास, संजय सिंह और अरविंद केजरीवाल ने उन्हें इंटर्न के तौर पर पार्टी के साथ जोड़ा था। उसी काबलियत का इस्तेमाल करते हुए बड़ी ही चालाकी से राघव चड्ढा ने आप के 10 राज्यसभा सांसदों में से 7 का जुगाड़ (खुद को मिलाकर) करते ही बीजेपी का दामन थाम लिया। टूट के लिए कानूनी रूप से जरूरी दो-तिहाई सांसदों का जुगाड़ कर एक बार फिर से राघव चड्ढा ने अपनी काबलियत तो साबित कर दी लेकिन इस बार वे अपने ही राजनीतिक गुरु केजरीवाल पर भारी पड़ गए।

पार्टी छोड़ने से पहले उन्होंने आरोप लगाते हुए कहा कि, जिस पार्टी को खुनु-पर्सनी से सींचा वह अपने सिद्धांतों से भटक गई है। वहीं केजरीवाल ने अपने राजनीतिक स्ट्राइल के मुताबिक, बीजेपी पर पंजाबियों के साथ धोखा देने का आरोप लगाया। आम आदमी पार्टी और उनके पूरे सिस्टम ने



इन्हें गद्दर, यहां तक कि देशद्रोही तक साबित करने का अभियान छेड़ दिया है।

जबकि होना तो यह चाहिए था कि इतनी बड़ी टूट के बाद आम आदमी पार्टी के नेताओं, खासकर आंदोलन के समय के नेताओं को बैठकर आत्ममथन करना चाहिए। वर्ष 2013 से पहले और उसके बाद आए तमाम नेताओं पर नजर डालते हुए, यह सोचना चाहिए कि अब तक कितने गए, कब गए, क्यों गए और किसकी वजह से गए? लेकिन इसकी बजाय केजरीवाल पार्टी छोड़कर जाने वाले हर नेता को गद्दर साबित करने में जुट जाते हैं ताकि पार्टी के अंदर कोई भी उनके रंबे पर सवाल न उठा पाए।

आप का जन्म भ्रष्टाचार के खिलाफ चलाए गए देशव्यापी आंदोलन से हुआ था इसलिए इस पार्टी का खत्म होना दशकों

तक इस देश को आंदोलन के नाम से डरता रहेगा। इसके लिए सिर्फ ऑपरेशन लोटस और बीजेपी को जिम्मेदार बता देने से काम नहीं चलेगा।

संजय सिंह और मनीष सिसोदिया जैसे नेताओं को तुरंत पार्टी की राष्ट्रीय कार्यकारिणी की आपात बैठक बुलाकर कुछ कड़े फैसले लेने की पहल करनी चाहिए। दिल्ली में मिली हार के बाद अब यह सवाल तो बेमानी हो गया है कि 'एक व्यक्ति, एक पद' के नियम के बावजूद अरविंद केजरीवाल वर्षों तक दो-दो पदों पर कैसे बने रहे? लेकिन अब यह सवाल तो पूछा ही जाना चाहिए कि आखिर पिछले साढ़े 13 वर्षों से एक ही व्यक्ति (अरविंद केजरीवाल) पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक क्यों बने हुए हैं? क्या संजय सिंह, मनीष सिसोदिया या पार्टी के किसी भी अन्य नेता में पार्टी की कमान संभालने की क्षमता

नहीं है? नेताओं को पार्टी से निकालने का मामला हो या राज्यसभा उम्मीदवार तय करने का मामला हो, यह सब कुछ एक ही व्यक्ति की इच्छा पर कब तक छोड़ा जाएगा? आखिर पार्टी की पॉलिटिकल अफेयर्स कमिटी क्यों बनाई गई है और इसका काम क्या है? पहले दिल्ली में सत्ता सुख भोगों और जब यहां पर जनता सत्ता से बाहर कर दे तो पंजाब जाकर जम जाओ, ये किस तरह का रवैया है? चाहे वो केजरीवाल हो या मनीष सिसोदिया या फिर बिभव कुमार या फिर कोई अन्य नेता या कर्मचारी, दिल्ली की हार के बाद क्या ये लोग 3-4 साल भी दिल्ली में या देश के अन्य राज्यों में संघर्ष नहीं कर सकते जो ये लोग सत्ता वाले राज्य पंजाब को घर बनाने निकल पड़ते हैं? अगर इन सवालों के जवाब नहीं तलाशें गए तो यकीन मानिए कि आने वाले दिनों में आप का पूरा संगठन भी बीजेपी में विलय होता हुआ नजर आएगा।

अगर यह सब सिर्फ एक या दो व्यक्ति की जिद के कारण हो रहा है तो पार्टी के सभी नेताओं को मिलकर उन्हें किनारे लगाकर किसी और सक्षम नेता को जिम्मेदारी देनी चाहिए। पार्टी को अपने पुराने नेताओं की भी घर वापसी का अभियान बड़े पैमाने पर चलाया जाए और सबसे बड़ी बात आप के नेताओं को यह समझना चाहिए कि राज्यसभा की सांसदी कटिक्ट धनसेठों के लिए नहीं पार्टी के समर्पित कार्यकर्ताओं के लिए होता है।

राजनीतिक हालात जिस तेजी से बदल रहे हैं, अगर उससे भी ज्यादा तेजी से आप ने बदलाव नहीं किए तो आने वाले दिनों में पार्टी के नाम और निशान दोनों पर ही बड़ा खतरा पैदा हो जाएगा। लेकिन बड़ा सवाल तो यही है कि क्या अरविंद केजरीवाल, मनीष सिसोदिया, संजय सिंह, बिभव कुमार, भगवंत मान और आतिश्री इस बड़े बदलाव के लिए तैयार हैं?

भारत-दक्षिण कोरिया रिलेशनस आज के दौर में

दीर्घकालिक सहयोगी के रूप में देखते हैं। उच्च स्तरीय यात्राएँ, विदेश मंत्री स्तर की बैठकें, व्यापारिक संवाद और रक्षा वातावरण इन संबंधों को लगातार मजबूत कर रही हैं। आर्थिक क्षेत्र में दक्षिण कोरिया भारत के लिए एक महत्वपूर्ण साझेदार है। दक्षिण कोरिया तकनीकी रूप से उन्नत, औद्योगिक रूप से मजबूत और निर्यात आधारित अर्थव्यवस्था वाला देश है, जबकि भारत विशाल बाजार, युवा जनसंख्या और तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था के रूप में दुनिया का ध्यान आकर्षित कर रहा है। यही कारण है कि दोनों देशों के बीच व्यापार और निवेश की व्यापक संभावनाएँ मौजूद हैं। द्विपक्षीय व्यापार हाल के वर्षों में बढ़ा है और लगभग 27 अरब डॉलर तक पहुँच चुका है। हालाँकि यह क्षमता की तुलना में अभी भी कम है। भारत का दक्षिण कोरिया के साथ व्यापार घाटा भी चिंता का विषय बना हुआ है। दक्षिण कोरिया की प्रमुख कंपनियाँ भारत में लंबे समय से निवेश कर रही हैं। इलेक्ट्रॉनिक्स, ऑटोमोबाइल, मोबाइल निर्माण, स्टील, शिपबिल्डिंग और इंफ्रास्ट्रक्चर जैसे क्षेत्रों में कोरियाई कंपनियों की मजबूत उपस्थिति है। भारत में विनिर्माण क्षेत्र को बढ़ावा देने के लिए दक्षिण कोरिया का निवेश अत्यंत उपयोगी सिद्ध हो सकता है। 'मेक इन इंडिया', 'डिजिटल इंडिया', 'स्टार्टअप इंडिया' और 'ग्रीन एनर्जी' जैसे अभियानों में कोरियाई तकनीक तथा पूंजी महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती है। इसके बावजूद कुछ चुनौतियाँ भी हैं। वर्ष 2010 में व्यापक आर्थिक भागीदारी समझौता यानी एफ्टा लागू किया गया था, जिसका उद्देश्य व्यापार को गति देना था। लेकिन अपेक्षित परिणाम पूरी तरह सामने नहीं आए। गैर-टैरिफ बाधाएँ, गुणवत्ता मानकों से जुड़े नियम, जटिल नि्यामक प्रक्रियाएँ, लॉजिस्टिक समस्याएँ और बाजार पहुँच की कठिनाइयाँ व्यापार वृद्धि में रुकावट बनती रही हैं। भारत को अपने निर्यात में विविधता लानी होगी, जबकि दक्षिण कोरिया को भारतीय उत्पादों और सेवाओं के लिए अधिक अवसर उपलब्ध करने होंगे। आज वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला में बड़े बदलाव हो रहे हैं। कंपनियाँ केवल चीन पर निर्भरता कम करना चाहती हैं और नए उत्पादन केंद्र खोज रही हैं। यह स्थिति भारत और दक्षिण कोरिया दोनों के लिए अवसर लेकर आई है। दक्षिण कोरियाई कंपनियाँ यदि भारत में

बड़े पैमाने पर उत्पादन केंद्र स्थापित करती हैं, तो उन्हें विशाल बाजार, सस्ती श्रमशक्ति और रणनीतिक स्थिति का लाभ मिलेगा। वहीं भारत को तकनीक, रोजगार और निर्यात क्षमता में वृद्धि प्राप्त होगी। इलेक्ट्रॉनिक्स, सेमीकंडक्टर, बैटरी निर्माण, ऑटोमोबाइल, रक्षा उत्पादन और जहाज निर्माण ऐसे क्षेत्र हैं जहाँ सहयोग तेजी से बढ़ सकता है। रणनीतिक दृष्टि से भी दोनों देशों का सहयोग अत्यंत महत्वपूर्ण है। भारत इंडो-पैसिफिक क्षेत्र में स्वतंत्र, खुला और समावेशी व्यवस्था का समर्थन करता है। दक्षिण कोरिया भी क्षेत्रीय स्थिरता और समुद्री सुरक्षा का समर्थक है। चीन की आक्रामक नीतियाँ, समुद्री मार्गों पर दबाव और क्षेत्रीय तनाव ने कई देशों को नए साझेदार खोजने पर मजबूर किया है। भारत और दक्षिण कोरिया इस संदर्भ में स्वाभाविक सहयोगी बन सकते हैं। हालाँकि दक्षिण कोरिया की सुरक्षा प्राथमिकताएँ कुछ अलग हैं। उसका प्रमुख ध्यान उत्तर कोरिया के परमाणु खतरे और अमेरिका के साथ सैन्य गठबंधन पर केंद्रित रहता है। दूसरी ओर भारत की चिंताएँ चीन, हिंद महासागर, सीमा सुरक्षा और क्षेत्रीय संतुलन से जुड़ी हैं। फिर भी दोनों देशों के हित कई क्षेत्रों में समान हैं। रक्षा उद्योग सहयोग, साइबर सुरक्षा, समुद्री निगरानी, आतंकवाद विरोधी प्रयास और नई सैन्य तकनीकों में संयुक्त कार्य किया जा सकता है। रक्षा क्षेत्र में दक्षिण कोरिया ने विश्व स्तर पर अपनी मजबूत पहचान बनाई है। उसके पास आधुनिक रक्षा उत्पादन क्षमता है। भारत यदि संयुक्त उत्पादन, तकनीकी हस्तान्तरण और अनुसंधान सहयोग पर जोर दे, तो दोनों देशों को लाभ हो सकता है। भारत की आत्मनिर्भर रक्षा नीति और दक्षिण कोरिया की तकनीकी क्षमता मिलकर नई संभावनाएँ पैदा कर सकती हैं। तकनीक आज अंतरराष्ट्रीय संबंधों का सबसे महत्वपूर्ण आधार बन चुकी है। कृत्रिम बुद्धिमत्ता, 5G, 6G, सेमीकंडक्टर, रोबोटिक्स, हरित ऊर्जा, इलेक्ट्रिक वाहन और डिजिटल नवाचार भविष्य की अर्थव्यवस्था तय करेंगे। दक्षिण कोरिया इन क्षेत्रों में अग्रणी देशों में शामिल है, जबकि भारत डिजिटल प्रतिभा, साफ्टवेयर क्षमता और स्टार्टअप इकोसिस्टम के कारण तेजी से आगे बढ़ रहा है। यदि दोनों देश 'डिजिटल ब्रिज' बनाकर साथ काम करें, तो एशिया में तकनीकी नेतृत्व का नया मॉडल

सामने आ सकता है। शिक्षा और मानव संसाधन सहयोग भी संबंधों को मजबूत कर सकता है। भारतीय छात्र दक्षिण कोरिया में उच्च शिक्षा, अनुसंधान और तकनीकी प्रशिक्षण के अवसर प्राप्त कर सकते हैं। वहीं कोरियाई छात्र भारत की संस्कृति, इतिहास, योग, आयुर्वेद, सूचना प्रौद्योगिकी और प्रबंधन शिक्षा से लाभ उठा सकते हैं। विश्वविद्यालयों के बीच साझेदारी, छात्रवृत्तियाँ और संयुक्त शोध कार्यक्रम भविष्य में मजबूत आधार बन सकते हैं। सांस्कृतिक स्तर पर दोनों देशों के बीच लोकप्रियता तेजी से बढ़ रही है। भारत में कोरियाई संगीत, फिल्मों और टीवी कार्यक्रमों की लोकप्रियता बढ़ी है। वहीं दक्षिण कोरिया में भारतीय योग, भोजन, नृत्य और आध्यात्मिक परंपराओं के प्रति रुचि देखी जा रही है। यह सांस्कृतिक जुड़ाव केवल मनोरंजन नहीं, बल्कि लोगों के बीच विश्वास और समझ को बढ़ाने का माध्यम है। पर्यटन, सांस्कृतिक उत्सव, भाषा शिक्षा और मीडिया सहयोग से यह रिश्ता और गहरा हो सकता है। भविष्य की दृष्टि से भारत और दक्षिण कोरिया को केवल औपचारिक बैठकों तक सीमित नहीं रहना चाहिए। व्यापार लक्ष्य स्पष्ट हों, निवेश प्रक्रियाएँ सरल हों, नई तकनीकों पर संयुक्त मिशन बनें, रक्षा उद्योग सहयोग बढ़े और युवाओं के बीच सीधा संपर्क मजबूत किया जाए। 2030 तक व्यापार को 50 अरब डॉलर से अधिक ले जाना का लक्ष्य व्यावहारिक रूप से संभव है, यदि राजनीतिक इच्छाशक्ति और नीतिगत स्पष्टता दिखाई जाए। भारत के लिए दक्षिण कोरिया केवल एक व्यापारिक साझेदार नहीं, बल्कि तकनीकी और रणनीतिक सहयोगी है। वहीं दक्षिण कोरिया के लिए भारत एक विशाल बाजार, विश्वसनीय लोकतांत्रिक मित्र और भविष्य की आर्थिक शक्ति है। बदलती विश्व व्यवस्था में ऐसे साझेदारों का महत्व और बढ़ जाता है। निष्कर्ष रूप में कहा जा सकता है कि भारत-दक्षिण कोरिया संबंध आज के दौर में नई संभावनाओं के मोड़ पर खड़े हैं। यदि दोनों देश व्यावहारिक सहयोग, पारस्परिक विश्वास और दीर्घकालिक दृष्टि के साथ आगे बढ़ते हैं, तो यह साझेदारी केवल द्विपक्षीय संबंधों तक सीमित नहीं रहेगी, बल्कि एशिया और विश्व में स्थिरता, समृद्धि और संतुलन की नई मिसाल बन सकती है।



डॉ. प्रियंका सौरभ

भारत और दक्षिण कोरिया के संबंध आज के वैश्विक दौर में नई अहमियत प्राप्त कर रहे हैं। दोनों देश लोकतांत्रिक मूल्यों, आर्थिक विकास, तकनीकी प्रगति और क्षेत्रीय शांति के समर्थक हैं। एशिया के बदलते शक्ति संतुलन, चीन की बढ़ती आक्रामकता, आपूर्ति श्रृंखला संकट, यूक्रेन युद्ध, मध्य पूर्व तनाव और इंडो-पैसिफिक क्षेत्र में बढ़ती प्रतिस्पर्धा ने भारत तथा दक्षिण कोरिया को एक-दूसरे के और करीब आने का अवसर दिया है। दोनों देशों के बीच वर्षों से मित्रतापूर्ण संबंध रहे हैं, लेकिन अब समय की मांग है कि इन्हें नई ऊर्जा, नई दिशा और व्यावहारिक सहयोग के साथ आगे बढ़ाया जाए। भारत और दक्षिण कोरिया के संबंध केवल आधुनिक कूटनीति तक सीमित नहीं हैं, बल्कि इनके सांस्कृतिक और ऐतिहासिक आधार भी मजबूत हैं। प्राचीन समय से दोनों देशों के बीच सभ्यतागत संपर्क की चर्चा मिलती है। कोरिया में अयोध्या की राजकुमारी सुरिंद्रा, जिन्हें वहां रानी ह्यो ह्यंग-ओक के रूप में जाना जाता है, का उल्लेख दोनों देशों को सांस्कृतिक रूप से जोड़ता है। यह संबंध आज भी लोगों के बीच भावनात्मक जुड़ाव का आधार है। इसी कारण दोनों देशों के बीच सांस्कृतिक आदान-प्रदान, पर्यटन और जनसंपर्क की संभावनाएँ बहुत अधिक हैं। राजनयिक स्तर पर भारत और दक्षिण कोरिया ने वर्ष 1973 में औपचारिक संबंध स्थापित किए थे। उसके बाद से दोनों देशों के रिश्तों में लगातार प्रगति हुई है। वर्ष 2010 में संबंधों को रणनीतिक साझेदारी का दर्जा दिया गया और बाद में इसे विशेष रणनीतिक साझेदारी में बदल दिया गया। इससे स्पष्ट होता है कि दोनों देश एक-दूसरे को

अमेरिका में बढ़ती हिंसा और सुरक्षा की चुनौती: डोनाल्ड ट्रम्प पर हमलों का सिलसिला और 'गन कल्चर' का संकट



कैतिला माहोत

अमेरिका की राजधानी वाशिंगटन डीसी में आयोजित प्रतिष्ठित व्हाइट हाउस कॉरस्पॉन्डेंट्स डिनर के दौरान हुई ताजा फायरिंग की घटना ने एक बार फिर दुनिया का ध्यान अमेरिकी सुरक्षा व्यवस्था और वहां के गन कल्चर की ओर खींच लिया है। इस घटना में अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प बाल-बाल बच गए। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, गोलियों की आवाज सुनते ही पूरा हॉल दहशत में आ गया और मेहमान मेजों के नीचे छिपने को मजबूर हो गए। हालाँकि सुरक्षा एजेंसियों की तत्परता से स्थिति को नियंत्रित कर लिया गया और हमलावर को पकड़ लिया गया, लेकिन यह घटना कई गंभीर सवाल छोड़ गई है। इस हमले के बाद एक बार फिर यह चर्चा तेज हो गई है कि अमेरिका में राजनीतिक नेताओं की सुरक्षा कितनी मजबूत है और आखिर क्यों बार-बार ऐसे हमले हो रहे हैं। डोनाल्ड ट्रम्प के साथ यह कोई पहली घटना नहीं है। इससे पहले भी वे कई बार हमलों या हमले जैसे खतरों का सामना कर चुके हैं। सबसे चर्चित घटना 13 जुलाई 2024 की है, जब पेंसिल्वेनिया के बटलर शहर में एक चुनावी रैली के दौरान उन पर जानलेवा हमला हुआ था। उस समय एक हमलावर ने लंबी दूरी से असाइल्ट राइफल से फायरिंग की थी। एक गोली उनके कान के ऊपरी हिस्से को छूते हुए निकल गई थी। यह हमला बेहद खतरनाक था और अगर गोली कुछ सेंटीमीटर इधर-उधर होती, तो परिणाम भयावह हो सकते थे। इस घटना में एक व्यक्ति की मौत भी हुई थी और कई लोग घायल हुए थे। इस हमले ने



अमेरिकी चुनावी माहौल को पूरी तरह बदल दिया था और सुरक्षा एजेंसियों की कार्यप्रणाली पर सवाल उठे थे। इसके अलावा, डोनाल्ड ट्रम्प को उनके राजनीतिक करियर के दौरान कई बार धमकियाँ भी मिली हैं। राष्ट्रपति बनने के बाद और फिर दोबारा चुनावी राजनीति में सक्रिय होने के कारण वे लगातार निशाने पर रहे हैं। अमेरिकी सीक्रेट सर्विस समय-समय पर ऐसे कई संभावित हमलों को नाकाम करने का दावा करती रही है, जिनकी जानकारी सार्वजनिक नहीं की जाती। हालाँकि ये घटनाएँ यह संकेत देती हैं कि खतरा लगातार बना हुआ है। ताजा घटना में हमलावर की पहचान कोल टॉमस एलन के रूप में हुई है, जो कैलिफोर्निया का रहने वाला बताया जा रहा है। दिलचस्प बात यह है कि वह एक शिक्षित व्यक्ति था, जिसने इंजीनियरिंग और कंप्यूटर साइंस में उच्च शिक्षा प्राप्त की थी। यह तथ्य इस बात को और चिंताजनक बना देता है कि हिंसा की प्रवृत्ति अब केवल असाामाजिक तत्वों तक सीमित नहीं रह गई है, बल्कि समाज के शिक्षित वर्ग तक भी पहुँच रही है। इस घटना के दौरान मलानिया ट्रम्प और उपराष्ट्रपति जेडी

वंश भी मौजूद थे। सुरक्षा एजेंसियों ने तुरंत कार्रवाई करते हुए सभी वीआईपी को सुरक्षित बाहर निकाल लिया। इस दौरान अफरा-तफरी का माहौल बन गया था, जो यह दर्शाता है कि ऐसी घटनाएँ कितनी तेजी से नियंत्रण से बाहर हो सकती हैं। अमेरिका में गन कल्चर लंबे समय से बहस का विषय रहा है। वहां हथियार रखना संवैधानिक अधिकार माना जाता है, लेकिन इसी अधिकार का दुरुपयोग लगातार बढ़ती हिंसा का कारण बन रहा है। स्कूलों में गोलीबारी, सार्वजनिक स्थानों पर हमले और राजनीतिक नेताओं की निशाना बनाना अब आम घटनाएँ बनती जा रही हैं। यह स्थिति केवल कानून-व्यवस्था का नहीं, बल्कि सामाजिक और मानसिक स्वास्थ्य का भी गंभीर संकट बन चुकी है। बराक ओबामा के कार्यकाल में भी गन कंट्रोल को लेकर कई प्रयास किए गए थे, लेकिन मजबूत लॉबी और राजनीतिक मतभेदों के कारण कोई ठोस कानून लागू नहीं हो सका। डोनाल्ड ट्रम्प के कार्यकाल में भी इस मुद्दे पर सख्त कदम नहीं उठाए गए, जिससे स्थिति और जटिल

हो गई। हाल की घटना के बाद भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी प्रतिक्रिया दी और कहा कि लोकतंत्र में हिंसा के लिए कोई स्थान नहीं होना चाहिए। यह बयान अंतरराष्ट्रीय स्तर पर इस घटना की गंभीरता को दर्शाता है। अगर हम व्यापक दृष्टिकोण से देखें, तो यह स्पष्ट होता है कि डॉनल्ड ट्रम्प पर हुए हमले केवल व्यक्तिगत नहीं हैं, बल्कि यह अमेरिकी लोकतंत्र और उसकी संस्थाओं पर भी हमला है। जब किसी देश का सर्वोच्च नेता ही सुरक्षित नहीं है, तो आम नागरिकों की सुरक्षा को लेकर चिंता स्वाभाविक है। इस तरह की घटनाएँ यह भी दर्शाती हैं कि सुरक्षा एजेंसियों को लगातार अपने तरीकों और तकनीकों को अपडेट करना होगा। केवल परंपरागत सुरक्षा उपाय अब पर्याप्त नहीं हैं। आधुनिक तकनीक, इंटेलिजेंस नेटवर्क और मनोवैज्ञानिक विश्लेषण को भी सुरक्षा रणनीति का हिस्सा बनाना होगा। साथ ही, समाज में बढ़ती कट्टरता और मानसिक अस्तुलन के मामलों को भी गंभीरता से लेना होगा। जब तक इन मूल कारणों पर ध्यान नहीं दिया जाएगा, तब तक केवल सुरक्षा बढ़ाने से समस्या का समाधान संभव नहीं है। डोनाल्ड ट्रम्प पर हुए हमलों का सिलसिला यह संकेत देता है कि अमेरिका एक ऐसे मोड़ पर खड़ा है, जहाँ उसे अपने गन कानूनों, सामाजिक नीतियों और सुरक्षा व्यवस्था पर गंभीर पुनर्विचार करने की आवश्यकता है। यह केवल एक देश का मुद्दा नहीं है, बल्कि पूरी दुनिया के लिए एक चेतावनी है कि अगर समय रहते ऐसे खतरों को नहीं रोका गया, तो लोकतंत्र की नींव कमजोर हो सकती है। इस पूरी घटना और इससे जुड़े पिछले हमलों को देखते हुए यह कहना गलत नहीं होगा कि डोनाल्ड ट्रम्प का राजनीतिक जीवन लगातार जोखिमों से भरा रहा है। वे कई बार मौत के करीब पहुँचे हैं, लेकिन हर बार बच निकले। हालाँकि यह सवाल अभी भी बना हुआ है कि आखिर कब तक ऐसा चलता रहेगा और क्या अमेरिका इस चुनौती का कोई स्थायी समाधान खोज पाएगा।

संपादकीय

मतदान के मौल-पत्थर

पश्चिम बंगाल में प्रथम चरण का और तमिलनाडु में पूरा मतदान हो गया। लोकतंत्र के लिए यह बेहद सुखद संकेत और रूझान है कि दोनों राज्यों में क्रमशः 92.72 फीसदी और 85.14 फीसदी मतदान के साथ नए कीर्तिमान स्थापित किए गए हैं। आजकल 60-70 फीसदी मतदान हो जाए, तो राजनीतिक दल और नेतागण राहत की सांस लेते हैं। बंगाल के इस बार के मतदान पर मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार ने खुलासा किया है कि आजादी के बाद देश में सबसे अधिक मतदान बंगाल में हुआ है, तो 1967 के बाद पहली बार तमिलनाडु में इतना अधिक मतदान किया गया है। जाहिर है कि अतीत के तमाम कीर्तिमान बौने हो गए हैं और लोकतंत्र की निर्णायक भागीदारी ने नए मौल-पत्थर गाड़ दिए हैं। ये मतदान इसलिए भी बेहद महत्वपूर्ण हैं, क्योंकि बंगाल में कुल 91 लाख से अधिक और तमिलनाडु में 57 लाख से अधिक मतदाताओं के नाम, विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के जरिए, काट दिए गए थे। अब भी लाखों के मताधिकार अंध में लटके हैं। एसआईआर का खोफ और भय था, ऐसी आशांका भी जताई जा रही थी कि यदि वोट नहीं देंगे, तो अंततः नागरिकता भी बरकतगी है! यहाँ हम स्पष्ट बता दें कि न तो संविधान में ऐसा कोई प्रावधान है और न ही देश का कानून है कि वोट न देने से नागरिकता रद्द की जा सकती है। आप बहकावे में न आएं, भ्रमित न हों और डरने की कोई जरूरत नहीं है। आपकी भारतीयता कोई खेरात नहीं है। वह आपका जन्मसिद्ध अधिकार है। बहरहाल बंपर मतदान की व्याख्याएं शुरू हो गई हैं। प्रधानमंत्री मोदी का 'फुजिट पोले' दावा कर रहा है कि भाजपा प्रथम चरण की 152 सीटों में से 100 सीटें पार कर चुकी है। हालाँकि भाजपा ने 125 सीटों पर रणचंड जीत का दावा किया है। बंपर मतदान को मुख्यमंत्री ममता बनर्जी अपनी जीत मान रही हैं। इसे 4 मई तक छोड़ देना चाहिए, जिस दिन जनादेश सार्वजनिक होंगे। कुछ शोषक चुनावी पंडित 'शर्तिता विश्लेषण' करने में जुटे हैं कि भाजपा कुल मिला कर 150-160 सीटें जीत रही है, नतीजतन ममता की 15 साल पुरानी सत्ता ढह रही है और भाजपा की सरकार बन रही है। यह दावा प्रधानमंत्री मोदी ने भी एक जनसभा में किया था कि इस बार कई जिलों में तृणमूल कांग्रेस का खराबी भी नहीं खुलेगा। प्रधानमंत्री ने ऐसा दावा अपने राजनीतिक अनुभव के आधार पर किया था। यह भी चुनावी और सियासी दावा साबित हो सकता है। यदि ममता बनर्जी 'बंगाली अरिस्ता' की प्रतीक न होंगी, तो केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह को सार्वजनिक मंच से यह घोषणा न करनी पड़ती कि भाजपा मुख्यमंत्री बंगाली होगी, बंगाल में जन्मा और पढ़ा-लिखा होगा तथा बंगला भाषा बोलता होगा। भाजपा कार्यकर्ताओं को 'मछली' लेकर जुलूस न निकालने पड़ते और पार्टी के केंद्रीय मंत्री स्तर के नेताओं को, मंगलवार के दिन, 'मछली-चालल' खाते हुए इंटरव्यू न देने पड़ते। मुख्यमंत्री को लेकर भाजपा को बंगाल में ही सफाई देनी पड़ रही है। किसी अन्य राज्य में अपवाद हो सकता है, अलबत्ता भावी मुख्यमंत्री को लेकर कोई भी घोषणा नहीं करनी पड़ती। बंगाल और भाजपा के दरमि्यान चारित्रिक और सांस्कृतिक फासले आज भी हैं। बहरहाल ममता बनर्जी चुनाव हारती हैं, तो एसआईआर के कारण नहीं, बल्कि महिला मतदाताओं के कम वोट के कारण हारेंगी। बेशक मतदान का दिन कई 'मुक्त' के साथ बीता है, लेकिन बंगाल 'हिंसा-मुक्त' नहीं हो पाया। मुर्शिदाबाद इलाके में निवर्तमान विधायक हुमायूँ कबीर के वाहन पर पथराव हुआ। उनके साथ हाथपाई भी हुई। इसी तरह कुमारगंज में भाजपा उम्मीदवार सुवेन्दु सरकार को लोगों ने भगा-भगा कर पीटा। एक पुलिसिया अंगरक्षक इतनी भीड़ के मुक्के-थपड़ों को कैसे रोक सकता था।

चितन-मनन

संत की सीख

एक धनी सेठ ने एक संत के पास आकर उनसे प्रार्थना की, महाराज, मैं आत्मज्ञान प्राप्त करने के लिए साधना करता हूँ पर मेरा मन एकाग्र ही नहीं हो पाता है। आप मुझे मन को एकाग्र करने का कोई मंत्र बताएँ। सेठ की बात सुनकर संत बोले, मैं कल तुम्हारे घर आऊँगा और तुम्हें एकाग्रता का मंत्र प्रदान करूँगा। यह सुनकर सेठ बहुत खुश हुआ। उसने इसे अपना सौभाग्य समझा कि इतने बड़े संत उसके घर पधारे। उसने अपनी हवेली की सफाई करवाई और संत के लिए स्वादिष्ट पकवान तैयार करवाए। नियत समय पर संत उसकी हवेली पर पधारे। सेठ ने उनका खूब स्वागत-सत्कार किया। सेठ की पत्नी ने मेवों व शुद्ध घी से स्वादिष्ट हलवा तैयार किया था। चाँदी के बर्तन में हलवा सजाकर संत को दिया गया तो संत ने फौरन अपना कमंडल आगे कर दिया और बोले, यह हलवा इस कमंडल में डाल दो। सेठ ने देखा कि कमंडल में पहले ही कूड़ा-करकट भरा हुआ है। वह दुविधा में पड़ गया। उसने संकोच के साथ कहा, महाराज, यह हलवा मैं इस्में कैसे डाल सकता हूँ। कमंडल में तो यह सब भरा हुआ है। इस्में हलवा डालने पर भला वह खाने योग्य कहाँ रह जाएगा, वह भी इस कूड़े-करकट के साथ मिलकर दूषित हो जाएगा। यह सुनकर संत मुस्कुराते हुए बोले, वत्स, तुम ठीक कहते हो। जिस तरह कमंडल में कूड़ा करकट भरा है उसी तरह तुम्हारे दिमाग में भी बहुत सी ऐसी चीजें भरी हैं जो आत्मज्ञान के मार्ग में बाधक हैं। सबसे पहले पात्रता विकसित करनी तो आत्मज्ञान के योग्य बन पाओगे। यदि मन-मस्तिष्क में विकार तथा कुसंस्कार भर रहे हों तो एकाग्रता कहाँ से आएगी। एकाग्रता भी तभी आती है जब व्यक्ति शुद्धता से कार्य करने का संकल्प करता है। संत की बातें सुनकर सेठ ने उसी समय संकल्प लिया कि वह बेमतलब की बातों को मन-मस्तिष्क से निकाल बाहर करेगा।

संक्षिप्त समाचार

नेपाल सरकार ने कर्मचारियों को तीन महीने तक विदेश यात्रा पर न जाने का निर्देश दिया

काठमांडू, एप्रैल 27। नेपाल सरकार ने आगामी तीन महीनों तक किसी भी कर्मचारी को विदेश यात्रा पर न जाने का निर्देश दिया है। प्रधानमंत्री तथा मंत्रिपरिषद् कार्यालय ने मंत्रालयों, आयोगों और सभी संबंधित निकायों को पत्र भेजकर इस व्यवस्था को लागू करने को कहा है। सरकार के गत 28 मार्च के निर्णय के अनुसार स्वीकृत प्रशासनिक सुधार से संबंधित 100 कार्यसूचियों को उच्च प्राथमिकता के साथ लागू किया जा रहा है। इसी संदर्भ में प्रधानमंत्री कार्यालय ने यह निर्देश जारी किया है। निर्देश में कहा गया है कि कर्मचारियों के विदेश दौरे पर जाने से सरकार की 100 कार्यसूचियों के कार्यान्वयन में बाधा उत्पन्न हो सकती है, इसलिए अगले तीन महीनों तक किसी भी कर्मचारी को वैदेशिक भ्रमण के लिए नामांकित न करने का अनुरोध किया गया है।

लुइसियाना मॉल गोलीबारी: पुलिस ने एक शख्स को किया गिरफ्तार, दूसरा फरार

लुइसियाना, एप्रैल 27। लुइसियाना के अधिकारियों ने एक 17 वर्षीय लड़के पर हत्या का आरोप लगाया है और वे एक अन्य संदिग्ध की तलाश कर रहे हैं। गुरुवार को बैटन रूज के एक मॉल में हुई गोलीबारी में राहगीर भी फंस गए थे, जिसमें एक किशोरी की मौत हो गई थी। शुक्रवार को एक संवाददाता सम्मेलन के दौरान, लुइसियाना के गवर्नर जेफ लैंड्री ने राजधानी शहर को त्रस्त करने वाली गिराह हिंसा पर नफेल कसने का संकल्प लिया। अपराध के प्रति सख्त रुख रखने वाले राज्यपाल ने कहा कि उन्होंने एफबीआई निदेशक काश पटेल से बात की है और उन्होंने इस मुद्दे से निपटने के लिए राज्य, स्थानीय और संघीय संसंधनों का उपयोग करने का वादा किया है और कहा है कि इसके परिणाम 'तुरंत महसूस होने लगेंगे'।

वेनेजुएला की कार्यवाहक राष्ट्रपति डेल्ले रौडिगेज से मिले कोलंबियाई नेता

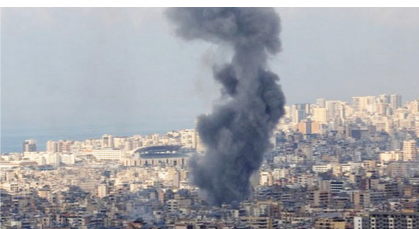
काराकास, एप्रैल 27। वेनेजुएला की कार्यवाहक राष्ट्रपति डेल्ले रौडिगेज ने शुक्रवार को काराकास के मिराफ्लोरेस राष्ट्रपति भवन में कोलंबियाई राष्ट्रपति गुस्तावो पेद्रो का स्वागत किया। जनवरी में अमेरिकी सेना द्वारा वेनेजुएला के पूर्व राष्ट्रपति निकोलस मादुरो और उनकी पत्नी को उनके घर से गिरफ्तार किए जाने के बाद यह उनकी पहली मुलाकात थी। नेताओं से प्रवासन, रक्षा, सीमा सुरक्षा, औद्योगिक सहयोग और व्यापार सहित एक व्यापक द्विपक्षीय एजेंडा पर चर्चा करने की उम्मीद थी। पेद्रो और रौडिगेज की पिछले महीने अपनी साझा सीमा पर मुलाकात होने की उम्मीद थी, लेकिन उनकी संबंधित सरकारों ने अचानक 'अप्रत्याशित घटना' का हवाला देते हुए बैठक रद्द कर दी, जिसका उन्होंने कोई स्पष्टीकरण नहीं दिया और बस इतना कहा कि यह बाद में होगा। शुक्रवार की बैठक से पहले, पेद्रो ने घोषणा की कि उनका प्रतिनिधिमंडल, जिसमें शीर्ष सैन्य और पुलिस अधिकारी शामिल हैं, रौडिगेज के साथ सीमा सुरक्षा के मुद्दे पर चर्चा करेगा।

खाड़ी युद्ध के चलते पश्चिम एशिया से अब तक 30 हजार नेपाली नागरिक स्वदेश लौटे

काठमांडू, एप्रैल 27। इजरायल-अमेरिका और ईरान के बीच युद्ध शुरू होने के बाद से पश्चिम एशिया से 30 हजार नेपाली स्वदेश लौट चुके हैं। युद्ध के बाद नेपाल सरकार ने नेपाली नागरिकों के लिए एक ऑनलाइन पोर्टल शुरू किया था। इस पोर्टल पर अब तक 87 हजार 89 लोगों ने ऑनलाइन पंजीकरण कराया है। नियमित पत्रकार सम्मेलन में शुक्रवार को विदेश मंत्रालय के सहसचिव रामजी खड्का ने बताया कि अब तक करीब 30 हजार नेपाली स्वदेश लौट चुके हैं। हालांकि, उनका कहना है कि यह नहीं कहा जा सकता कि सभी लोग केवल युद्ध से प्रभावित होकर ही लौटे हैं। उन्होंने कहा कि केवल कतर से ही 21 से 22 हजार नेपाली वापस आए हैं। उन्होंने बताया कि शुरुआती चरण में 7 हजार से अधिक लोगों ने पोर्टल पर अपना नाम दर्ज कराया था, लेकिन बाद में स्थिति सामान्य होने के साथ तत्काल उद्धार की मांग करने वाली की संख्या घट गई। युद्ध के बाद ईरान ने खाड़ी देशों में स्थित अमेरिकी सैन्य ठिकानों पर मिसाइल और ड्रोन हमले किए थे। इन देशों में रह रहे 17 लाख से अधिक नेपाली नागरिकों की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए सरकार ने ऑनलाइन पोर्टल संचालन में लाया था। युद्ध के बाद सउदी अरब, संयुक्त अरब अमीरात और कतर सहित कुछ देशों के क्षेत्रों में नेपाली श्रमिकों को समस्याओं का सामना करना पड़ा था। कुछ कंपनियों ने श्रमिकों को छुट्टी भी दी थी। विदेश मंत्रालय के आकलन के अनुसार फिलहाल होटल, रेस्टोरेंट और सेवा क्षेत्र सबसे अधिक प्रभावित हुए हैं। युद्ध के बाद पर्यटकों की आवाजाही रुकने से ये क्षेत्र प्रभावित हुए। हालांकि, इन क्षेत्रों में काम कर रहे नेपाली श्रमिकों ने अब तक किसी प्रकार की औपचारिक शिकायत दर्ज नहीं की है कि उन्हें काम नहीं मिल रहा है या वे गंभीर समस्या में हैं।

लेबनान के साथ युद्धविराम के बावजूद इस्राइली सेना और हिजबुल्ला के बीच हमले जारी, कई शहरों पर हुए हमले

लेबनान, एप्रैल 27। इस्राइल और लेबनान के बीच एक दिन पहले ही युद्धविराम तीन सप्ताह के लिए बढ़ाने की घोषणा हुई है। हालांकि इसके बावजूद इस्राइली सेना और हिजबुल्ला के बीच लड़ाई जारी है। इस्राइली रक्षा बलों ने कहा है कि उन्होंने दक्षिणी लेबनानी शहरों यादर और काफरा में हिजबुल्ला के ठिकानों पर रॉकेट हमले किए। इस्राइल का आरोप है कि हिजबुल्ला के लड़के अभी भी इस्राइली सैनिकों और नागरिकों के लिए खतरा पैदा कर रहे हैं। लेबनान के स्वास्थ्य मंत्रालय ने बताया कि दक्षिणी लेबनान में इस्राइली हवाई हमले में कम से कम छह लोग मारे गए और दो अन्य घायल हो गए। वहीं हिजबुल्ला का कहना है कि उसने दक्षिणी लेबनान शहर राम्या में एक इस्राइली बख्तरबंद गाड़ी को निशाना बनाया। हिजबुल्ला ने आरोप लगाया कि इस्राइली सैनिकों ने दक्षिणी लेबनान में कुछ घरों को तबाह किया, जिसका बदला लेते हुए इस्राइली सेना को निशाना बनाया गया। हिजबुल्ला 1992 से लेबनान की राजनीति का हिस्सा रहा है और संसद व सरकार में इसकी भागीदारी रही है। यह संगठन सामाजिक सेवाएं, स्वास्थ्य और शिक्षा



जैसी सुविधाएं भी प्रदान करता है, जिससे इसे जनसमर्थन मिलता है। एक दिन पहले ही अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा था कि इस्राइल और लेबनान तीन सप्ताह के लिए युद्धविराम बढ़ाने पर सहमत हुए हैं। उन्होंने कहा कि वे तीन सप्ताह तक गोलीबारी न करने पर सहमत हो गए हैं। हम उम्मीद करते हैं कि ऐसा ही होगा। बता दें कि ईरान के समर्थन में लेबनान स्थित हिजबुल्ला संगठन के लड़कों इस्राइल पर हमले करते हैं। इसके जवाब में बौते दिनों इस्राइल ने भी लेबनान में हिजबुल्ला के ठिकानों पर बम बरसाए। इस्राइल के इन हमलों में लेबनान में भी कई बेगुनाह लोगों की मौत हुई।

चीन की चुनौतियों के बीच अमेरिकी कमांडर ने कहा-

'इंडो-पैसिफिक रणनीति के लिए भारत अहम'

05 वाशिंगटन, एप्रैल 27। भारत, इंडो-पैसिफिक क्षेत्र में चीन का मुकाबला करने की अमेरिकी रणनीति में एक अहम स्तंभ के तौर पर उभर रहा है। अमेरिकी सेना के शीर्ष नेतृत्व ने भारत के साथ बढ़ते रक्षा संबंधों और तालमेल को खास तौर पर रेखांकित किया है। अमेरिकी इंडो-पैसिफिक कमांडर के प्रमुख एडमिरल सैमुअल जॉन पपारो ने इस हफ्ते सांसदों से कहा कि भारत के साथ संबंध उनकी प्राथमिकता हैं। उन्होंने इस रिश्ते को लगातार ऊपर की ओर बढ़ता हुआ बताया और इसे अपनी सबसे सक्रिय सैन्य साझेदारियों में से एक कहा। उनकी यह टिप्पणी ऐसे समय में आई, जब वाशिंगटन चीन की बढ़ती सैन्य ताकत पर अपना ध्यान केंद्रित कर रहा है और इंडो-पैसिफिक क्षेत्र में संतुलन बनाए रखने के लिए क्षेत्रीय साझेदारों के साथ संबंधों को मजबूत करने की कोशिश कर रहा है। पपारो ने कहा कि 'मेजर डिफेंस पार्टनरशिप' (प्रमुख रक्षा साझेदारी) ढांचे के तहत, अमेरिका-भारत सुरक्षा संबंधों में लगातार जटिल होते जा रहे सैन्य अभ्यासों, रक्षा सौदों और रणनीतिक बातचीत के जरिए जबरदस्त बढ़ोतरी देखने को मिली है।

उन्होंने समुद्री सुरक्षा और पानी के नीचे की गतिविधियों की जानकारी जैसे क्षेत्रों में बढ़ते सहयोग की ओर इशारा किया। इसमें विदेशी सैन्य बिक्री के जरिए भारत की ओर से एकम्बू-9बी ड्रोन खरीदने की योजना भी शामिल है। पपारो ने भारत को इस क्षेत्र में स्थिरता लाने वाली ताकत बताया। उन्होंने कहा कि भारत दक्षिण एशिया के भीतर स्थिरता का



एक स्रोत बना हुआ है। साथ ही, हिंद महासागर क्षेत्र में रणनीतिक साझेदारियों और रक्षा सहयोग को भी मजबूत कर रहे हैं।

उन्होंने भारत की बढ़ती क्षेत्रीय भूमिका का भी जिक्र किया। इसमें श्रीलंका में किया गया निवेश और मॉरीशस के साथ किए गए समझौते शामिल हैं, जिनका मकसद समुद्री सहयोग को बढ़ावा देना और यह सुनिश्चित करना है कि रणनीतिक बुनियादी ढांचा विरोधी ताकतों के प्रभाव से मुक्त रहे।

इंडो-पैसिफिक कमांडर ने 'क्वाड' जैसे बहुपक्षीय समूहों में भारत की भागीदारी को भी रेखांकित किया। इस समूह में भारत के साथ-साथ अमेरिका, जापान और ऑस्ट्रेलिया भी शामिल हैं। यह समुद्री सुरक्षा तथा लॉजिस्टिक्स के क्षेत्र में सहयोग का विस्तार कर रहा है। उन्होंने कहा, 'मालाबार जैसे सैन्य अभ्यास, जिनमें ये चारों देश शामिल होते हैं, इस क्षेत्र में आपसी तालमेल बनाने और संयुक्त सैन्य क्षमताओं का प्रदर्शन करने के लिए बेहद अहम बन गए हैं।'

ईरान की हरकतों की वजह से होर्मुज स्ट्रेट में खतरा बढ़ा : पीट हेगसेथ

वाशिंगटन, एप्रैल 27। अमेरिका ने शुक्रवार को चेतावनी दी कि ईरान के साथ बढ़ते तनाव के बीच होर्मुज स्ट्रेट से गुजरने वाले जहाजों पर अब भी बड़ा खतरा बना हुआ है, हालांकि सीमित स्तर पर आवाजाही जारी है। अमेरिका के सेक्रेटरी ऑफ वॉर पीट हेगसेथ ने कहा कि इस अहम समुद्री रास्ते से जहाज अभी भी गुजर रहे हैं, लेकिन हालात पहले से ज्यादा खतरनाक हो गए हैं। उन्होंने पेट्रोलिंग में हुई एक ब्रीफिंग में कहा कि यातायात हो रहा है, लेकिन यह उतना नहीं है जितना लोग चाहते हैं और इसमें पहले से ज्यादा जोखिम है।

हेगसेथ ने कहा कि यह खतरा ईरान की गतिविधियों की वजह से बढ़ा है, जिसमें तेज रफ्तार वाली छोटी नावों का इस्तेमाल और व्यापारिक जहाजों को धमकाना शामिल है। ये सिर्फ कर्मशराल जहाज हैं इन्हें धमकाया जा रहा है। अमेरिका ने संभावित खतरों के खिलाफ सख्त जवाबी कार्रवाई की अनुमति दी है। खासकर अगर समुद्र में नौसैनिक बारूदी सुरंगें बिछाई जाती हैं। हेगसेथ ने कहा कि अगर ईरान पानी में माइन्स बिछाता है, तो हम बिना हिचकिचाहट उन्हें नष्ट कर देंगे।

अमेरिकी सैन्य अधिकारियों ने बताया कि इन खतरों पर नजर रखने और उन्हें रोकने की कोशिशें जारी हैं, लेकिन उन्होंने यह नहीं बताया कि किसी भी माइन्स को हटाने में कितना समय लगेगा।

ज्वाइंट चीफ्स ऑफ स्टाफ के चेयरमैन जनरल डैन केन ने कहा कि ईरान पहले भी इस क्षेत्र में व्यापारी जहाजों पर हमला कर चुका है। ईरान ने पांच व्यापारी जहाजों पर हमला किया है और उनमें से दो को ज्वब भी किया है। पेट्रोलिंग ने बताया कि अमेरिकी नौसेना ईरान से जुड़े बंदरगाहों वाले जहाजों पर सख्त रोक बनाए हुए है, जबकि बाकी जहाजों को निर्वाचित हालात में गुजरने दिया जा रहा है। हेगसेथ ने कहा कि इस कार्रवाई से आगे और हमलों की कोशिशें रुक गई हैं। उन्होंने कहा कि? इससे एक साफ संदेश गया है कि यह कोई दिखावटी नाकाबंदी नहीं है।

बिना सबूत के आरोप लगाना बंद करे अमेरिका, चीनी प्रवक्ता ने ट्रंप के दावों को बताया अटकलबाजी

बीजिंग, एप्रैल 27। चीन और अमेरिका के बीच कूटनीतिक तनाव एक बार फिर गहरा गया है। शुक्रवार को बीजिंग में एक नियमित प्रेस ब्रीफिंग के दौरान चीनी विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता गुओ जियाकुन ने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के उस बयान को सिर से खारिज कर दिया, जिसमें उन्होंने एक रोकें गए ईरानी जहाज में चीन की ओर से 'उपहार' होने की आशंका जताई थी।

प्रवक्ता ने स्पष्ट किया कि चीन बिना किसी तथ्यात्मक साक्ष्य के लगाए गए आरोपों और अटकलों को स्वीकार नहीं करेगा और देशों के बीच होने वाले सामान्य व्यापार को बाधित नहीं किया जाना चाहिए।

ट्रंप और निवकी हेली के दावे

दरअसल, यह विवाद तब शुरू हुआ जब राष्ट्रपति ट्रंप ने एक इंटरव्यू में कहा कि अमेरिका ने एक संदिग्ध सामान वाले जहाज को रोका है और यह समर्थन की याद दिलाते वाली घटना 'गिफ्ट' हो सकता है। ट्रंप ने इस पर



आश्चर्य जताते हुए कहा कि उनके और राष्ट्रपति शी जिनपिंग के बीच अच्छे संबंध हैं और उन्हें लगा था कि दोनों देशों के बीच बेहतर समझ बनी हुई है। इससे पहले, 21 अप्रैल को साउथ कैरोलिना की पूर्व गवर्नर निवकी हेली ने सोशल मीडिया पर दावा किया था कि हॉर्मुज जलडमरूमध्य में पकड़ा गया यह जहाज चीन से ईरान जा रहा था और इसमें मिसाइलों के लिए रासायनिक सामग्री हो सकती थी। उन्होंने इसे चीन द्वारा ईरान सरकार को दिए जा रहे समर्थन की याद दिलाते वाली घटना बताया।

हॉर्मुज स्ट्रेट की संवेदनशीलता

चीनी विदेश मंत्रालय ने अमेरिकी कार्रवाई पर गंभीर चिंता व्यक्त की है। प्रवक्ता गुओ जियाकुन ने हॉर्मुज स्ट्रेट की स्थिति को 'जटिल और संवेदनशील' बताया है। अमेरिका द्वारा जहाज को जबरन रोकना चिंताजनक है। चीन ने सभी पक्षों से जिम्मेदारी दिखाने और क्षेत्र में तनाव बढ़ाने से बचने की अपील की है।

वैश्विक तेल व्यापार पर संकट

हॉर्मुज स्ट्रेट फारस की खाड़ी को अरब सागर से जोड़ने वाला एक रणनीतिक मार्ग है, जो वैश्विक तेल व्यापार के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है। दुनिया के लगभग पांचवें हिस्से का तेल इसी मार्ग से गुजरता है, जिसके कारण पश्चिम एशिया में जारी तनाव के बीच यहां के हालात पूरी दुनिया के लिए संवेदनशील बन चुके हैं।

नेपाल जा रहे यूएस दूत सर्जियो गोर,

पीएम बालेन से मुलाकात पर सस्पेंस!

काठमांडू, एप्रैल 27। अमेरिका की ओर से नेपाल के प्रधानमंत्री बालेंद्र शाह (बालेन शाह) से मुलाकात का अनुरोध किया गया है। यह अनुरोध अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के खास और दक्षिण तथा मध्य एशिया के लिए विशेष दूत सर्जियो गोर के नेपाल दौरे के संदर्भ में आया है। लेकिन नेपाल के नए प्रधानमंत्री बालेंद्र शाह इस मुलाकात को लेकर अभी पक्का फैसला नहीं ले पाए हैं। कारण? पीएम शाह ने स्पष्ट रूप से एक नया बेंचमार्क तय कर दिया है। वे विदेशी देशों के केवल मंत्री स्तर या उससे ऊपर के अधिकारियों से ही व्यक्तिगत मुलाकात करेंगे। मार्च में शपथ लेने के बाद से पीएम बालेन शाह ने किसी भी विदेशी राजदूत या जूनियर अधिकारी से व्यक्तिगत मुलाकात नहीं की है, भले ही कई दूतावासों ने अनुरोध किया हो। उनका कहना है कि यह बेंचमार्क विदेश नीति को मजबूत और सम्मानजनक बनाने के लिए है।

नेपाल में नए प्रधानमंत्री बालेन शाह के बाद विदेशी ताकतों, विशेषकर अमेरिका और चीन के बीच अपना प्रभाव बढ़ाने की होड़ तेज हो गई है। इसी कड़ी में अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के दक्षिण और मध्य एशिया के विशेष दूत सर्जियो गोर 30 अप्रैल को काठमांडू के चार दिवसीय दौरे पर जा रहे हैं।

सर्जियो गोर कौन हैं और उनका दौरा क्यों अहम है? : सर्जियो गोर को डोनाल्ड ट्रंप का बेहद



करीबी माना जाता है। वह वर्तमान में भारत में अमेरिकी राजदूत के रूप में कार्यरत हैं। ट्रंप प्रशासन द्वारा जनवरी के मध्य में नेपाल से तत्कालीन अमेरिकी राजदूत डीन थॉमसन को वापस बुलाए जाने के बाद से, काठमांडू में कोई स्थायी अमेरिकी राजदूत नहीं है। ऐसे में गोर नई दिल्ली से ही नेपाल के मामलों की देखरेख कर रहे हैं। ट्रंप ने गोर को दक्षिण और मध्य एशिया के लिए 'विशेष दूत' भी नियुक्त किया है। इस कारण उनका कूटनीतिक कद अमेरिकी विदेश विभाग के सहायक सचिव (समीर पॉल कपूर) से भी बड़ा हो गया है। इससे पहले वह वाइट हाउस में राष्ट्रपति के सहायक और 'प्रेसिडेंशियल पर्सनल' के निदेशक रह चुके हैं, जहां उन्होंने रिकॉर्ड समय में हजारों राजनीतिक नियुक्तियों की थीं।

अमेरिका और चीन के बीच आमने-सामने की कूटनीति : नेपाल के नए प्रशासन को लुभाने के लिए वाशिंगटन और बीजिंग दोनों सक्रिय हैं। इस दौर के बीच पहले कुछ अहम कूटनीतिक घटनाक्रम हुए हैं।

अमेरिका के सहायक सचिव का दौरा : हाल ही में (बुधवार को) दक्षिण और मध्य एशिया के लिए अमेरिकी सहायक सचिव समीर पॉल कपूर ने अपनी तीन दिवसीय नेपाल यात्रा संपन्न की है। उन्होंने नेपाल के वित्त मंत्री स्वर्णिम बाल्ले और विदेश मंत्री शिशीर खनाल से मुलाकात की और बिभिन्न क्षेत्रों में निवेश को लेकर अमेरिकी प्रतिबद्धता दोहराई। कपूर को नेपाल सरकार की ओर से आश्वासन मिला है कि विदेशी प्रत्यक्ष निवेश को आकर्षित करने के लिए पुराने कानूनों की समीक्षा की जाएगी।

यूएस प्रेसिडेंट ट्रंप का गोल्ड कार्ड वीजा हुआ फ्लॉप: अब तक सिर्फ 1 व्यक्ति ने ही लिया

वाशिंगटन, एप्रैल 27। अमेरिका में अब तक केवल एक व्यक्ति ने ही राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का बहुचर्चित 'गोल्ड कार्ड' वीजा हासिल किया है। गोल्ड कार्ड वीजा में कोई विदेशी 10 लाख डॉलर (9 करोड़ रुपए से ज्यादा) देकर अमेरिका में रहने और काम करने का अधिकार पा सकता है।

वाणिज्य मंत्री हावर्ड लुटनिक ने संसदीय समिति की सुनवाई में यह जानकारी दी। यह आंकड़ा उनकी पहली की उस घोषणा से काफी कम है, जिसमें उन्होंने कहा था कि योजना लॉन्च होने के कुछ ही दिनों में करीब 10,800 करोड़ रु. के 1300 आवेदन बेचे जा चुके हैं। लुटनिक ने सुनवाई के दौरान कहा कि फिलहाल सैकड़ों आवेदन प्रक्रिया में हैं।

ट्रंप ने फरवरी, 2025 में 'गोल्ड कार्ड' वीजा प्रोग्राम शुरू करने का ऐलान किया था। हालांकि उस वक्त उन्होंने इसकी कीमत 5



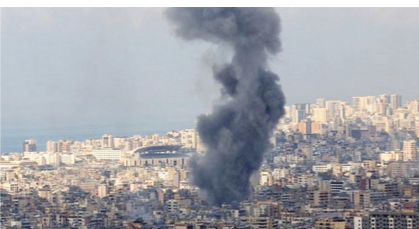
मिलियन डॉलर रखी थी। सितंबर में इसे घटाकर 1 मिलियन डॉलर कर दिया गया था। ट्रंप का कहना था कि यह अमेरिका फर्स्ट एजेंडे का हिस्सा है, जो टॉप टैलेंट (जैसे भारत-चीन से पढ़े स्टूडेंट्स) को रोकने और कंपनियों को अमेरिका लाने के लिए है।

गोल्ड कार्ड की अनलिमिटेड रेसिडेंसी में नागरिकों को सिर्फ पासपोर्ट और वोट देने का अधिकार नहीं मिलता, बाकी सारी सुविधाएं एक अमेरिकी नागरिक के जैसी मिलती हैं। यह प्रक्रिया उसी तरह

होगी, जैसे ग्रीन कार्ड के जरिए स्थायी निवास मिलता है। राष्ट्रपति ट्रंप ने कहा था कि यह वीजा प्रोग्राम खास तौर पर धनी विदेशियों के लिए है, ताकि वे 1 मिलियन डॉलर देकर अमेरिका में रहें हुए काम कर सकें। अब अमेरिका सिर्फ टैलेंटड लोगों को ही वीजा देगा, न कि ऐसे लोगों को जो अमेरिकियों की नौकरियां खीन सकते हैं। उन्होंने यह भी कहा कि इस रकम का इस्तेमाल टैक्स को घटाने और सरकारी कर्ज चुकाने में किया जाएगा।

लेबनान के साथ युद्धविराम के बावजूद इस्राइली सेना और हिजबुल्ला के बीच हमले जारी, कई शहरों पर हुए हमले

लेबनान, एप्रैल 27। इस्राइल और लेबनान के बीच एक दिन पहले ही युद्धविराम तीन सप्ताह के लिए बढ़ाने की घोषणा हुई है। हालांकि इसके बावजूद इस्राइली सेना और हिजबुल्ला के बीच लड़ाई जारी है। इस्राइली रक्षा बलों ने कहा है कि उन्होंने दक्षिणी लेबनानी शहरों यादर और काफरा में हिजबुल्ला के ठिकानों पर रॉकेट हमले किए। इस्राइल का आरोप है कि हिजबुल्ला के लड़के अभी भी इस्राइली सैनिकों और नागरिकों के लिए खतरा पैदा कर रहे हैं। लेबनान के स्वास्थ्य मंत्रालय ने बताया कि दक्षिणी लेबनान में इस्राइली हवाई हमले में कम से कम छह लोग मारे गए और दो अन्य घायल हो गए। वहीं हिजबुल्ला का कहना है कि उसने दक्षिणी लेबनान शहर राम्या में एक इस्राइली बख्तरबंद गाड़ी को निशाना बनाया। हिजबुल्ला ने आरोप लगाया कि इस्राइली सैनिकों ने दक्षिणी लेबनान में कुछ घरों को तबाह किया, जिसका बदला लेते हुए इस्राइली सेना को निशाना बनाया गया। हिजबुल्ला 1992 से लेबनान की राजनीति का हिस्सा रहा है और संसद व सरकार में इसकी भागीदारी रही है। यह संगठन सामाजिक सेवाएं, स्वास्थ्य और शिक्षा



जैसी सुविधाएं भी प्रदान करता है, जिससे इसे जनसमर्थन मिलता है। एक दिन पहले ही अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा था कि इस्राइल और लेबनान तीन सप्ताह के लिए युद्धविराम बढ़ाने पर सहमत हुए हैं। उन्होंने कहा कि वे तीन सप्ताह तक गोलीबारी न करने पर सहमत हो गए हैं। हम उम्मीद करते हैं कि ऐसा ही होगा। बता दें कि ईरान के समर्थन में लेबनान स्थित हिजबुल्ला संगठन के लड़कों इस्राइल पर हमले करते हैं। इसके जवाब में बौते दिनों इस्राइल ने भी लेबनान में हिजबुल्ला के ठिकानों पर बम बरसाए। इस्राइल के इन हमलों में लेबनान में भी कई बेगुनाह लोगों की मौत हुई।

वेनेजुएला में घुसकर राष्ट्रपति मादुरो को पकड़ने वाला सैनिक गिरफ्तार

वाशिंगटन डीसी, एप्रैल 27। अमेरिका की स्पेशल फोर्स से जुड़े एक सैनिक मास्टर सार्जेंट गैब्रियल केन वैन डाइक को गिरफ्तार किया गया है। आरोप है कि उसने वेनेजुएला के राष्ट्रपति निकोलस मादुरो को पकड़ने वाले ऑपरेशन पर सट्टा लगाया और इससे करीब 4.09 लाख डॉलर (करीब 4 करोड़ रुपए) कमा लिए।

डाइक अमेरिकी सेना के स्पेशल फोर्स (ग्रीन बैर) का हिस्सा है। इसी यूनिट ने वेनेजुएला जाकर निकोलस मादुरो को पकड़ा था। ऐसे में डाइक को पहले से वेनेजुएला में होने वाले सिक्रेट एक्शन की जानकारी थी। इसी जानकारी के आधार पर उसने दांव लगाया। उसके जीतने के बाद मिली रकम, भले ही गुप्तमान थी, लेकिन तुरंत ही जांच एजेंसियों के शक में आ गई। डाइक अमेरिकी सेना में मास्टर सार्जेंट के पद पर था। यह एक सीनियर पद होता है। ऐसे अधिकारी को रणनीतिक और तकनीकी मामलों का विशेषज्ञ माना जाता है और वह



यूनिट में अनुशासन और मानकों को बनाए रखने में अहम भूमिका निभाता है। जांच के मुताबिक, डाइक ने दिसंबर में आखिर में 'पॉलिमार्केट' नाम के प्लेटफॉर्म पर अकाउंट बनाया। यह एक एक्स प्लेटफॉर्म है जहां लोग भविष्य की घटनाओं पर दांव लगाते हैं। दिसंबर 2025 तक वेनेजुएला में घुसकर राष्ट्रपति मादुरो को तख्तापलट करने की घटना पर यकीन करने वाले लोग नहीं थे। डाइक ने

इससे मिलते-जुलते नतीजों पर कुल 13 बार 32 हजार डॉलर का दांव लगाया, जैसे कि मादुरो कब तक सत्ता से हटेंगे या अमेरिका वेनेजुएला में कब तक सैन्य कार्रवाई करेगा। यह एक जोखिम भरा दांव था, लेकिन ऑपरेशन की अंदरूनी जानकारी होने के कारण उसे भरोसा था कि यह सच साबित होगा। ऑपरेशन सफल होते ही उसका दांव सही साबित हुआ और उसे भारी मुनाफा हुआ।

छुपाने की कोशिश: क्रिटो के जरिए पैसे ट्रांसफर

रिपोर्ट्स के मुताबिक वैन डाइक ने अपनी पहचान छिपाने के लिए कई कदम उठाए। पहले उसने रकम को एक विदेशी क्रिटो वॉलेट में भेजा, फिर अपने निजी क्रिटो अकाउंट में डाला और बाद में एक नए क्रिप्टो अकाउंट में ट्रांसफर कर दिया। जब मादुरो को पकड़ने से जुड़ी संदिग्ध सट्टेबाजी की खबरें सामने आने लगीं, तो उसने अपना पॉलीमार्केट अकाउंट डिलीट करने की कोशिश की और झूठ बोला कि उसे अपने ईमेल का एक्सेस नहीं है। हालांकि तब तक जांच एजेंसियों की नजर उस पर पड़ गई थी। पॉलिमार्केट ने सोशल मीडिया पर कहा कि जब उन्हें पता चला कि कोई यूजर सिक्रेट सरकारी जानकारी के आधार पर ट्रेड कर रहा है, तो उन्होंने खुद यह मामला जस्टिस डिपार्टमेंट को सौंप दिया और जांच में सहयोग किया। कंपनी ने कहा कि इस तरह का अंदरूनी सट्टा उनकी नीति के खिलाफ है।

आईपीएल में आज होगा दिल्ली कैपिटल्स और रॉयल चैलेंजर्स के बीच मुकाबला

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली कैपिटल्स की टीम सोमवार को यहां अपने घरेलू मैदान अरुण जेटली स्टेडियम में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) का मुकाबला करेगी। इसमें दोनों ही टीमों के लिए पूरी ताकत लगा देगी। पिछले मैच में पंजाब किंग्स के खिलाफ हारने के कारण दिल्ली कैपिटल्स पर दबाव रहेगा और वह इस मैच में हर हाल में जीत चाहेगी। यह मुकाबला दोनों टीमों के लिए प्लेऑफ में अपनी जगह मजबूत करने के लिए बेहद महत्वपूर्ण होगा।

दिल्ली की सबसे बड़ी कमजोरी गेंदबाजी है जो उसे ठीक करनी होगी। टीम के बल्लेबाज लगातार अच्छे प्रदर्शन कर रहे हैं पर गेंदबाज बड़े स्कोर का बचाव भी नहीं कर पा रहे हैं। कप्तान अक्षर पटेल को अपने गेंदबाजों को और प्रेरित करना होगा। कुलदीप यादव, मुकेश कुमार और टी नटराजन जैसे खिलाड़ियों को अपनी जिम्मेदारी निभानी होगी और डेथ ओवरों में सटीक लाइन-लेंथ के साथ उतरना होगा ताकि टीम जीत की राह पर लौट सके।

वहीं बल्लेबाजी में दिल्ली का शीर्ष क्रम बेहद अच्छा है। केएल राहुल टीम को लगातार तेज शुरुआत दे रहे हैं, जिसमें पृथ्वी शां और पथुम निसांका भी आक्रामक अंदाज में रन बना रहे हैं। मध्यक्रम में नीतीश राणा और डेविड मिलर टीम को स्थिरता प्रदान करते हैं, जिससे टीम एक मजबूत स्कोर खड़ा करने में सक्षम होती है।

वहीं दूसरी ओर रजत पाटीदार की कप्तानी में आरसीबी इस सत्र की सबसे अच्छे टीमों में से एक के रूप में उभरी है। टीम के पास अनुभवी बल्लेबाज और प्रभावी गेंदबाज दोनों मौजूद हैं, जो उन्हें एक मजबूत संतुलित टीम बनाते हैं। उसके पास विराट कोहली, देवदत्त पडिक्कल जैसे बल्लेबाज हैं। गेंदबाजी में जोश हेजलवुड, भुवनेश्वर कुमार और सुयश शर्मा किसी भी बल्लेबाजी क्रम को रोकने में सक्षम हैं।

आंकड़ों पर नजर डालें तो दोनों के बीच अब तक 34 मुकाबले हुए हैं जिसमें आरसीबी ने 20 जबकि दिल्ली ने 13 जीते हैं। इस प्रकार आरसीबी का पलड़ा भारी है।



टीम इस प्रकार है

दिल्ली कैपिटल्स : अक्षर पटेल (कप्तान), केएल राहुल, करुण नाथ, डेविड मिलर, पथुम निसांका, पृथ्वी साव, अभिषेक शर्मा, विपराज निगम, अजय मंडल, नीतीश राणा, टी नटराजन, मुकेश कुमार, दुष्मंथा चमीरा, लुंगी एनगिडी, काइल जैमीसन, कुलदीप यादव।

रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु : रजत पाटीदार (कप्तान), विराट कोहली, टिम डेविड, जैकब तुषारा, देवदत्त पडिक्कल, जितेश शर्मा, ऋणाल पंड्या, रमिषा डार, भुवनेश्वर कुमार, जॉर्डन कांक्स, सुयश शर्मा, वेंकटेश अय्यर, स्वप्न सिंह, जैकब डफी, कनिष्क चौहान, अभिनंदन सिंह, मंगेश यादव, फिल साट्ट, साल्विक देसवाल, विक्री ओस्तवाल, विहान मल्होत्रा।

वैभव की बल्लेबाजी देखकर कर्मिस भी हैरान हुए



जयपुर (एजेंसी)। राजस्थान रॉयल्स की ओर से खेल रहे 15 साल के वैभव सूर्यवंशी आईपीएल के हर मैच के साथ ही निखरते जा रहे हैं। वैभव ने यहां के सवाई मानसिंह स्टेडियम में सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ 37 गेंद में 103 रनों की पारी खेली। ये वैभव का आईपीएल में इस सत्र का दूसरा शतक है। वैभव के इस शतक की सनराइजर्स हैदराबाद के कप्तान पैट कर्मिस ने भी सराहना की है।

वैभव ने जस प्रकाश से इस सत्र में जसप्रीत बुमराह और जोश हेजलवुड जैसे तेज गेंदबाजों को निशान बनाया। उसी प्रकार का व्यवहार उन्होंने कर्मिस की गेंदों पर भी आक्रामक शॉट लगाया। वैभव ने कर्मिस की पहली ही गेंद पर छक्का लगा दिया। वैभव के इस अंदाज से कर्मिस भी हैरान हुए बिना नहीं रहे।

उन्होंने वैभव की इस प्रकार की बल्लेबाजी की प्रशंसा करते हुए कहा कि इस वह अब उनके सबसे पसंदीदा खिलाड़ी बन गये हैं।

कर्मिस ने कहा, 'एक गेंदबाज के तौर पर आपको लगातार अच्छे गेंदबाजी करनी होती है क्योंकि अगर आप विफल रहे तो बड़ा शॉट लगना तय है। अब वैभव मेरा नया पसंदीदा खिलाड़ी बना गया है। वह अपने ही अंदाज में खेलता है।' वैभव अपनी इस पारी के साथ ही सूर्यवंशी थोड़ी देर के लिए ऑरेंज कैप की सूची में शीर्ष खिलाड़ियों में बने हुए हैं। वैभव के अब आठ मैच के बाद 35.7 रन हैं। वैभव ने सनराइजर्स के खिलाफ 36 गेंद में शतक लगाया। जो दूसरा सबसे तेज शतक है। इससे पहले उन्होंने गुजरात टाइटन्स के खिलाफ 35 गेंद में ही शतक लगाया था।

आईपीएल 2026: गुजरात ने सीएसके को 8 विकेट से हराया

चेन्नई (एजेंसी)। आईपीएल 2026 के 37वें मुकाबले में गुजरात टाइटन्स ने शानदार प्रदर्शन करते हुए चेन्नई सुपर किंग्स को 8 विकेट से हरा दिया। यह मुकाबला रविवार को चेन्नई के एमए चिदंबरम स्टेडियम में खेला गया। गुजरात ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी का फैसला किया और चेन्नई को 20 ओवर में 7 विकेट पर 158 रन तक सीमित रखा। जवाब में गुजरात ने 16.4 ओवर में 2 विकेट खोकर 162 रन बनाते हुए मैच अपने नाम कर लिया।

चेन्नई सुपर किंग्स की शुरुआत अच्छी नहीं रही। कप्तान ऋतुराज गायकवाड़ और संजू सैमसन ने पारी का आगाज किया, लेकिन संजू सैमसन सिर्फ 11 रन बनाकर आउट हो गए। इसके बाद उर्विल पटेल 4 रन बनाकर कागिसो रबाडा का शिकार बने, जबकि सरफराज खान खाता भी नहीं खोल सके। डेवाल्ड ब्रेविस भी सिर्फ 2 रन बनाकर प्रविलियन लौट गए। एक छोर पर ऋतुराज गायकवाड़ डटे रहे और उन्होंने शानदार नाबाद 74 रन बनाए, जिसकी बदौलत चेन्नई 158 रन तक पहुंच सकी।



पहुंच सकी।

159 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी गुजरात टाइटन्स की शुरुआत दमदार रही। कप्तान शुभमन गिल और साई सुदर्शन ने तेज शुरुआत दी। पहला विकेट 7वें ओवर में गिरा जब शुभमन गिल 33 रन बनाकर आउट हुए। इसके

बाद साई सुदर्शन ने मैच का रुख पूरी तरह गुजरात की ओर मोड़ दिया। उन्होंने सिर्फ 46 गेंदों में 87 रनों की शानदार पारी खेली, जिसमें चौको और छक्कों की बरसात देखने को मिली।

साई ने जोस बटलर के साथ अहम साझेदारी निभाई। हालांकि 17वें ओवर

में साई का विकेट गिर गया, लेकिन तब तक वह टीम को जीत के बेहद करीब पहुंचा चुके थे। बटलर ने भी उपयुगी 39 रन बनाए और गुजरात ने 20 गेंद शेष रहते मुकाबला 8 विकेट से जीत लिया।

साई ने जोस बटलर के साथ अहम साझेदारी निभाई। हालांकि 17वें ओवर

धोनी अपनी वापसी के लिए टीम में बदलाव नहीं चाहते



चेन्नई। इंडियन प्रीमियर लीग (सीएसके) टीम के पूर्व कप्तान महेंद्र सिंह धोनी पूरी तरह से फिट होने के बाद भी अभी टीम संयोजन में बदलाव नहीं चाहते हैं इसलिए वह अभी टीम में वापसी नहीं करना चाहते हैं। शुरुआत में सीएसके प्रबंधन ने कहा था कि धोनी कुछ हफ्तों में वापसी करेंगे। उनकी पिंडली की चोट को लेकर दो हफ्तों का समय दिया गया था पर धोनी अब तक मैदान पर नहीं लौटे हैं। टीम के बल्लेबाजी कोच माइकल हसी ने धोनी की फिटनेस को लेकर कहा था कि धोनी के लिए सबसे बड़ी चुनौती उनकी पिंडली की चोट है, खासकर रन लेते समय उन्हें परेशानी होती है। वहीं एक रिपोर्ट के अनुसार, धोनी पूरी तरह फिट हो गये हैं पर वह अपनी वापसी में देरी कर रहे हैं। धोनी ने टीम प्रबंधन को यह साफ कर दिया है कि केवल उन्हें ही नहीं शामिल करने के लिए संयोजन पर बदला जाए। यह भी साफ है कि सीएसके प्रबंधन पने उन्हें मैदान पर उतरने की कोई जल्दी नहीं है। मूसव्य कोच कोच स्टीफन प्लेमिंग ने कहा, वह अच्छी प्रगति कर रहे हैं। वह उबर रहे हैं और जो भी उनसे कहा जा रहा है, वह सब कर रहे हैं। अभी टीम के विकेटकीपर बल्लेबाज के तौर पर संजू सैमसन अच्छे प्रदर्शन कर रहे हैं और धोनी भी किसी युवा खिलाड़ी की जगह लेने के लिए तैयार नहीं दिखते।

एक ही दिन में तीन-तीन बल्लेबाजों को मिली ऑरेंज कैप

मुम्बई (एजेंसी)। आईपीएल के 19 वें सत्र में हर मुकाबले के बाद ऑरेंज कैप के दावेदारों में बदलाव आता रहा है पर शनिवार को एक ही दिन में तीन-तीन दावेदार सामने आ गये। दिन की शुरुआत में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के स्टार बल्लेबाज विराट कोहली 328 रनों के साथ पहले ऑरेंज कैप की सूची में शीर्ष पर थे पर कुछ ही देर में उनकी जगह पर अन्य दावेदार आ गये। वहीं कोहली पांचवें स्थान पर खिसक गये। इस प्रकार एक ही दिन में कुल तीन अलग-अलग खिलाड़ियों ने ऑरेंज कैप पर अपने नाम की पर अंत में सनराइजर्स के अभिषेक शर्मा शीर्ष पर आ गये। दिन का पहला मुकाबला दिल्ली कैपिटल्स और पंजाब किंग्स के बीच हुआ था। इस मैच के बाद दिल्ली



कैपिटल्स के सलामी बल्लेबाज केएल राहुल 152 रनों की नाबाद आक्रामक पारी खेलकर पहले नंबर पर पहुंच गये। इस शानदार पारी के बाद राहुल के नाम 7 पारियों में 59.50 की औसत और 187.89 के

स्ट्राइक रेट के साथ कुल 357 रन हो गए। राहुल अधिक देर तक टिके नहीं रह पाये। कुछ ही समय के बाद वैभव सूर्यवंशी ने सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ 103 रनों की आक्रामक पारी खेलकर ऑरेंज कैप

अपने नाम कर ली। कब्जा जमा लिया। उनकी इस पारी में 5 चौके और 12 छक्के शामिल थे। इससे वैभव सूर्यवंशी कुल 357 रनों पर पहुंच गये और राहुल से बेहतर स्ट्राइक रेट होने के कारण नंबर एक पर पहुंच गये। इसके बाद सनराइजर्स हैदराबाद के आक्रामक सलामी बल्लेबाज अभिषेक शर्मा ने अंत में ऑरेंज कैप की रस में नंबर एक स्थान हासिल कर लिया। राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ उन्होंने केवल 29 गेंदों पर 11 चौकों और एक छक्का लगाकर 57 रन बना लिए। इसी के साथ आईपीएल 2026 में उनके नाम सबसे अधिक 380 रन हो गए। वहीं इसी मैच में हेनरिक क्लासेन ने भी 29 रन बनाये और वह 34.9 रन पहुंचे जिसेस कोहली पांचवें नंबर पर खिसक गये।

पूर्व कोच ने किया खुलासा : केकेआर ने क्यों छोड़ा कप्तान श्रेयस अय्यर को?

नई दिल्ली (एजेंसी)। कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) द्वारा रिताब जीने वाले कप्तान श्रेयस अय्यर को रिलीज करने का फैसला लंबे समय से क्रिकेट जगत में चर्चा का विषय बना हुआ है। अब टीम के पूर्व कोच चंद्रकांत पंडित ने इस निर्णय के पीछे की वजहों पर खुलकर बात की है। पंडित ने स्पष्ट किया है कि अय्यर को टीम से रिलीज करना किसी व्यक्तिगत कारण से नहीं लिया गया फैसला था।

चंद्रकांत पंडित ने बताया, हम उनसे चुक श्रेयस एक शानदार खिलाड़ी हैं और

उन्होंने कप्तान के तौर पर टीम को खिताब जिताना। लेकिन कई बार परिस्थितियां और टीम की रणनीति ऐसे फैसले लेने पर मजबूर कर देती हैं। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि यह कोई जानबूझकर किया गया फैसला नहीं था, बल्कि चीजे टीम की उम्मीदों के मुताबिक नहीं चलीं। पंडित ने आगे कहा कि टीम चयन में कई पहलुओं को ध्यान में रखना पड़ता है, और कभी-कभी बड़े और कठिन निर्णय लेने पड़ते हैं, जो बाहर से देखने पर अलग लगते हैं। उन्होंने फिल सॉल्ट जैसे अन्य खिलाड़ियों का भी उदाहरण दिया, जिन्हें टीम में जगह नहीं

मिल पाई, जबकि वे भी बेहतरीन खिलाड़ी हैं। पंडित ने कहा कि टीम सभी खिलाड़ियों की सराहना करती है। केकेआर से रिलीज होने के बाद, पंजाब किंग्स ने श्रेयस अय्यर को 26.75 करोड़ रुपये में खरीदा। उनकी कप्तानी में टीम ने आईपीएल 2025 का फाइनल खेला और आईपीएल 2026 में लगातार शानदार प्रदर्शन कर रही है, जिससे उनके नेतृत्व कोशल और बल्लेबाजी क्षमता की फिर से पुष्टि हुई है। पंडित ने अय्यर के भारतीय टीम में चयन पर भी अपना बयान दिया। उन्होंने कहा, भारत में प्रतिभा की कोई कमी नहीं है।

टीम बनते समय अनुभव और युवा खिलाड़ियों के बीच संतुलन बनाना होता है। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि हर खिलाड़ी को मौका देना आसान नहीं होता, क्योंकि कई बार एक ही स्थान के लिए बराबरी के कई प्रतिभाशाली खिलाड़ी उभरकर होते हैं। हालांकि, पंडित ने अय्यर की वापसी पर पूरा भरोसा जताया। उन्होंने कहा, उनकी मौजूदा फॉर्म और आत्मविश्वास दिखाता है कि वह वापसी के लिए पूरी तरह तैयार हैं। वह खेल को जीतने के इरादे से खेलते हैं और यही उनकी सबसे बड़ी ताकत है।

बैडमिंटन में नए स्कोरिंग सिस्टम को मंजूरी, बीडब्ल्यूएफने की घोषणा

हॉर्सेस (डेनमार्क) (एजेंसी)। बैडमिंटन वर्ल्ड फेडरेशन (BWF) के सदस्यों ने 3315 स्कोरिंग सिस्टम को अपनाने की मंजूरी दे दी है। खेल की विश्व शांसी संस्था ने घोषणा की कि यह नया फॉर्मेट 4 जनवरी 2027 से लागू होगा। BWF ने एक प्रेस रिलीज में बताया कि यह प्रस्ताव डेनमार्क में आयोजित BWF की 87वीं वार्षिक आम बैठक में खले गए वोटों के लिए जरूरी दो-तिहाई बहुमत से पारित किया गया।

BWF की अध्यक्ष खुनयिंग पटामा लीस्वाइट्स्कूल ने कहा कि यह फैसला बैडमिंटन के भविष्य के लिए एक अहम मौल का पथर है। उन्होंने कहा, 'हम एक ऐसा खेल तैयार कर रहे हैं जो आली पौके से जुड़ा हो, और साथ ही हम अपने खिलाड़ियों के लंबे समय के भविष्य में

निवेश करना जारी रखेंगे।' BWF के अनुसार 3315 स्कोरिंग सिस्टम का मकसद बैडमिंटन को और ज्यादा रोमांचक और प्रतिस्पर्धी बनाना, मैच के समय को बेहतर बनाना, मैच की अवधि को ज्यादा एक जैसा रखना, और खिलाड़ियों की थलाई और रिकवरी के लिए संभावित फायदे लाना है।

लीस्वाइट्स्कूल ने कहा कि इस फॉर्मेट का मकसद मैचों में शुरू में ही ज्यादा दबाव वाले पल लाकर, स्कोर को और ज्यादा करीबी और मैच के अंत को और ज्यादा नाटकीय बनाना है, जिससे प्रशंसक पहली रैली से लेकर आखिरी रैली तक खेल से जुड़े रहें। फेडरेशन में बताया कि यह फैसला ज्यादा के सदस्यों और हितधारकों के साथ लंबे समय तक चले परीक्षण, विश्लेषण और परामर्श की प्रक्रिया के बाद लिया गया है। जो भी टीम

कैसे काम करेगा 3315 स्कोरिंग सिस्टम

यह फैसला पिछले दो दशकों में बैडमिंटन में स्कोरिंग से जुड़ा सबसे बड़ा सुधार है। नए 3315 स्कोरिंग सिस्टम के तहत, मैच अभी भी तीन गेमों में से सर्वश्रेष्ठ के आधार पर खेले जाएंगे। हर गेम वह पक्ष जीतता जो सबसे पहले 15 अंकों तक पहुंचता है, बशर्ते उसके पास दो अंकों की बढ़त हो।

मौजूदा स्कोरिंग सिस्टम के तहत बैडमिंटन मैच आम तौर पर तीन गेमों में से सर्वश्रेष्ठ के आधार पर खेले जाते हैं। हर गेम वह पक्ष जीतता है जो सबसे पहले 15 अंकों तक पहुंचता है, बशर्ते उसके पास दो अंकों की बढ़त हो; हालांकि, अगर स्कोर 29-29 पर पहुंच जाता है, तो 30वां अंक बनाने वाला पक्ष गेम जीत जाता है। जो भी टीम



रैली जीती है, उसे एक पॉइंट मिलता है- चाहे सर्विस किसी भी टीम ने की हो। मौजूदा 3321 रैली-पॉइंट स्कोरिंग सिस्टम 2006 में शुरू किया

गया था। इसने पहले के 15-पॉइंट वाले फॉर्मेट की जगह ली, जिसमें पॉइंट सिर्फ सर्विस करने वाली टीम को ही मिलते थे।

केएल राहुल का ऐतिहासिक शतक: आईपीएल में सबसे बड़ी भारतीय पारी का रिकॉर्ड



नई दिल्ली (एजेंसी)। आईपीएल 2026 के 35वें मुकाबले में शनिवार को अरुण जेटली क्रिकेट स्टेडियम एक ऐतिहासिक पल का गवाह बना, जब दिल्ली कैपिटल्स के सलामी बल्लेबाज केएल राहुल ने पंजाब किंग्स के खिलाफ विस्फोटक बल्लेबाजी करते हुए कई रिकॉर्ड ध्वस्त कर दिए। राहुल ने मात्र 67 गेंदों पर 16 चौकों और 9 गगनचुंबी छक्कों की मदद से 152 रनों की अविश्वसनीय पारी खेली, जिससे वह आईपीएल इतिहास में सबसे बड़ी व्यक्तिगत पारी खेलने वाले भारतीय बल्लेबाज बन गए हैं। उन्होंने यह उपलब्धि हासिल करते हुए अभिषेक शर्मा के पिछले साल के 141 रनों के रिकॉर्ड को तोड़ दिया। इतना ही नहीं, राहुल अब दिल्ली कैपिटल्स की ओर से भी आईपीएल में सर्वोच्च व्यक्तिगत स्कोर बनाने वाले खिलाड़ी बन गए हैं, जिन्होंने ऋषभ पंत के 2018 में बनाए गए 128 रनों के रिकॉर्ड को पीछे छोड़ दिया।

राहुल की यह पारी आईपीएल इतिहास की तीसरी सबसे बड़ी पारी है।

उसने पहले केवल वेस्टइंडीज के क्रिस गेल (नाबाद 175) और न्यूजीलैंड के ब्रैंडन मैककुलम (नाबाद 158) ही 150 से अधिक रनों की पारी खेल पाए हैं, जिससे राहुल इस विशिष्ट सूची में शामिल होने वाले महज तीसरे बल्लेबाज बन गए हैं। राहुल ने अपनी इस शानदार पारी में नीतीश राणा के साथ मिलकर दूसरे विकेट के लिए मात्र 95 गेंदों में 220 रनों की एक यादगार साझेदारी निभाई। यह साझेदारी आईपीएल इतिहास की दूसरी सबसे बड़ी साझेदारी भी है, जिसने पंजाब किंग्स के गेंदबाजों को बेवस कर दिया और उन्हें कोई मौका नहीं दिया। नीतीश राणा भी बेहतरीन लय में दिखाई दिए और उन्होंने 44 गेंदों में 11 चौकों और 4 छक्कों की मदद से ताबड़तोड़ 91 रनों की पारी खेलकर राहुल का बखूबी साथ दिया। राहुल और राणा के इस आक्रामक प्रदर्शन की बदौलत दिल्ली कैपिटल्स ने निर्धारित 20 ओवरों में केवल 2 विकेट खोकर 264 रनों का विशाल स्कोर खड़ा किया।

वैभव टी20 क्रिकेट में सबसे तेजी से 1000 रन बनाने वाले खिलाड़ी बने

जयपुर। राजस्थान रॉयल्स के युवा सलामी बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी ने सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ मुकाबले में शतक लगाने के साथ ही टी20 में सबसे तेजी से 1000 रन बनाने का रिकॉर्ड अपने नाम कर लिया है। अब तक ये रिकॉर्ड मिचेल ओवन के नाम था। वैभव ने 473 गेंदों का सामना करते हुए अपने 1000 रन पूरे किये जबकि ओवन ने 533 गेंदों में 1000 रन बनाये थे। इस दौरान उनका स्ट्राइक रेट 200 से कहीं अधिक रहा है। सबसे अधिक तेजी से 1000 रन बनाने के मामले में तीसरे स्थान पर ऑस्ट्रेलिया के पूर्व क्रिकेटर एंड्रयू साइमंड्स हैं। उन्होंने 558 गेंदों पर 1000 रन बनाये थे। हैदराबाद के खिलाफ खेले गए अपनी ऐतिहासिक पारी में, वैभव ने केवल 36 गेंदों पर ही शतक पूरा किया। वैभव का टी20 करियर अब तक बेहद शानदार रहा है। परेल्, अंतरराष्ट्रीय और आईपीएल सहित कुल 216 टी20 मुकाबलों में, उन्होंने 42.32 की प्रभावशाली औसत और 213.73 के स्ट्राइक रेट से अब तक कुल 1058 रन बनाए हैं। इस दौरान उनके नाम चार शतक दर्ज हैं। वहीं उनके नाम 94 छक्के भी हैं। साथ जल्द ही 100 छक्कों का आंकड़ा पार करने के करीब हैं। आईपीएल में भी उन्होंने अपनी छाप छोड़ी है, जहां 15 मैचों में 40.60 की औसत और 222.26 के विस्फोटक स्ट्राइक रेट से कुल 609 रन बनाए हैं, जिसमें दो शतक और तीन अर्धशतक शामिल हैं।

कार्लोस अल्काराज़ को बड़ा झटका : चोट के चलते फेंच ओपन से बाहर



नई दिल्ली। स्पेन के स्टार टेनिस खिलाड़ी कार्लोस अल्काराज़ को एक बड़ा झटका लगा है। कलाडी की चोट के कारण वे अगले महीने होने वाले फेंच ओपन से बाहर हो गए हैं, जिससे उनका लगातार तीसरा खिताब जीतने का सपना टूट गया है। यह चोट उन्हें पिछले हफ्ते बार्सिलोना ओपन के दौरान दाहिने हाथ की कलाई में लगी थी। प्रारंभिक जांच के बाद डॉक्टरों ने उन्हें आराम की सलाह दी, जिसके बाद उन्होंने न केवल फेंच ओपन, बल्कि इटालियन ओपन से भी हटने का मुश्किल फैसला लिया है। दोनों ही टूर्नामेंट बले कोर्ट पर खेले जाते हैं, जो अल्काराज़ का पसंदीदा सर्फस माना जाता है और जहां वे आमतौर पर शानदार प्रदर्शन करते रहे हैं। अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर अल्काराज़ ने इस दुखद खबर की पुष्टि की। उन्होंने लिखा, आज हुरु टेस्ट के बाद हमने साहचारी बरतने का फैसला किया है। इसलिए, जब तक हम मेरी स्थिति का पूरी तरह से आकलन नहीं कर लेते, मैं रोम और रोलांग गेरौस में हिस्सा नहीं लूंगा। उन्होंने आगे कहा, यह मेरे लिए बेहद मुश्किल समय है, लेकिन मुझे पूरा भरोसा है कि मैं और अधिक मजबूती के साथ वापसी करूंगा। यह बयान उनकी निराशा और दृढ़ संकल्प दोनों को दर्शाता है, लेकिन प्रशंसकों के लिए यह खबर किसी झटके से कम नहीं है। 22 वर्षीय अल्काराज़ इस साल शानदार फॉर्म में थे। उन्होंने साल की शुरुआत ऑस्ट्रेलियन ओपन जीतकर की थी, जिससे वे करियर ग्रैंड स्लैम पूरा करने वाले सबसे कम उम्र के खिलाड़ी बन गए थे। उनकी इस चोट ने उनके बेहतरीन प्रदर्शन पर अस्थायी रूप से विराम लगा दिया है। हाल ही में उन्होंने विश्व नंबर-1 की रैंकिंग जैकन सिनर से गांवी थी। अल लंबे समय तक कोर्ट से दूर रहने से उनकी रैंकिंग पर और असर पड़ने की आशंका है। जैकन सिनर ने अल्काराज़ की चोट पर चिंता व्यक्त करते हुए कहा, यह बहुत दुखद खबर है। इतनी कम उम्र में हमें अपने शरीर का ख्याल रखना बेहद जरूरी है। उम्मीद है कि वे जल्द वापसी करेंगे और हम एक बार फिर शानदार मुकाबले देख पाएंगे। इस चोट से फेंच ओपन की रौनक कुछ फीकी जरूर पड़ गई है, लेकिन टेनिस जगत को उनके शीघ्र स्वस्थ होने की उम्मीद है।

एनगिडी अब पहले से बेहतर, जल्द वापसी करेंगे : वेणुगोपाल

नई दिल्ली। पंजाब किंग्स के खिलाफ (आईपीएल) में चोटिल हुए दिल्ली कैपिटल्स के तेज गेंदबाज लुंगी एनगिडी अब ठीक हैं और उनके शीघ्र ही लीग में वापसी करने की संभावना है। एनगिडी को फील्डिंग करते समय सिर में गंभीर चोट लग गई थी। पंजाब के बल्लेबाज गियांश आर्य का केच पकड़ने के प्रयास में पीछे गिर गए और उनका सिर जमीन से टकरा गया था, जिसके बाद उन्हें तत्काल एंबुलेंस से मैक्स अस्पताल ले जाया गया। इस घटना के कारण खेल लगभग 15 मिनट तक रुका रहा। वहीं अब कैपिटल्स के क्रिकेट निदेशक वेणुगोपाल रण ने बताया है कि एनगिडी की चोट गंभीर नहीं है। उन्होंने कहा कि वह अभी भी अस्पताल में हैं हालांकि उम्मीद है कि वह जल्द ही ठीक होकर लीग में वापस कर सकेंगे हैं। राव ने खिलाड़ियों की सुरक्षा को सबसे महत्वपूर्ण बताया। वहीं कप्तान सल्वेट्टेयूशन को लेकर वेणुगोपाल ने कहा है कि नियमों के अनुसार सिर्फ चार विदेशी खिलाड़ी ही खेल सकते हैं, इसलिए दुष्मंथा चमीरा की जगह विपराज निगम को लाया गया। पंजाब किंग्स के लेग स्पिनर युजवेंद्र वहल सिर की चोट खिलाड़ियों ने एनगिडी के जल्द ठीक होने की कामना करते कहा था कि सिर की चोट कई बार खतरनाक बन जाती है।



अफेयर की चर्चाओं के बीच धनुष की फिल्म में मुख्य भूमिका निभाएंगी मृणाल!

पिछले साल मृणाल ठाकुर और धनुष के रिश्ते को लेकर तमाम तरह की चर्चाएं चल रही थीं। यहां तक कि दोनों की शादी तक की अफवाहें बी-टाउन की गलियों में फैली थीं। हालांकि, मृणाल ने कई बार इन अफवाहों बतकर खारिज किया। अब एक बार फिर मृणाल और धनुष चर्चाओं में हैं, लेकिन इस बार वजह पर्सनल नहीं बल्कि प्रोफेशनल है। चर्चाएं हैं कि मृणाल ठाकुर धनुष के निर्देशन में बनने वाली फिल्म में प्रमुख भूमिका में नजर आ सकती हैं।

धनुष करेंगे फिल्म का निर्देशन

इंडिया टुडे में छपी एक खबर के मुताबिक, एक महिला प्रधान फिल्म पर काम चल रहा है और मृणाल ठाकुर को मुख्य भूमिका के लिए चुना जा रहा है। बताया जा रहा है कि इस प्रोजेक्ट में महिला मुख्य कलाकार के लिए एक महत्वपूर्ण भूमिका होगी और बातचीत अंतिम चरण में है। रिपोर्ट के मुताबिक, कुछ अन्य खबरों के अनुसार, धनुष इस फिल्म का निर्देशन कर सकते हैं, जो 1960 या 1970 के दशक पर आधारित एक पीरियड ड्रामा फिल्म होगी। आधिकारिक घोषणा जल्द ही होने की उम्मीद है। हालांकि, अभी तक मेकर्स की ओर से कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है।

उड़ी थीं मृणाल और धनुष के अफेयर की खबरें

धनुष और मृणाल ठाकुर के बारे में अफवाहें पिछले साल अगस्त 2025 से फैलनी शुरू हुई थीं। जब दोनों को मृणाल की फिल्म 'सन ऑफ सरदार 2' के प्रीमियर पर एक साथ देखा गया। इससे पहले धनुष की फिल्म 'तेरे इश्क में' की रीप पार्टी में भी मृणाल ठाकुर की मौजूदगी ने सबका



इस फिल्म में नजर आएंगे धनुष

वर्कफ्रंट की बात करें तो मृणाल हाल ही में आदिवी शेष के साथ फिल्म 'डकैट' में नजर आईं। इस एक्शन रोमांटिक ड्रामा को मिली-जुली समीक्षाएं मिलीं और बॉक्स ऑफिस पर इसकी शुरुआत धीमी रही। वहीं धनुष अपनी अगली फिल्म 'कारा' की तैयारी में जुटे हैं, जो 1991 के खाड़ी युद्ध की पृष्ठभूमि पर आधारित है। हाल ही में फिल्म का ट्रेलर रिलीज किया गया है। यह फिल्म 30 अप्रैल को सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है।



जैकी भगनानी न रकुल प्रीत सिंह से शादी के कारणों आपसी बॉन्डिंग को लेकर बात की

रकुल प्रीत सिंह और जैकी भगनानी बी-टाउन के वयुक्त कपल में से एक हैं। दोनों अक्सर साथ में कपल गोल देते रहते हैं। हाल ही में जैकी भगनानी ने अपने रिश्ते को लेकर बात की। उन्होंने कहा कि शादी के बावजूद वह अपने रिश्ते को सिचुएशनशिप की तरह मानते हैं। साथ ही जैकी ने आपसी बॉन्डिंग को लेकर भी बात की। हाल ही में जैकी भगनानी और रकुल प्रीत सिंह ने शादी के कारणों और अपने रिश्ते में आए बदलावों के बारे में बात की। जैकी ने बताया कि हमने एक-दूसरे से कहा कि अब हम 20-21 साल के नहीं हैं। हम दोनों ने जीवन में कई उतार-चढ़ाव देखे हैं। मैं

व्यक्तिगत रूप से खुशामिजाज इंसान हूँ। मैं किसी ऐसे व्यक्ति की तलाश नहीं कर रहा जो मेरे जीवन की कमी को पूरा कर सके, क्योंकि अगर मैं उदास रहूँगा, तो चाहे कोई भी मेरे जीवन में आए, मैं उदास ही रहूँगा। तुम भी व्यक्तिगत रूप से खुश हो। साथ में हम और भी खुश हैं। इस पर रकुल ने कहा कि वे एक-दूसरे के जीवन की कमी को पूरा कर रहे हैं। ऐसा नहीं है कि तुम मुझे छुड़ी पर नहीं ले गए, इसलिए मैं दुखी हूँ। मैं अकेले भी छुड़ी पर जा सकती हूँ। मुझे लगता है कि जीवन में बात करने के लिए और भी महत्वपूर्ण बातें हैं।



इस दौरान जैकी ने कहा कि रकुल और मैं शादीशुदा हैं, लेकिन हमारा रिश्ता एक तरह का सिचुएशनशिप है। इसका मतलब है कि हम एक-दूसरे के लिए ही बने हैं, क्योंकि शादी इसी वजह से हुई है। लेकिन सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि मैं उससे हर बात खुलकर कह सकता हूँ। अगर रकुल के आस-पास होने पर मेरी कोई एक्स गलतफ़हमी मुझे फोन करती है, तो मैं स्प्रीकरफोन पर बात करने में जरा भी संकोच नहीं करता। यह जताते हुए कि मैं अपनी पत्नी से कुछ भी नहीं छिपाता। मैं कुछ भी नहीं छिपाता, इसलिए मुझे घुटन महसूस नहीं होती।

एक्टिंग नहीं छोड़ रहे हैं करण वाही

टीवी से वेब सीरीज का सफर तय करने वाले अभिनेता करण वाही 'रीमिक्स', 'दिल मिल गए', 'नेवर किस थोर बेस्ट फ्रेंड' (सीजन 2) और 'चन्ना मेरेया' जैसे कई शो में अभिनय करने के बाद घर-घर में मशहूर हो गए। हाल ही में उन्होंने अपने आध्यात्मिक सफर और जीवन में कुछ देर बाद अपने विश्वासों तक पहुंचने के बारे में खुलकर बात की। सोशल मीडिया पर उनके ये बयान वायरल होने के बाद कई लोगों ने कयास लगाए कि करण अभिनय पूरी तरह छोड़ने वाले हैं। चर्चाओं के बढ़ने के बाद अब अभिनेता ने इसके पीछे की सच्चाई बताई है। करण वाही ने अपने इंस्टाग्राम स्टोरी पर एक पोस्ट का जवाब दिया, जिसे बाद में हटा दिया गया था। उस पोस्ट में कहा गया था कि अभिनेता ने आध्यात्मिकता पर ध्यान केंद्रित करने के लिए अभिनय से दूरी बनाने का फैसला किया है। इस पोस्ट को स्टोरी पर साझा करते हुए करण ने कैप्शन में लिखा, 'आध्यात्मिक होने का मतलब यह नहीं है कि मुझे अपना काम छोड़ना होगा। कृपया वायरल होने के लिए अफवाहें न फैलाएं। संबंधित व्यक्ति से अनुरोध है कि इस पोस्ट को हटा दें और झूठ न फैलाएं। धन्यवाद।' वर्कफ्रंट की बात करें तो करण वाही को हाल ही में सोनी लिव पर स्ट्रीम करने वाली रोमांटिक थ्रिलर सीरीज 'रायसिंघानी वर्सेस रायसिंघानी' (2024) में देखा गया था।

घर और परिवार से दूर रहने की वजह से मैं अकेलापन महसूस करने लगी थी

साउथ फिल्म इंडस्ट्री की चर्चित अभिनेत्री मालविका मोहनन अक्सर अपनी फिल्मों और ग्लेमरस अंदाज को लेकर चर्चा में रहती हैं। लेकिन, चमकती दुनिया के पीछे कलाकारों की जिंदगी में कई बार ऐसा अकेलापन भी होता है, जिसके बारे में लोग कम ही जानते हैं। हाल ही में मालविका ने अपने दिल की बात फैंस के साथ साझा की और बताया कि एक समय ऐसा आया था, जब वह अंदर से काफी टूट गई थीं। उन्होंने बताया कि परिवार और अपनों से दूर रहने की वजह से वह खुद को बेहद अकेला महसूस करने लगी थीं। दरअसल, मालविका मोहनन ने इंस्टाग्राम पर फैंस के साथ 'आरक मी एनीथिंग' सेशन रखा था। इस दौरान फैंस ने उनसे कई निजी और प्रोफेशनल सवाल पूछे। इसी बीच एक फैन ने उनसे पूछा कि वह अखिरी बार कब रोई थीं? इस सवाल का जवाब देते हुए मालविका ने कहा, 'पिछले महीने मैं काम के सिलसिले में चेन्नई में थीं। वहां मुझे लंबे समय तक रुकना पड़ा था। मेरी टीम बहुत अच्छी थी और काम भी ठीक चल रहा था, लेकिन लंबे समय तक घर और परिवार से दूर रहने की वजह से मैं धीरे-धीरे अकेलापन महसूस करने लगी थी।'

उन्होंने कहा, 'दिनभर शूटिंग और काम में व्यस्त रहने के बाद जब मैं रात में अपने होटल के कमरे में लौटती थीं, तो वहां मुझसे बात करने वाला कोई नहीं होता था। यही चीज मुझे अंदर से परेशान करने लगी। मैं मानसिक रूप से काफी उदास थी। लगातार अकेले रहने का असर मेरे मन पर पड़ने लगा था, जिसके वजह से मुझे रोना आता था।' अपने निजी अनुभव साझा करने के साथ-साथ मालविका ने अपने आने वाले प्रोजेक्ट्स के बारे में भी बात की। उन्होंने बताया कि वह इस समय अभिनेता विजय सेतुपति के साथ एक तमिल फिल्म में काम कर रही हैं। इस फिल्म का निर्देशन त्यागराजन कुमार राजा कर रहे हैं। मालविका ने निर्देशक की तारीफ करते हुए कहा कि वह सबसे बेहतरीन फिल्म निर्माताओं में से एक हैं। मालविका ने बताया कि इस फिल्म का नाम 'पॉकेट नोवेल' है और यह इसी साल रिलीज होने वाली है। उन्होंने कहा, 'इस प्रोजेक्ट को लेकर मैं बेहद उत्साहित हूँ और उम्मीद करती हूँ कि दर्शकों को यह फिल्म जरूर पसंद आएगी। इस फिल्म पर काम करना मेरे लिए खास अनुभव रहा है।'



अपना काम ईमानदारी से करना ही हीरोइज़म है



थिएटर की दुनिया से मनोरंजन जगत में आए विजय वर्मा के लिए एक्टिंग की राह बिलकुल भी आसान नहीं थी। अपने हिस्से का संघर्ष तो उन्हें भी करना ही पड़ा। छोटी-छोटी भूमिकाओं के बाद जब उन्हें मेन रोल मिले, तो उन्होंने अपनी एक्टिंग और साइको किलर हो या 'गुस्ताख इश्क' का शायर आशिक, विजय अपनी भूमिकाओं को यादगार बनाते चले गए हैं। 'गली बॉय' के विजय आज मेकर्स की पसंद बन चुके हैं। इन दिनों वह

चर्चा में हैं अपनी नई सीरीज 'मटका किंग' से। हाल ही में सोशल मीडिया पर विजय वर्मा की शादी को लेकर एक बार फिर चर्चा होने लगी है। हमने उनसे पूछा कि सलमान खान के बाद अब आपकी शादी की फिक्र कर रहे हैं लोग। आपकी मम्मी भी आपके पास आई हुई हैं, क्या शादी को लेकर पारिवारिक दबाव है? इस पर वह हंस देते हैं और कहते हैं, 'बिलकुल। मेरी मम्मी भी शादी को लेकर मेरे पीछे पड़ी रहती हैं, मगर अब वह बोल-बोल कर थक चुकी हैं। अब ज्यादा बोलती नहीं। जहां तक सलमान साहब की बात है, तो जब वह शादी कर लेंगे, तो मैं उसके बाद कर लूंगा।' सीरीज हो या फिल्में आज नायक की परिभाषा बदल गई है। विजय वर्मा जैसे कलाकारों ने अपनी अभिनय अदायगी से अपने किरदारों के जरिए अपनी पहचान बनाई है। हीरोइज़म को परिभाषित करते हुए वह कहते हैं, 'मेरे लिए हीरोइज़म वो है, जो खुद के हित के लिए नहीं बल्कि बड़े हित के लिए काम करे। जैसे मेरे अलावा किसी और का भी भला हो। मैं मानता हूँ कि अपना काम भी ईमानदारी से करना भी

हीरोइज़म है। जैसे मेरी जब फुटबॉल खेल रहा होता है, तो पूरी दुनिया उसके लिए गायब हो जाती है और उसका पूरा ध्यान अपने खेल में होता है। जिस नशे और पागलपन से वह अपनी बॉल को गोल तक ले जाता है, वह भी तो एक तरह का हीरोइज़म है।'

कट्टरपंथी हवा से लोग दबा-कुचला महसूस करते हैं

विजय मानते हैं कि कट्टरपंथ के कारण लोग प्रभावित हो रहे हैं। वह कहते हैं, 'मुझे नहीं लगता इंडस्ट्री में टॉक्सिसिटी है। मगर हां इन दिनों एक एंटी वोक (कट्टरपंथी) सेटिमेंट खूब चल रहा है। इसके कारण लोग बहुत ही दबा-कुचला हुआ महसूस कर रहे हैं कि क्या बोलें, क्या करें और क्या न करें? क्या सोचें, क्या न सोचें? उसका एक प्रतिशोध मैं महसूस कर रहा हूँ न सिर्फ इंडिया में बल्कि पूरी दुनिया में। दूसरे देश में एक ऐसे लीडर भी बैठे हैं, जो इसे रीप्रिजेंट भी करते हैं। मुझे लगता है, समाज में जो चल रहा है, उसी का रिप्लेक्शन आपको फिल्मों मिलेगा।'

इंडस्ट्री में अनिश्चितता है टॉक्सिसिटी नहीं

हाल ही में एक अवॉर्ड शो में एक जाने-माने स्टैंड-अप कॉमेडियन ने अपने 'धुरंधर' जोक से इंडस्ट्री की भीतरी ईर्ष्या पर तंज किया। पिछले दिनों भी इंडस्ट्री में टॉक्सिसिटी को लेकर खूब बहस चली। अनुराग कश्यप जैसे निर्देशक तो मुंबई से शिफ्ट ही हो गए। इस मुद्दे पर विजय कहते हैं, 'मुझे लगता है अनसर्टिनिटी है, डर है कि क्या चलेगा क्या नहीं क्योंकि स्टैक्स बढ़ गए हैं। मुझे याद है एक समय में तीन-चार करोड़ में स्मॉल बजट फिल्म बन जाती थी। आज की तारीख में मैं जब प्रोड्यूसर से बात करता हूँ, तो छोटे बजट की फिल्मों की बात 15-20 करोड़ तक जाती है। अब इसमें मार्केटिंग और पीएनए को जोड़ दिया जाए, तो फिल्म का बजट 30-35 करोड़ तक चला जाता है। आज फिल्म निर्माण का गणित अचानक से बदल गया है। उस हिसाब से कुछ कॉन्सेप्ट्स ऐसे हैं नहीं, जिन पर इतना खर्च किया जाए, पर करना पड़ रहा है। कुछ सबजेक्ट्स ऐसे हैं, जिन पर काफी खर्च करना पड़ेगा, मगर उनकी रिकवरी की गारंटी नहीं है। इन मुद्दों के कारण अनिश्चितता बढ़ जाती है।'



बोर्ड की परीक्षा के आखिरी दिनों में रिवीजन के लिए अपनाएं ये टिप्स

सीबीएसई की 10वीं और 12वीं परीक्षा 2022 का शेड्यूल जारी हो गया है और 26 अप्रैल से परीक्षाएं शुरू होंगी। परीक्षा के लिए छात्रों के पास एक महीने से भी कम का समय बचा है और छात्रों ने तैयारी को सम-अप कर लिया है। चाहे कितनी भी तैयारी हो छात्र अक्सर टेंशन में आ जाते हैं और उनकी तैयारी में गड़बड़ हो ही जाती है। इसके लिए आवश्यक है बेहतर रिवीजन टिप्स और स्ट्रेटेजी की। आइए जानते हैं कि छात्र किन टिप्स की मदद से आखिरी समय में छात्र रिवीजन कर सकते हैं जिससे उन्हें बेहतर अंक प्राप्त होंगे।

सभी विषयों को समय दें

रिवीजन करते समय प्रत्येक विषय के लिए समय निकालने का अर्थ है कि आप सभी विषयों पर ध्यान दे रहे हैं। छात्र हर दिन हर विषय के लिए एक चैप्टर या एक दिन में एक विषय के सभी चैप्टर को रिविज करके समय को विभाजित कर सकते हैं। हर विषय का एक चैप्टर रोज रिविज करना बेहतर हो सकता है क्योंकि यह आपको बोर नहीं होने देगा। आप उन विषयों के साथ भी रिवीजन शुरू कर सकते हैं जिनमें आप पहले से ही अच्छे हैं। यह आपके आत्मविश्वास को बढ़ाने में मदद करेगा और आपको अन्य विषयों के लिए बेहतर तैयारी करने में भी मदद करेगा।

महत्वपूर्ण विषयों को अच्छी तरह से रिविज करके हालांकि आपको पूरे सिलेबस को रिविज करना होगा लेकिन महत्वपूर्ण विषयों को बार-बार रिविज करना बेहद जरूरी है। महत्वपूर्ण विषयों में वे भाग शामिल हैं जिनमें अंकों का वेटेज ज्यादा है।

पुराने पेपर और सैंपल पेपर की प्रैक्टिस करें सब कुछ जानना और परीक्षा में न लिख पाना एक आम समस्या है जिसका सामना कई छात्रों को करना पड़ता है। लेकिन इस समस्या से लड़ने के लिए छात्र हर हफ्ते कुछ पुराने प्रश्न पत्र या सैंपल पेपर को हल करना शुरू कर सकते हैं। जब आप परीक्षा के दिन उपस्थित होते हैं तो यह आपको टाइम मैनेजमेंट करने में भी मदद करता है।

पढ़ाई के दौरान छोटे-छोटे ब्रेक लें

जब परीक्षा नजदीक हो तो छात्र घंटों पढ़ाई करते हैं और ब्रेक लेना भूल जाते हैं। जिसके कारण छात्रों के बीच टेंशन और चिड़चिड़ापन जन्म ले लेता है। पढ़ाई जरूरी है लेकिन बीच-बीच में ब्रेक लेना भी उतना ही जरूरी है। लंच या डिनर करने समय आप कुछ सिटकोम का एक छोटा एपिसोड देख सकते हैं। कभी-कभी बीच में झपकी लेने से भी आप ऊर्जावान महसूस कर सकते हैं और अपने दिमाग को तरोताजा कर सकते हैं।



इन टिप्स की मदद से वलीयर कर पाएंगे एनडीए एजाम

भारतीय सेना में भर्ती होने के लिए यूपीएससी नेशनल डिफेंस एकेडमी की परीक्षा आयोजित करने वाली है। परीक्षा में दो सेक्शन यानी मैथ्स और जनरल एबिलिटी टेस्ट से प्रश्न पूछे जाएंगे। जीएटी में 150 प्रश्न हैं, जिसमें अंग्रेजी के लिए 50 प्रश्न और सामान्य विज्ञान, भूगोल, इतिहास और राजनीति से संबंधित सामान्य ज्ञान के लिए 100 प्रश्न शामिल हैं। परीक्षार्थी इस बात का ध्यान रखें कि परीक्षा में नेगेटिव मार्किंग का प्रावधान किया गया है। हर साल लाखों छात्र इस परीक्षा में उपस्थित होते हैं लेकिन चूंकि उनका मिलता है जिनकी तैयारी बेहतर होती है। आइए इस लेख के माध्यम से जानते हैं कि किन टिप्स की मदद से छात्र इस परीक्षा को क्लियर कर सकते हैं।

11वीं और 12वीं की मैथ्स की बेहतर प्रैक्टिस एनडीए में हर साल 30 से 40 प्रतिशत प्रश्न एनसीआईआरटी सिलेबस पर आधारित होते हैं इसलिए, इसकी बेहतर तैयारी से परीक्षार्थी अच्छे अंक प्राप्त कर सकते हैं। 11वीं और 12वीं की मैथ्स को अच्छे से पढ़िए और पढ़ने उसके बाद उसका रिवीजन भी करिए। ऐसा करने से आप अपनी कमजोरियों पर काम भी कर पाएंगे।

मॉक टेस्ट और पिछले साल के पेपर से करें तैयारी

पिछले वर्षों के प्रश्न पत्रों और मॉक टेस्ट के माध्यम से तैयारी करने पर परीक्षार्थियों को अच्छे अंक मिल सकते हैं। पिछले वर्षों के प्रश्न पत्रों की मदद से ना सिर्फ तैयारी अच्छी होती है बल्कि परीक्षार्थी को परीक्षा के बारे में जानकारी भी प्राप्त होती है। इसके साथ ही मॉक टेस्ट देने से आप परीक्षा हॉल के अनुरूप तैयारी कर सकते हैं। मॉक टेस्ट और पिछले वर्षों के प्रश्न पत्र आपको अपनी कमजोरियों आंकने में भी मदद करता है।

मैथ्स और जीएटी के लिए रेफरेंस किताबों का इस्तेमाल करें

जब गणित से तैयारी हो जाए तो रिवीजन के लिए संदर्भ यानी रेफरेंस पुस्तकों का इस्तेमाल करें। इन किताबों की मदद से आप कम समय में बेहतर रिवीजन कर पाएंगे। मैथ्स के शॉर्ट ट्रिक्स में दक्षता हासिल करने के लिए हर दिन कुछ नया पढ़ें।

हाइड्रेटेड रहें

परीक्षा की तैयारी करते समय स्वास्थ्य का ख्याल रखना बेहद जरूरी है। टेंशन छोड़ दें और स्वास्थ्य का ख्याल रखें। ठीक प्रकार से भोजन करें और खुद को हाइड्रेटेड रखें और तैयारी में ध्यान लगाएं।

टाइम मैनेजमेंट का ध्यान रखें

परीक्षा की तैयारी करना अलग बात है और परीक्षा में सारे प्रश्न अटेम्ट करना अलग। कितनी भी तैयारी क्यों ना हो अगर सारे प्रश्न का उत्तर नहीं लिख पाते तो सारी मेहनत बेकार है। ऐसे में जरूरी है कि टाइम मैनेजमेंट का भरपूर ध्यान रखा जाए और टाइम मैनेजमेंट के लिए जरूरी है कि ज्यादा से ज्यादा प्रैक्टिस की जाए।



प्रोफेशन के तौर पर काम आरंभ कर सकते हैं मार्केट रिसर्च

रणनीति बनाने के लिए आवश्यक माना जाने लगा है। मार्केट रिसर्च में बाजार और ग्राहकों से संबंधित सूचनाएं एकत्रित की जाती हैं। जब मार्केट रिसर्च के परिणाम सामने आते हैं तो उसके आधार पर कंपनियां पैकेजिंग आदि से संबंधित फैसले लेती हैं और कंपनी अपने उत्पादों का प्रचार आदि भी मार्केट रिसर्च के आधार पर ही करना तय करती है। कई बार तो इस बात के लिए भी रिसर्च की जाती है कि ग्राहकों को क्या पसंद है और किन चीजों को वो किन कारणों से पसंद करते हैं। चूंकि आज ग्राहकों की पसंद काफी बदल गई है और बाजार में काफी प्रतिযোগिता भी है, इसलिए ग्राहकों की मांग को जानने के लिए हर कंपनी इस तरह के शोध करती है। नियमित तौर पर बदलते बाजार ट्रेंड को इनके जरिए जाना जा सकता है। सिर्फ कॉरपोरेट जगत में ही नहीं, बल्कि सरकारी योजनाओं को लागू करने से पहले आंकड़े जुटाए जाते हैं। राजनीतिज्ञ भी चुनाव से पहले रिसर्चर्स की मदद लेते हैं और किसी योजना को लागू करने के बाद उसके परिणामों को जानने तक में रिसर्चर ही अंतिम काम करते हैं।

आप भी मार्केट रिसर्च प्रोफेशनल के तौर पर काम आरंभ कर सकते हैं। खास बात यह है कि ऐसा नहीं है कि कोई खास डिग्री हासिल करने के बाद ही आप ये काम करें, बल्कि स्नातक करते हुए भी आप रिसर्च के क्षेत्र में कदम रख सकते हैं। अगर जल्दी काम करना शुरू करेंगे, तो पढ़ाई के साथ-साथ आप इस क्षेत्र से जुड़ी आवश्यकताओं को समझ पाएंगे और फिर संबंधित विषयों को पढ़ कर अपनी जॉब पात्रता को अधिक मजबूत बना सकेंगे। उस अनुभव का फायदा आपको प्रोफेशनल जीवन में मिलेगा।

क्यों है यह क्षेत्र खास

पहले इनकी मांग विदेशों में ही अधिक होती थी, लेकिन अब वैश्विक स्तर पर इस तरह के विशेषज्ञों की मांग है। रिसर्च कराने का यह ट्रेंड पिछले 5 सालों में तेजी से बढ़ा है। आज हर तरह के व्यवसाय के लिए मार्केट रिसर्च एक अहम पहलू बन गया है। यह व्यावसायिक

कैसे की जाती है मार्केट रिसर्च

कस्टमर एनालिसिस, रिसर्क एनालिसिस, उत्पाद रिसर्च, विज्ञापन रिसर्च आदि की मदद से मार्केट की रिसर्च की जाती है। विशेषज्ञों का मानना है कि यह तेजी से विकास करते उद्यमों में से एक है और भविष्य में इस क्षेत्र में कई गुना नौकरियों की संभावना का विस्तार होगा। सबसे पहले पिछली बिंदु के डाटा लिए जाते हैं और उनका अध्ययन किया जाता है। प्रतियोगियों के बारे में जानकारी, विभिन्न उत्पादों के दाम और उनके मार्केटिंग के तरीकों, वितरण के तरीकों का अध्ययन किया जाता है। फिर ग्राहकों से बात की जाती है। इसके लिए उनसे क्वेश्चनेयर भरवाए जाते हैं, उन्हें फोन किए जाते हैं, इंटरनेट सर्वे और पर्सनल इंटरव्यू लिए जाते हैं। फिर सारी जानकारीयों जुटा कर उत्पाद के दाम, बिंदु, मार्केटिंग, वितरण आदि का विश्लेषण होता है। इस पूरी प्रक्रिया में मार्केट रिसर्चर जिन विधियों को चाहे, उनका प्रयोग कर डाटा एकत्रित कर सकता है। ज्यादातर इसके लिए टेलीफोन, मेल या इंटरनेट सर्वे भी किए जाते हैं। इनके अलावा इंटरव्यू, ग्रुप डिस्कशन या पब्लिक प्लेस में बृथ आदि लगा कर भी सर्वे होते हैं।

हर तरह की कंपनियां यह रिसर्च कराती हैं। इसके अलावा सरकारी एजेंसियां, राजनीतिज्ञ, सेवा प्रदाता कंपनियां भी रिसर्च कराती हैं। इसका क्षेत्र काफी बृहद है। इस तरह के रिसर्च का परिणाम सर्वे डिजाइनर्स तैयार करते हैं।

कितनी तरह की रिसर्च

अलग-अलग कई विधियों को एक विडियो बनाना, खराब दृश्यों में सुधार करना, साउंडट्रैक जोड़ना जैसे कार्य एक विडियो एडिटर के जिम्मे होते हैं। एक विडियो एडिटर का मुख्य काम किसी भी मोशन पिक्चर, केबल या ब्रॉडकास्ट विजुअल मीडिया इंडस्ट्री के लिए साउंडट्रैक, फिल्म और विडियो का संपादन करना होता है। विडियो एडिटर का कौशल ही फाइनल प्रोडक्ट की गुणवत्ता और डिलीवरी तय करता है। इसकी खास बात यह है कि बिना किसी औपचारिक शिक्षा के भी युवा इसे करियर विकल्प के तौर पर चुन सकते हैं। डिजिटल विडियो एडिटिंग में करियर बनाने के लिए एक व्यक्ति के पास इसके लिए जरूरी कंप्यूटर सिस्टम और प्रोग्राम्स की ट्रेनिंग प्राप्त होना जरूरी है।



योग्यता

इस क्षेत्र में कदम रखने के लिए पहली योग्यता है किसी भी मान्यता प्राप्त यूनिवर्सिटी से बीबीए की डिग्री। किसी भी विषय में 12वीं करने के बाद आप बीबीए कर सकते हैं। इसके आगे एमबीए की पढ़ाई कर सकते हैं। इसमें डिप्लोमा और पीजी डिप्लोमा के विकल्प भी मौजूद हैं। और मास्टर्स स्तर पर मास्टर्स ऑफ बिजनेस एडमिनिस्ट्रेशन का कोर्स कराया जाता है।

नौकरी के अवसर

मार्केट रिसर्च में नौकरी के लिए स्नातक होना आवश्यक है। इसके अलावा अंग्रेजी पर अच्छी कमांड होनी चाहिए। मार्केटिंग, अर्थशास्त्र, मनोविज्ञान, सोशलॉजी में पढ़ाई काफी मददगार साबित होती है। अच्छी कम्युनिकेशन स्किल इस क्षेत्र में आगे बढ़ने के लिए आवश्यक है। स्नातक के बाद आपको ट्रेनी की नौकरी मिल जाती है। इन्हें कोडर्स भी कहा जाता है। इसके बाद इंटरव्यूअर्स या रिसर्च असिस्टेंट की पोस्ट मिलती है। इसके बाद सीनियर पोस्ट आती हैं।

कितना कमा सकते हैं

मार्केट रिसर्च में शुरूआती दौर में आप 15,000 रुपये प्रतिमाह तक कमा सकते हैं। इसके बाद पद के हिसाब से 5 से 15 लाख तक का सालाना पैकेज बढ़ता जाता है।

ये स्किल्स हैं आवश्यक

- कम्युनिकेशन स्किल्स
- रचनात्मकता
- सेल्समैनशिप
- डाटा एकत्रित करना
- टीमवर्क
- विश्लेषण क्षमता
- लगन

ये होते हैं पद

इस क्षेत्र में कदम रखने के बाद आप फील्ड वर्क से शुरूआत कर सकते हैं, इसके बाद वाइस प्रेसिडेंट ऑफ मार्केटिंग रिसर्च के पद तक पहुंच सकते हैं।



बेहतर विकल्प के तौर पर उभर रहा है वीडियो एडिटिंग करियर

आज के दौर में इलेक्ट्रॉनिक मीडिया और मनोरंजन जगत का विस्तार तेजी से हो रहा है। ऐसे में वीडियो एडिटिंग करियर के एक बेहतर विकल्प के तौर पर उभर रहा है।

जॉब प्रोफाइल

अलग-अलग कई विधियों को एक विडियो बनाना, खराब दृश्यों में सुधार करना, साउंडट्रैक जोड़ना जैसे कार्य एक विडियो एडिटर के जिम्मे होते हैं। एक विडियो एडिटर का मुख्य काम किसी भी मोशन पिक्चर, केबल या ब्रॉडकास्ट विजुअल मीडिया इंडस्ट्री के लिए साउंडट्रैक, फिल्म और विडियो का संपादन करना होता है। विडियो एडिटर का कौशल ही फाइनल प्रोडक्ट की गुणवत्ता और डिलीवरी तय करता है। इसकी खास बात यह है कि बिना किसी औपचारिक शिक्षा के भी युवा इसे करियर विकल्प के तौर पर चुन सकते हैं। डिजिटल विडियो एडिटिंग में करियर बनाने के लिए एक व्यक्ति के पास इसके लिए जरूरी कंप्यूटर सिस्टम और प्रोग्राम्स की ट्रेनिंग प्राप्त होना जरूरी है।

व्या करता है वीडियो एडिटर

किसी भी फिल्म के निर्माण के दौरान रॉ फुटेज शूट के संपादन का काम एक विडियो एडिटर के जिम्मे होता है। आधुनिक वीडियो डिजिटल कैमरे के बढ़ते इस्तेमाल से पहले फिल्म फुटेज को असली रिट्रिप्स (पॉस्टिंट) पर शूट किया जाता था। उस वक्त वीडियो एडिटर को हाथ से उन्हें काटना पड़ता था और कई दृश्यों को एक साथ जोड़ना पड़ता था। एक वीडियो एडिटर को

रोजगार के अवसर

- ▶ फिल्म, टीवी और म्यूजिक प्रोडक्शन
- ▶ फिल्म और टीवी की मार्केटिंग और डिस्ट्रिब्यूशन
- ▶ फिल्म प्रोडक्शन, डिस्ट्रिब्यूशन या थियेटर संबंधी पर्सनल या फैमिली बिजनेस
- ▶ पोस्ट प्रोडक्शन स्टूडियो
- ▶ कॉर्पोरेट एप्लायर (कॉर्पोरेट ट्रेनिंग वीडियो)
- ▶ विज्ञापन



आमतौर पर निर्देशक या निर्माता के साथ बैठकर घंटों तक शूट किए गए रॉ फुटेज को देखना होता है। फिर उनके साथ मिलकर यह निर्धारित करना होता है कि कौन-सा दृश्य रखना है और कौन सा हटाना है।

कोर्स का विवरण

वर्तमान में वीडियो या फिल्म एडिटिंग का कोर्स भारत के लगभग सभी प्रतिष्ठित फिल्म संस्थानों में उपलब्ध है। ये कोर्स ज सर्टिफिकेट, डिप्लोमा और पोस्ट ग्रेजुएट डिप्लोमा स्तर पर कराए जाते हैं। इन कोर्स का लक्ष्य फिल्म एडिटिंग के सभी पहलुओं जैसे नॉन-लीनियर एडिटिंग, प्रोफेशनल एडिटिंग, कैमरा बेसिक्स, ग्राफिक्स और स्पेशल इफेक्ट टेक्नीक्स इत्यादि की शिक्षा छात्रों को मुहैया कराना है।

फिल्म या वीडियो एडिटिंग के अंडरग्रेजुएट कोर्स में एडमिशन के लिए अभ्यर्थियों का 12वीं पास होना जरूरी है और पीजी डिप्लोमा कोर्स के लिए संबंधित स्ट्रीम में ग्रेजुएट होना अनिवार्य शर्त है। वीडियो एडिटर के असिस्टेंट के तौर पर काम शुरू करने के लिए बेचलर डिग्री काफी है।

वेतन

शुरुआती तौर पर अभ्यर्थी 7,000 से 10,000 रुपये तक कमा सकते हैं। दो से तीन साल का अनुभव प्राप्त करने के बाद वेतन 15,000 से 25,000 रुपये तक बढ़ सकता है। बेहद अनुभवी वीडियो एडिटर छह अंकों वाली उम्दा सैलरी की भी उम्मीद कर सकते हैं।

रोजगार की संभावनाएं



भारत में हर साल 1000 से ज्यादा फिल्में बनाई जाती हैं, जो भारत को सबसे ज्यादा फिल्म बनाने वाले देशों में से एक बनाती हैं। फिल्म निर्माण के लिए एडिटिंग मौलिक जरूरत है, इसलिए कुशल वीडियो संपादकों की मांग आने वाले दशकों में घटने वाली नहीं है। वीडियो एडिटर के तौर पर एक व्यक्ति फीचर या नॉन फीचर फिल्मों, डॉक्युमेंट्री, विज्ञापनों और टीवी कार्यक्रमों में रोजगार तलाश कर सकता है। मोशन पिक्चर इंडस्ट्री में असिस्टेंट एडिटर से एडिटर के पद तक प्रमोशन पा सकते हैं। इसके अलावा किसी फिल्म स्कूल, टैक्निकल स्कूल या यूनिवर्सिटी में पढ़ाने का काम भी कर सकते हैं।